डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021-2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति सोमवार को प्रकाशित, पाक्षिक 20 जून 2022 से 2[illegible] 2022 वर्ष-39 अंक-15 मूल्य ₹ 10.00

जनजातीय संस्कृति से जुड़े साहित्य, लोक संगीत और लोककलाओं की अपनी विशेषता

आजादी के आंदोलन में जनजातीय नायकों का महत्वपूर्ण योगदान

भोपाल, जनजातीय वर्ग के कल्याण पर अब कई गुना अधिक व्यय किया जा रहा है। यह सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। जनजातीय संस्कृति के संरक्षण में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक की महत्वपूर्ण भूमिका है। जनजातीय संस्कृति से जुड़े साहित्य, लोक संगीत और लोक कलाओं की अपनी विशेषताएं हैं। अमरकंटक अंचल अनेक दुर्लभ औषधियों को अपनी धरा में समाए हुए है, जो रोग निवारण में अति उपयोगी हैं। अमरकंटक से ही आदि शंकराचार्य जी ने एक बालक से एक विभूति के रूप में जीवन का पथ चुना। यहां करोड़ों लोगों की जीवनदायिनी नर्मदा नदी का उद्गम स्थल भी है। ये बातें केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक के परिसर में नवनिर्मित शैक्षणिक आवास भवन और कृषि उपज भंडारण गृह के शुभारंभ समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में नई दिल्ली से वर्चुअली संबोधित करते हुये कहीं।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित शैक्षणिक आवास भवन के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुये।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि एक समय था जब जनजातीय विकास पर इतना जोर नहीं दिया जाता था। पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में जनजातीय मंत्रालय की भूमिका महत्वपूर्ण बनी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नवीन शिक्षा नीति से सामर्थ्य, पहुंच, गुणवत्ता, निष्पक्षता और जवाबदेही पर आधारित कार्य पर बल दिया है। जनजातीय विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा नीति का क्रियान्वयन सराहनीय है।

संघर्ष नहीं विमर्श है समाधान का मार्ग

श्री अमित शाह ने कहा कि जनजातीय वर्ग को भटकाने वाले लोगों से बचाने की आवश्यकता है। इस विश्वविद्यालय के स्तर पर जनजातीय वर्ग से जुड़े कानूनों पर शोध होना चाहिए। श्री शाह ने कहा कि संघर्ष के स्थान पर विमर्श और संवाद प्रत्येक समस्या का समाधान है। इसलिए इस माध्यम से ही अलगाव को रोकने में भी सफलता मिल सकती है। गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री भी संवाद में विश्वास रखते हैं।

जनजातीय वर्ग ने समाज को किया मजबूत

श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि जनजातीय वर्ग का गौरवशाली इतिहास है। इनकी अनूठी संस्कृति है। जनजातीय वर्ग के लोग सीधे, सहज और सरल हैं, लेकिन स्वतंत्रता आंदोलन में इनका अद्भुत योगदान रहा है। हमारा इतिहास अंग्रेजों की नजर से देखा गया। जनजातीय नायकों के योगदान की जानकारी विद्यार्थियों को देना आवश्यक है। विश्वविद्यालय इस बात को आम जनता तक ले जाए।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारत सरकार ने जनजातीय वर्ग के कल्याण के लिए बजट को बढ़ाने के साथ ही जनजातीय विकास पर फोकस किया है। वर्ष 2013-14 में आदिवासी उपयोजना पर 21 हजार करोड़ रुपये की राशि ही व्यय होती थी, जो बढ़कर 86 हजार करोड़ रुपये हो चुकी है। यह चार गुना वृद्धि है। हर घर नल योजना में सवा करोड़ से अधिक जनजातीय परिवारों तक स्वच्छ पीने का पानी पहुंचा है। यही नहीं 82 लाख से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी किए गए हैं। देश में 38 लाख जनजातीय बंधुओं के आवास तैयार हुए हैं। किसानों को दी जाने वाली पीएम सम्मान निधि का लाभ भी 3 करोड़ से अधिक जनजातीय वर्ग के किसानों को मिला है। एकलव्य मॉडल स्कूल जो वर्ष 2013-14 में मात्र 278 थे, अब उनकी संख्या बढ़ कर 1418 हो गई है। प्रति विद्यार्थी सालाना व्यय भी मात्र 42 हजार था, जो आज एक लाख 9 हजार तक पहुंच चुका है। शिक्षा पर होने वाले व्यय 1000 करोड़ को 25 सौ करोड़ रुपये तक पहुंचाया गया है।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यह प्रसन्नता की बात है इस विश्वविद्यालय में भारत सरकार की केंद्रीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सभी आयामों को नीति की मूल भावना के साथ क्रियान्वित किया जा रहा है। इसके लिए विश्वविद्यालय बधाई का पात्र है। मुझे विश्वास है कि विश्वविद्यालय शिक्षा के माध्यम से हमारे जनजातीय बेटे-बेटियों के जीवन में एक क्रांतिकारी बदलाव लाएगा।

पंचायत निर्वाचन

मतदाताओं की पहचान स्थापित करने दस्तावेज निर्धारित

भोपाल, राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन के लिए मतदाताओं की पहचान स्थापित करने के लिए दस्तावेजों की सूची जारी कर दी गयी है। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री राकेश सिंह ने जानकारी दी है कि वोटर स्लिप, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिया गया मतदाता पहचान-पत्र, आधार कार्ड, भू-अधिकार एवं ऋण पुस्तिका, राशन कार्ड (सभी सफेद, नीला, पीला एवं गुलाबी), बैंक/किसान/डाकघर पासबुक, शस्त्र लाइसेंस, सम्पत्ति दस्तावेज जैसे पट्टा, रजिस्ट्रीकृत विलेख आदि, विकलांगता प्रमाण-पत्र, निराश्रित प्रमाण-पत्र, तेंदूपत्ता संग्राहक पहचान-पत्र, सहकारी समिति का अंश प्रमाण-पत्र, किसान क्रेडिट कार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, आयकर पहचान-पत्र (पी.एन.एन. कार्ड), राज्य/केंद्र सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, स्थानीय निकाय या अन्य निजी औद्योगिक घरानों द्वारा उनके कर्मचारियों को जारी किए जाने वाले सेवा पहचान-पत्र, छात्र पहचान-पत्र, सक्षम प्राधिकारियों द्वारा जारी अजा/अजजा/अन्य पिछड़ा वर्ग/अधिवासी प्रमाण-पत्र, पेंशन दस्तावेज़ जैसे- भूतपूर्व सैनिक पेंशन बुक/पेंशन अदायगी आदेश/भूतपूर्व सैनिक, विधवा/आश्रित प्रमाण-पत्र, रेलवे पहचान-पत्र, स्वतंत्रता सेनानी पहचान-पत्र और रोज़गार गारंटी योजना में जारी फोटोयुक्त जॉबकार्ड।

इस सूची में दर्शाए गए अभिलेखों के अतिरिक्त पीठासीन अधिकारी ऐसा कोई अन्य अभिलेख भी स्वीकार कर सकेगा, जिससे वह मतदाता की पहचान के संबंध में संतुष्ट हो सके। यह स्पष्ट किया गया है कि ऊपर दर्शाए गए कोई दस्तावेज, जो परिवार के मुखिया के पास ही उपलब्ध होता है, उससे परिवार के अन्य सदस्यों की पहचान के लिए अनुमति दी जायेगी।

खास खबर

पदस्थापना स्थल के नगरीय निकाय से बाहर लगायें चुनाव ड्यूटी

भोपाल, सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री राकेश सिंह ने सभी जिला कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अधिकारियों एवं कर्मचारियों की नगरीय निकाय निर्वाचन में मतदान दल में ड्यूटी उनके पदस्थापना स्थल के नगरीय निकाय की सीमा से बाहर ही लगायी जाये।

पदस्थापना स्थल के नगरीय निकाय में उनकी ड्यूटी नहीं लगायी जाये।

अंदर के पृष्ठों पर

- **खेल चर्चा**- प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी**- देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं
- **चर्चा में**- प्रमुख चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **पिछला सप्ताह**- देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण

यूनिक आईडी नंबर

प्रत्येक कंट्रोल यूनिट और बैलेट यूनिट की पहचान के लिए होता है

भोपाल, मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा एक से अधिक पदों का निर्वाचन एक साथ इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के माध्यम से कराने के लिए मल्टीपोस्ट ईवीएम का उपयोग किया जाता है। कंट्रोल यूनिट, बैलेट यूनिट और डिटचेबल मेमोरी मॉड्यूल (डीएमएम) आयोग की ईवीएम के मुख्य अंग हैं। प्रत्येक कंट्रोल यूनिट, बैलेट यूनिट और डीएमएम की पहचान के लिए एक यूनिक आईडी नंबर होता है। कंट्रोल यूनिट को ऑन करने पर उसमें लगी हुई डीएमएम का यूनिक आईडी नंबर डिस्प्ले होता है।

सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री राकेश सिंह ने जानकारी दी है कि आयोग द्वारा स्थानीय निकायों के निर्वाचन के लिए उपयोग की जाने वाली ईवीएम (कंट्रोल यूनिट, बैलेट यूनिट एवं डीएमएम) इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड (ईसीआईएल) द्वारा निर्मित हैं। यह भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग का सार्वजनिक उपक्रम है।

निर्वाचन के लिए ईवीएम को तैयार करने के लिए ईवीएम की कमीशनिंग की जाती है। इसमें निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों अथवा उनके अभिकर्ताओं की उपस्थिति में कंट्रोल यूनिट के निर्धारित अभ्यर्थी खण्ड में डीएमएम लगाई जाकर विहित रीति से सील किया जाता है। कमीशनिंग में कंट्रोल यूनिट में लगाई गई डीएमएम के यूनिक आईडी नंबर को वहां उपस्थित अभ्यर्थी या उनके अभिकर्ता द्वारा देखा जा सकता है और यूनिक आईडी नंबर को नोट भी किया जा सकता है। इसका मिलान मतदान पूर्व मॉकपोल, मतदान, मतगणना और डीएमएम की सीलिंग में किया जा सकता है।

मतदान के समय मतदान का जो डाटा कंट्रोल यूनिट में स्टोर होता है, वही डाटा उसमें लगी डी.एम.एम. में भी समानांतर रूप से रिकॉर्ड होता है। मतगणना के बाद कंट्रोल यूनिट से डीएमएम को निकाल कर सुरक्षित रूप से सीलबंद किया जाकर कोपालय में रखा जाता है।

इस प्रकार कंट्रोल यूनिट अगले चरण के निर्वाचन के लिए मुक्त हो जाती है। सीलबंद डीएमएम को 6 माह तक रखा जाता है। इसके बाद विधिक प्रकरण लंबित नहीं होने पर विनिष्टिकरण की कार्यवाही की जाती है। सम्पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता और विश्वसनीयता के दृष्टिगत आयोग द्वारा मतदान के लिए एक बार उपयोग की गई डीएमएम को दोबारा उपयोग में नहीं लाया जाता है।

मिशन ग्रीन सिटी के लिए अभियान सराहनीय - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान मीडिया प्रतिनिधियों के साथ पौध-रोपण करते हुये।

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्मार्ट उद्यान में न्यूज-24 टीवी चैनल के मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के चेयरमैन श्री नमित जैन और अन्य सहयोगियों के साथ पीपल, नीम और कचनार के पौधे लगाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि चैनल द्वारा प्रारंभ मिशन ग्रीन सिटी के लिए अभियान सराहनीय है। उन्होंने अभियान की सफलता के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं। श्री चौहान ने कहा कि इस अभियान में बेटियों के साथ पौधे लगाने की पहल अद्भुत है। इससे पौध-रोपण को एक नया आयाम मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवार के सदस्यों के जन्म-दिवस और विवाह-वर्षगांठ पर भी पौधे लगाना चाहिये। समाज और मीडिया आने वाली पीढ़ियों के लिए मिल कर जो कार्य कर रहा है, वह प्रशंसनीय है। मुख्यमंत्री के साथ आयरानिकलस संस्था के श्री कार्तिक नाईक और उनके साथियों, पत्रकारिता विश्वविद्यालय के विद्यार्थी एवं अन्य टीवी जर्नलिस्ट ने भी पौध-रोपण किया। संस्था द्वारा स्वच्छता पर बनाई लघु फिल्म को नगर निगम भोपाल द्वारा प्रथम पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान को दो बालिकाओं द्वारा बनाए गए चित्र और पर्यावरण पर केंद्रित मुख्यमंत्री के रुझान को रेखांकित करते विशेष बधाई-पत्र भी भेंट किए गए।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

11 जून

भारत में जानवरों के लिये कोरोना की पहली वैक्सीन लॉन्च

● भारत में जानवरों के लिये भी कोरोना रोधी वैक्सीन लॉन्च की गई है। यह वैक्सीन पूरी तरह स्वदेशी है। इस वैक्सीन को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में नेशनल रिसर्च सेंटर ऑन इक्विन्स (एनआरसी) ने तैयार किया है। इस वैक्सीन को एनोकोवैक्स नाम दिया गया है। यह वैक्सीन कोरोना वायरस के डेल्टा और ओमिक्रॉन वैरिएंट पर भी असरदार है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने दावा किया कि एनोकोवैक्स जानवरों में कोरोना महामारी के खिलाफ इम्युनिटी बनाने में असरदार साबित हुई है। इस वैक्सीन के साथ ही जानवरों में कोरोना वायरस के खिलाफ एंटीबॉडी का पता लगाने के लिये एक डिटेक्शन किट भी लॉन्च की गई है।

● भारत और बांग्लादेश के बीच बस सेवा एक बार फिर बहाल हो गई है। यह बस सेवा कोरोना महामारी के कारण दो वर्ष से बंद थी। यह बस सेवा चार रूटों पर संचालित होगी। बस सेवा पुनः बहाल होने पर ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग ने ट्वीट किया कि भारत-बांग्लादेश क्रॉस बॉर्डर बस सेवाओं की बहाली हो गई है। इस बस सेवा का उद्देश्य सस्ती और जन केंद्रित आवाजाही को बढ़ावा देना है। उल्लेखनीय है कि दोनों देशों के बीच रेल सेवा 29 मई को बहाल की जा चुकी है।

12 जून

भारतीय सेना का हिस्सा बने 288 युवा कैडेट

● भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) में 288 युवा भारतीय सेना का हिस्सा बन गये हैं। इनके साथ ही 8 मित्र देशों के 89 विदेशी कैडेट भी आईएमए से पासआउट हुये। दक्षिण-पश्चिम कमांड के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल अमरदीप सिंह ने पासिंग आउट परेड की सलामी ली और इन कैडेट्स को भारतीय सेना में शामिल कराया। पासिंग आउट परेड में सबसे ज्यादा 50 कैडेट्स उत्तरप्रदेश के हैं।

13 जून

भारतीय वायु सेना खरीदेगी 114 लड़ाकू विमान

● भारतीय वायुसेना अपनी सामरिक क्षमता बढ़ाने के लिये अपने बेड़े में लड़ाकू विमानों की संख्या में वृद्धि करने की योजना बना रही है। वायु सेना 1.5 लाख करोड़ रुपये की लागत से 114 लड़ाकू विमान खरीदेगी। आत्मनिर्भर भारत योजना को बढ़ावा देने के लिये इनमें से 96 विमानों को भारत में ही बनाया जायेगा और शेष 18 विमानों को विदेशी विमान निर्माता कंपनियों से आयात किया जायेगा। भारतीय वायु सेना इन 114 बहुउद्देशीय लड़ाकू विमानों की खरीदी बाय ग्लोबल एंड मेक इन इंडिया योजना के तहत करेगी। इस योजना के तहत भारतीय विमानन कंपनियों को विदेशी विमान निर्माता कंपनी के साथ साझेदारी करने की अनुमति होगी।

● केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने बताया कि भारत में आयकर भरने वाले करदाताओं की संख्या में वृद्धि हुई है। सीबीडीटी की अध्यक्ष सुश्री संगीता सिंह ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2020-21 की तुलना में वित्तीय वर्ष 2021-22 में आयकर रिटर्न दाखिल करने वाले करदाताओं की संख्या 24 लाख बढ़ी है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2020-21 में 6.90 करोड़ करदाताओं ने आयकर रिटर्न भरा था, जो वित्तीय वर्ष 2021-22 में बढ़कर 7.14 करोड़ हो गये हैं।

14 जून

रूस बना भारत का दूसरा सबसे बड़ा कच्चे तेल का निर्यातक

● भारत को कच्चा तेल सप्लाई करने के मामले में रूस दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक बन गया है। रूस ने भारत को कच्चा तेल सप्लाई करने के मामले में सऊदी अरब को पीछे छोड़ दिया है। भारत सबसे ज्यादा कच्चे तेल का आयात इराक से करता है। यूक्रेन-रूस युद्ध के चलते रूस पर लगे वैश्विक प्रतिबंधों के बाद रूस सस्ते दाम पर भारत को कच्चा तेल उपलब्ध करा रहा है। भारत अप्रैल 2022 से पहले रूस से अपनी जरूरत कुल आयात का पांच प्रतिशत कच्चा तेल ही आयात करता था, जो मई 2022 में बढ़कर 16 प्रतिशत हो गया है।

● भारतीय रेलवे ने शोध और नये उत्पादों को बढ़ावा देने के लिये कदम बढ़ाये हैं। रेलवे प्रति वर्ष स्टार्टअप के लिये 50 करोड़ रुपये का सालाना निवेश करेगा। यह जानकारी केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे की औपचारिक नीति को लॉन्च करते हुये दी। उन्होंने कहा कि रेलवे अन्य समझौतों से इतर नई खोज या शोध की बौद्धिक संपदा के लिये शोधकर्ता के साथ रहेगी। उन्होंने बताया कि भारतीय रेलवे की नई खोज या शोध नीति के तहत रेलवे स्टार्टअप में निवेश करेगा। नई तकनीक या खोज को खरीदने या हासिल करने के लिये भारतीय रेल सीधे तौर पर 1.5 करोड़ रुपये देगी। इस नीति के लिये लगभग 40-50 करोड़ रुपये वार्षिक बजट रहेगा।

15 जून

यूक्रेन के सेवेरोडोनेस्क शहर के 80 प्रतिशत हिस्से पर रूस का कब्जा

● रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के दौरान रूस की सेना यूक्रेन के पूर्वी हिस्से पर कंट्रोल स्थापित कर रही है। रूस की सेना ने यूक्रेन के सेवेरोडोनेस्क शहर के 80 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा कर लिया है। रूसी सेना ने शहर को यूक्रेन के दूसरे हिस्सों से जोड़ने वाले तीन पुलों को नष्ट कर दिया है। इन पुलों के नष्ट होने से सेवेरोडोनेस्क शहर में मोर्चा संभाल रहे यूक्रेनी सैनिकों के पास हथियारों, गोला बारूद और राशन की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। इससे यूक्रेनी जवानों पर आत्मसमर्पण का दबाव बढ़ गया है। रूस अगर सेवेरोडोनेस्क पर पूरी तरह कब्जा कर लेता है, तो पूर्वी यूक्रेन पर रूस की पकड़ मजबूत हो जायेगी।

● केंद्र सरकार ने आनंद महिंद्रा, रवीन्द्र ढोलकिया, वेणु श्रीनिवासन और पंकज पटेल को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के बोर्ड में शामिल किया है। इन सदस्यों को भारतीय रिजर्व बैंक के पार्ट टाइम नॉन ऑफिशियल डायरेक्टर्स के रूप में बोर्ड में शामिल किया गया है। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडल की नियुक्त समिति ने इन नियुक्तियों को मंजूरी दी। इन सदस्यों की नियुक्ति चार वर्ष के लिये की गई है।

16 जून

भारत ने बैलिस्टिक पृथ्वी-2 मिसाइल का सफल परीक्षण किया

● भारत ने कम दूरी तक मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल पृथ्वी-2 का सफल रात्रिकालीन परीक्षण किया है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस मिसाइल का परीक्षण ओडिशा के एकीकृत परीक्षण केंद्र में किया गया। परीक्षण के दौरान मिसाइल ने सभी तय परिचालन और तकनीकी मानकों को पूरा किया। स्वदेशी तकनीक से विकसित की गई सतह से सतह पर मार करने वाली यह मिसाइल कई अत्याधुनिक क्षमताओं से युक्त है। परमाणु क्षमता से सम्पन्न पृथ्वी-2 मिसाइल 350 किलोमीटर तक प्रहार कर सकती है।

● लगभग चार महीने से चल रहे रूस और यूक्रेन युद्ध को रोकने के लिये चीन ने मध्यस्थता की पेशकश की है। चीन ने कहा कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग युद्ध को खत्म करने के लिये मध्यस्थता करने को तैयार हैं। चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग ने मध्यस्थता प्रस्ताव के संबंध में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से टेलीफोन पर चर्चा की। चीनी राष्ट्रपति ने कहा कि चीन ने इस मसले पर शुरू से तटस्थ भूमिका रखी है।

17 जून

गन कल्चर पर काबू करने वाला विधेयक न्यूयॉर्क में पारित

● अमेरिका में गन कल्चर के कारण लगातार बढ़ रही हिंसा पर नियंत्रण लगाने के लिये न्यूयॉर्क राज्य ने गन रखने के नियमों को सख्त बनाया है। गन कल्चर के खिलाफ न्यूयॉर्क राज्य की विधायिका ने कई विधेयक पारित किये हैं। इन विधेयक के जरिये बंदूकें खरीदने संबंधी कानूनों को कठोर बनाते हुये सेमी ऑटोमैटिक असॉल्ट राइफल खरीदने की न्यूनतम उम्र 21 वर्ष कर दी गई है। इसके अलावा आम अमेरिकी नागरिकों को बुलेटप्रूफ जैकेट खरीदने से भी रोका गया है। विधायिका ने एक अन्य विधेयक भी पारित किया है, जिसके तहत 'रेड फ्लैग लॉ' को विस्तार मिलेगा और उन लोगों की सूची बढ़ाई जायेगी, जिन्हें अत्यधिक खतरे के कारण सुरक्षा की जरूरत है। इस कानून के जरिये अदालत कुछ समय के लिये लोगों के हथियार जब्त कर सकती है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग चयन परीक्षा
MPPSC
प्री एवं मेंस की तैयारी हेतु
पढ़े उनसे जिनके पास वर्षो का अनुभव है

महेंद्र यादव सर | अवधेश यादव सर | अनिल शर्मा सर | संजीव वैद्य सर
प्री के नवीन बैच 22 जून से प्रारंभ
फोर्स सिविल सर्विसेस
वेदा बिल्डिंग भवरकुआं, इंदौर
पता: G-20 वेदा बिल्डिंग, भवरकुआं इंदौर: 96918-37948
R-47195/2022

isba GROUP OF INSTITUTES | isba (Approved by M.P. Govt. & Affiliated to D.A.V.V.)
One of the finest and leading management & commerce colleges initiated by the ISBA Group, which is looking for following positions
Principal-2
Assistant / Associate Professor
Commerce-10, Fashion Technology-2, Interior Design-2 Chemistry-2 Mathematics-2, Biotechnology-2, Seed Technology / Horticulture-2 Physics-2, Political Science-5, Social Science-5, History-3, Hindi-2 English-2, Computers-2, Librarian-2, Hotel Management-2
Receptionist-2, Tele Callers-5
Qualifications & Salary as per UGC Norms and Selection under Code 28 of DAVV, Indore
Send your CV with Photo & Covering Letter within 7 days.
Email your CV at: info@isbaindore.in, Call: 0731-2026000/2023000
R-47191/2022

प्रयासKSG
An institute for MPPSC Examination
MPPSC
UPSC में 2000 से अधिक सिलेक्शन देने के बाद MPPSC को समर्पित KSG का प्रतिबद्ध संस्थान
Our Proud Achievers (MPPSC)

Rachna Sharma 2nd Rank | Gagan Bisen 7th Rank | Tanmay 15th Rank
NEW BATCH
FROM 27th June in Indore — पाठ्यक्रम की अवधि 10-12 महीना
FROM 8th July in Bhopal — पाठ्यक्रम की अवधि 10-12 महीना
Batch timing:-
• 8-12 Morning (Hindi Medium) • 4-8 Evening (English Medium)
दिल्ली एवं म.प्र. के अनुभवी शिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन
9893739446, 7725837474
Indore : 111-117 , 1st Floor, Veda Building, Bhawar kuwa Square, Indore
7223901339, 9302963679, 0755-4940022
Bhopal : 43, S-1 & S-3, 2nd Floor, R.R. Archade, Behind GK Palace, Zone-II, M.P. Nagar, Bhopal (MP)-462011
R-47190/2022

वर्ष 39, अंक 25 20.06.2022 से 26.06.2022
रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - राघवेन्द्र कुमार सिंह
- सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह
- कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- आकल्पन - आशा रोमन, अरविन्द टोप्पो, सुशील लांडगे
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

बड़े कार्य और उपलब्धि के लिये जरूरी है संवेदना और बेचैनी

जनकल्याण का कोई बड़ा कार्य करने के लिये तड़प, व्याकुलता और संवेदना हो, तो कार्य आसान होता है। युवाओं में कुछ श्रेष्ठ करने की बेचैनी होनी चाहिये। चीफ मिनिस्टर्स यंग प्रोफेशनल्स फॉर डेवलपमेंट प्रोग्राम से सुशासन क्षेत्र में बेहतरी के लिये एक प्रयोग किया गया है। इसका लाभ जनता को होगा। किसी भी स्तर पर योजनाओं की मॉनीटरिंग होती है तो कार्य ठीक होने लगता है। प्रातः साढ़े छह बजे से हो रही जिलावार समीक्षा बैठकों के भी सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। अधिकारियों को यह अहसास होता है कि कार्यों पर मुख्यमंत्री की नजर है, तो काफी कुछ ठीक होने लगता है। जिलों से चर्चा का क्रम जारी रहेगा। उपरोक्त बातें मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहीं। मुख्यमंत्री भोपाल स्थित अटल विहारी वाजपेयी सुशासन और नीति विश्लेषण संस्थान में चीफ मिनिस्टर्स यंग प्रोफेशनल्स फॉर डेवलपमेंट प्रोग्राम के रिसर्च एसोसिएट्स को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीएम फैलोज द्वारा जिलों में दिये गये योजनाओं के क्रियान्वयन के परीक्षण, अध्ययन और सर्वे का सुशासन एवं विकास में उपयोग किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधोसंरचनात्मक विकास के साथ अच्छी नागरिक सेवाओं से आज परिदृश्य बदल गया है। पहले प्रति एक हजार पर 912 बेटियों का जन्म होता था, जो बढ़कर 956 हो गया है। कुछ जिले बेटे-बेटियों के जन्म की संख्या को बराबरी तक लाने में सफल हुये। समाज की मानसकिता में भी बदलाव आया है। जनभागीदारी बढ़ी है और मध्यप्रदेश अनेक क्षेत्रों में उन्नत स्थिति में आ चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आंगनवाड़ियों को सुविधाजनक बनाने के लिये प्रारंभ अभियान के अच्छे नतीजे आ रहे हैं। इंदौर और भोपाल में आंगनवाड़ी केंद्रों के लिये खिलौने ही नहीं, कम्प्यूटर, पुस्तकें, पोषण आहार और अन्य सामग्री भी नागरिकों ने दिल खोल कर दी है। जन अभियान परिषद ने भी स्वैच्छिक संगठनों को प्रोत्साहित किया है। कन्या विवाह योजना और लाड़ली लक्ष्मी योजना का प्रारंभ हुआ तो समाज ही सहयोगी बना। आज प्रदेश में 43 लाख लाड़ली लक्ष्मी बेटियां हैं। लाड़ली लक्ष्मी योजना-02 से उच्च शिक्षा के लिये बेटियों को मदद मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि निरंतर समीक्षा के फलस्वरूप कल्याणकारी कार्यक्रमों के अच्छे अमल को जनता भी अनुभव कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं के स्वरूप बदलने, उनकी प्रक्रिया में सुधार करने और योजनाओं का क्रियान्वयन करने वाले व्यक्तियों की कार्यशैली का अध्ययन कर सुशासन के प्रयास किये जाते हैं। सुशासन के इन उपायों का जनता को सीधा लाभ प्राप्त होता है। चीफ मिनिस्टर्स यंग प्रोफेशनल्स फॉर डेवलपमेंट प्रोग्राम से राज्य में सुशासन को प्रभावशाली बनाने का कार्य हो रहा है। प्रथम चरण में मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना, पोषण अभियान और लोक सेवा केंद्रों के कार्यों का युवाओं द्वारा अध्ययन किया गया। मुख्यमंत्री का मानना है कि युवा हर समाज की नींव होते हैं। वे आज और आने वाले कल का निर्माण करते हैं। आज प्रदेश में सुशासन, प्रगति और लोक सेवा प्रदाय के लिये अनेक योजनाएं चल रही हैं। सीएम वायपीडीपी की शुरुआत नागरिक केंद्रीय प्रशासन को ध्यान में रखकर युवाओं की भागीदारी से योजनाओं को सशक्त बनाने के लिये की गई। इस प्रोग्राम में चिन्हित की गई योजनाओं का डेटा संग्रह, विश्लेषण और मूल्यांकन कर पब्लिक सर्विस डिलेवरी सिस्टम को मजबूत बनाना है।

अनावश्यक कैल्शियम सप्लीमेंट न लें

अक्सर यह देखने में आता है कि लोग बिना डॉक्टर की सलाह के कुछ दवाएं ले लेते हैं। कैल्शियम सप्लीमेंट भी उन्हीं में से एक है। कैल्शियम सप्लीमेंट मुख्यतः हड्डियों को मजबूत करने के लिये लिया जाता है, लेकिन अब एक नये अध्ययन में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। शोधकर्ताओं ने बताया कि हड्डियों को मजबूत करने के लिये इस्तेमाल किये जाने वाले कैल्शियम सप्लीमेंट से दिल और किडनी को नुकसान होता है। शोधकर्ताओं ने कहा, इस तरह की समस्या ब्रिटेन के लाखों लोगों में देखी गई है। शोध के अनुसार, कैल्शियम की गोलियां लेने से सामान्य हृदय समस्या वाले बुजुर्गों के मरने की संभावना एक तिहाई से अधिक हो जाती है। शरीर में अतिरिक्त कैल्शियम शरीर पर नकारात्मक असर डालता है। शोध में किसी विशिष्ट चिकित्सीय आवश्यकता के बगैर कैल्शियम की गोलियां ना लेने की सलाह दी गई है। किंग्स कॉलेज लंदन के शोधकर्ताओं ने कहा कि कैल्शियम से भरपूर भोजन करना शरीर के लिये सुरक्षित है, लेकिन कैल्शियम सप्लीमेंट लेने से धमनियों में परत जमने और हृदय को नुकसान पहुंचने का खतरा बढ़ जाता है। शोध में 10 साल तक किये गये चिकित्सकीय परीक्षणों का विश्लेषण किया गया। शोध के निष्कर्ष में बताया गया कि कैल्शियम के सप्लीमेंट लेने से दिल के वाल्व प्रभावित होते हैं। शोध में शामिल अमेरिका के जॉन्स हॉप्किन्स यूनिवर्सिटी के मेडीसन विभाग के एरिन माइक्रोस ने बताया, हमें इस बात के सबूत मिले हैं कि सप्लीमेंट के रूप में कैल्शियम की अधिक मात्रा लिये जाने से दिल और नाड़ी तंत्र को नुकसान पहुंचता है। शोध का नेतृत्व करने वाले जॉन एंडरसन ने कहा कि पुराने अध्ययन दिखाते हैं कि कैल्शियम के सप्लीमेंट खासतौर के बड़ी उम्र के लोगों में हड्डियों के ढांचे तक नहीं पहुंच पाते या पेशाब के रास्ते नहीं निकल पाते। इस कारण ये शरीर के नर्म ऊतकों में जमा हो जाते हैं।

- देवेश तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

विश्व शरणार्थी दिवस 20 जून

सबको मिले सुरक्षित जीवन का हक

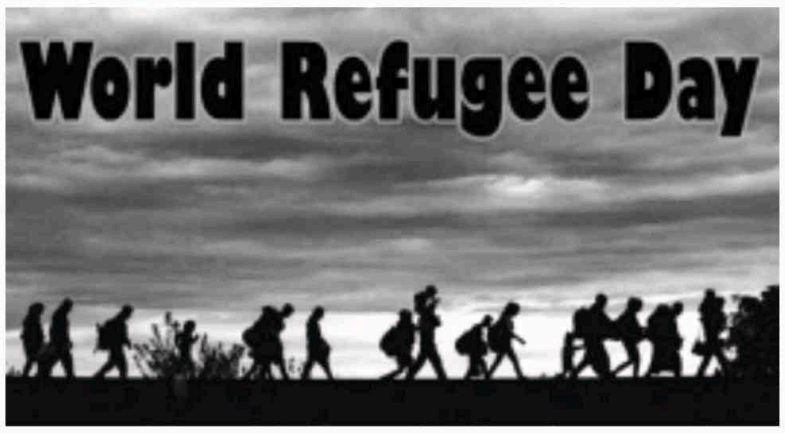

जब तक एक मां या पिता को यह अहसास नहीं होता कि उनका बच्चा पानी में जमीन से ज्यादा सुरक्षित है, तब तक वह उसे कभी नांव में अकेले नहीं छोड़ते है।

सोमालिया की मशहूर कवियित्री वार्सन शियर की यह पंक्ति शरणार्थी जीवन के दर्द से भरे उस दृश्य को बयां करती हैं, जो दुनिया के किसी न किसी कोने में हर साल नजर आते हैं। कोई भी व्यक्ति अपना घर, अपनी जमीन, अपना शहर, अपना अस्तित्व, अपनी मिट्टी नहीं छोड़ना चाहता है, उसे छोड़ता है, तो सिर्फ विपरीत परिस्थितियों के कारण। ऐसे लोग दुनिया के हर कोने में हैं, उनके संघर्ष और साहस को समर्पित विश्व शरणार्थी दिवस 20 जून को पूरी दुनिया में मनाया जाता है।

क्यों मनाया जाता है विश्व शरणार्थी दिवस?

विश्व शरणार्थी दिवस प्रत्येक वर्ष 20 जून को उन लोगों के साहस, शक्ति और संकल्प के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए मनाया जाता है, जिन्हें प्रताड़ना, संघर्ष और हिंसा की चुनौतियों के कारण अपना देश, अपनी जमीन, अपना घर छोड़कर भागने को मजबूर होना पड़ता है। शरणार्थियों के जीवन के संघर्षपूर्ण जीवन और विपरीत परिस्थितियों की ओर ध्यान आकर्षित करने और शरणार्थी समस्याओं को हल करने के लिए ही यह दिवस मनाया जाता है। विश्व शरणार्थी दिवस पर हम संघर्ष और उत्पीड़न के कारण अपने घरों से पलायन को विवश लाखों शरणार्थियों की दयनीय स्थिति को महसूस करते हैं और इन सर्वाधिक कमजोर लोगों को जीवन-रक्षक सहायता प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं।

विश्व शरणार्थी दिवस मनाने की शुरुआत

दुनियाभर में, विभिन्न देश कई वर्षों से शरणार्थी दिवस मना रहे हैं। कुछ देशों में शरणार्थी सप्ताह मनाया जाता है। 20 जून को शरणार्थी दिवस कई देशों में मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 4 दिसम्बर, 2000 को 55/76 प्रस्ताव को स्वीकार किया और हर वर्ष 20 जून को विश्व शरणार्थी दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। प्रस्ताव पारित होने के दिन महासभा ने वर्ष 2001 को शरणार्थियों की स्थिति से संबंधित 1951 कन्वेंशन की 50वीं वर्षगांठ के रूप में चिह्नित किया। अफ्रीकी एकता संगठन (OAU) भी 20 जून के लिए सहमत हो गया, क्योंकि अफ्रीकी शरणार्थी दिवस अंतर्राष्ट्रीय शरणार्थी दिवस के साथ मेल खाता है। वर्ष 2001 से प्रतिवर्ष संयुक्त राष्ट्र द्वारा 20 जून को विश्व शरणार्थी दिवस मनाया जा रहा है। इस दिन को मनाने का मुख्य कारण लोगों में जागरूकता फैलानी है कि कोई भी इंसान अमान्य नहीं होता फिर चाहे वह किसी भी देश का हो। एकता और समन्वय की भावना रखते हुए हमें सभी को मान्यता देनी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र की संस्था यू.एन.एच.सी.आर. (United Nations High Commissioner for Refugees) शरणार्थी लोगों की सहायता करती है। अंतर्राष्ट्रीय संगठन जैसे इंटरनेशनल रेस्क्यू कमेटी (आईआरसी) और एमनेस्टी इंटरनेशनल इस अवसर पर अनेक गतिविधियां आयोजित करता है। इन गतिविधियों में शामिल है : शरणार्थी स्थलों का निरीक्षण, शरणार्थियों और उनकी समस्याओं से संबंधित फिल्मों का प्रदर्शन, गिरफ्तार शरणार्थियों की मुक्ति के लिए विरोध प्रदर्शन और जेल में बंद शरणार्थियों के लिए सही चिकित्सकीय सुविधा और नैतिक समर्थन उपलब्ध कराने के लिए रैलियां निकालना, सोशल मीडिया पर शरणार्थियों के पक्ष में वीडियो, मैसेज पोस्ट करना, कैंपेन चलाना आदि है।

शरणार्थियों की संख्या करीब 10 करोड़ हो चुकी है। शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र के उच्चायुक्त फिलिपो ग्रैण्डी ने कुछ समय पहले बताया था कि 10 करोड़ एक चौंकाने वाली संख्या है। यह एक ऐसा रिकॉर्ड है, जो कभी बनना ही नहीं चाहिये था। इसे, विनाशकारी संघर्षों को हल करने और रोकने, उत्पीड़न को समाप्त करने एवं निर्दोष लोगों को अपने घरों से भागने के लिये मजबूर करने वाले अंतर्निहित कारणों से निपटने के लिए एक खतरे की घण्टी माना जाना चाहिए।

कुछ अपने देश में तो कुछ दूसरे देश में शरणार्थी

यूएनएचसीआर के अनुसार, इथियोपिया, बुर्कीना फासो, म्यांमार, नाइजीरिया, अफ़गानिस्तान और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य सहित कई देशों में हिंसा या लंबे संघर्ष के कारण, 2021 के अंत तक दुनिया भर में जबरन विस्थापित लोगों की संख्या बढ़कर 9 करोड़ हो गई थी। 2022 में, यूक्रेन में युद्ध से, देश के भीतर 80 लाख लोग विस्थापित हुए और लगभग 60 लाख देश छोड़ने के लिए मजबूर हुए। दुनियाभर में जबरन विस्थापित हुए 10 करोड़ लोगों की ये संख्या, वैश्विक आबादी का 1 प्रतिशत है और यह संख्या दुनिया के 14वें सबसे अधिक आबादी वाले देश की कुल आबादी के समकक्ष है। इस संख्या में, शरणार्थियों और आश्रय चाहने वालों के साथ-साथ, संघर्ष से अपने देश की सीमाओं के अन्दर ही विस्थापित, करीब 5 करोड़ 32 लाख लोग शामिल हैं। फिलिपो ग्रैण्डी ने कहा, 'यूक्रेन में युद्ध से भाग रहे लोगों के लिये अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया बेहद सकारात्मक रही है। करुणा जीवित है, और हमें दुनियाभर के सभी संकटों के लिये इसी तरह की लामबन्दी की आवश्यकता है, लेकिन अन्ततः, मानवीय सहायता एक अस्थाई उपाय है, इलाज नहीं।'

'इस प्रवृत्ति को उलटने का एकमात्र उपाय, शान्ति और स्थिरता ही है, ताकि निर्दोष लोगों को घर पर गंभीर खतरे से जूझने या अनिश्चिततापूर्ण पलायन और निर्वासन के बीच चुनने के लिये मजबूर न होना पड़े।' 2021 में संघर्ष और हिंसा के कारण एक करोड़ 44 लाख लोग अपने ही देशों के भीतर विस्थापित हुए हैं, जो उससे पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत अधिक है। इस बीच वर्ष 2021 में बाढ़, तूफान और चक्रवात जैसी मौसम सम्बन्धी घटनाओं के परिणामस्वरूप लगभग 2 करोड़ 37 लाख लोग अपने देश में ही विस्थापित हुए, मुख्य रूप से एशिया-प्रशान्त क्षेत्र में ऐसा हो रहा है। अर्थात कोई व्यक्ति किसी युद्ध की वजह से तो कोई प्राकृतिक आपदा तो कोई किसी धार्मिक या नस्लीय संघर्ष की वजह से अपना घर, अपनी जमीन छोड़ने के लिए मजबूर हुआ था।

हर एक को सुरक्षित रहने का मानव अधिकार

हर वर्ष विश्व शरणार्थी दिवस एक विशेष थीम पर मनाया जाता है। इस वर्ष इसका संबंध शरणार्थियों के सुरक्षित जीवन से है। भले ही शरणार्थी कोई भी हों, पलायन को मजबूर लोगों के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाना चाहिए। कोई भी व्यक्ति सुरक्षा की मांग कर सकता है, सुरक्षा की मांग करना एक मानव अधिकार है। शरणार्थी चाहे जहां से भी आए, पलायन को मजबूर लोगों का स्वागत किया जाना चाहिए। दुनियाभर से शरणार्थी आते हैं। उस संकट से बचने के लिए वे हवाई जहाज, नाव या कई बार पैदल ही सरहदों को पार करते हैं। उन्हें सुरक्षा हासिल करने का अधिकार है। इसी तरह जब भी लोगों को भागने के लिए मजबूर किया जाता है, तो उन्हें सुरक्षा का अधिकार है। खतरा जो भी हो, युद्ध, हिंसा, उत्पीड़न, हर कोई सुरक्षा का हकदार है। सभी को सुरक्षित रहने का अधिकार है। सरहद के माध्यम से अपनी जिंदगी बचाने के लिए दूसरे देश में शरण लेने वालों के लिए सरहद खुली होनी चाहिए। ताकि उन्हें संकट से निकलने में परेशानी का सामना न करना पड़े। सरहद बंद करने से उनका संघर्ष और बढ़ जाता है। इसी तरह शरणार्थियों को कभी भी अपने देश वापस जाने के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए। शरणार्थियों के संग जाति, नस्ल, देश या किसी अन्य तरह का भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए। उन्हें भी सम्मान के साथ अपने जीवन यापन का अधिकार है।

जेनेवा कन्वेंशन में बने थे कानून

1951 का जेनेवा कन्वेंशन (Geneva Convention) शरणार्थी कानून का मुख्य अंतर्राष्ट्रीय साधन है। कन्वेंशन में स्पष्ट रूप से बताया गया है कि शरणार्थी कौन हैं और वे किस प्रकार की कानूनी सुरक्षा, अन्य सहायता और सामाजिक अधिकार उन देशों से प्राप्त कर सकते हैं, जिन्होंने जेनेवा कन्वेंशन के दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए हैं। कन्वेंशन सरकार के प्रति शरणार्थियों के दायित्वों को भी स्पष्ट करता है। शुरुआती समय में कन्वेंशन केवल द्वितीय विश्व युद्ध के बाद मुख्य रूप से यूरोपीय शरणार्थियों की रक्षा करने के लिए सीमित था, लेकिन एक अन्य दस्तावेज, 1967 के प्रोटोकॉल ने कन्वेंशन के दायरे का विस्तार किया, क्योंकि दुनियाभर में विस्थापन की अत्यधिक समस्या फैल गई थी।

भारत पाकिस्तान के विभाजन, बांग्लादेश और पाकिस्तान का विभाजन से लेकर हाल ही में हुए यूक्रेन और रूस के युद्ध की वजह से भी उन लोगों को एक शरणार्थी की त्रासदी से गुजरना पड़ा, जिसमें उनका कोई दोष नहीं था। फिलिस्तीन कवि महमूद दरवेश, हिंदी के महान साहित्यकार अज्ञेय, अमृता प्रीतम, यशपाल, कृष्णा सोबती समेत देश-दुनिया के कई साहित्यकारों ने इस दर्द को कलम के माध्यम से कागज पर उकेरने का काम किया है।

अपनी जलती आंखों
और रक्तिम हाथों को बनाओ
रात जायेगी
कोई कैद : कोई जंजीर नहीं रहेगी
नीरो मर गया था रोम नहीं
वह लड़ा था अपनी आंखों से
एक सूखी हुई गेहूं की बाली के बीज
भर देंगे खेतों को
करोड़ों-करोड़ हरी बालियों से।

सर्जना चतुर्वेदी

(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं)

LAL BAHADUR SHASTRI INSTITUTE OF TECHNOLOGY & MANAGEMENT (LBSITM), INDORE

Approved by AICTE and Affiliated to DAVV, Indore , (M.P.)

Applications are invited for:

ASSISTANT PROFESSOR & ASSOCIATE PROFESSOR

(3 positions) for Management and Commerce each (under DAVV College code 28), Marketing, Human Resources, Finance, Information Technology, International Business, Economics and General Management for 3 years BBA,B.Com(Plain), B.Com (Hons.) & 2 year MBA, MBA (MM) & MBA (FA) programs

COMPUTER SYSTEMS ADMINISTRATOR

Eligibility- As per UGC/AICTE Norms, Candidates should be NET/SET/SLET qualified /Ph.D (Regulation 2009) in their relevant field.

Please mail your application with resume to

directorlbsitm@gmail.com

Sanwer Road, SH-27, Near MPEB Grid, District Indore-453551 (MP)

M: +91 94240 82064 / 98260 99290

R-47192/2022

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, BHOPAL M.P.-462011 (GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER NO. 994 (RCPLWE-Road) (BW)

No./8158/22/D-12/MPRRDA/2022 Bhopal, Dated : 17.06.2022

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.mptenders.gov.in** as detailed below;

- **Name of work -** RCPLWE (Road)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Balaghat	1	106211000.00

1. Tender document can be purchased and submitted only online from the above website from **20.06.2022 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/105282/47193/2022 **(TENDER)**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, BHOPAL M.P.-462011 (GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 995 (PMGSY-B.W.)

No./8155/22/D-12/MPRRDA/2022 Bhopal, Dated : 17.06.2022

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **www.pmgsytenders.gov.in** as detailed below :

- **Name of Work -** Construction/Up-gradation of Rural Roads under PMGSY including maintenance for Five year after construction
- **SSR Applicable :-** SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority, effective from 05.11.2019 and amended upto issue date of NIT.

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Narmadapuram	1	18796281.00
2.	Shivpuri	1	59276000.00

1. Bid document may be purchase online from **20.06.2022 (17:30 hrs)** and last date for online bid submission is **06.07.2022 (17:00 hrs.)**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/105283/47194/2022 **(TENDER)**

कार्यालय मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण भोपाल (म.प्र.)
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 02/सी.आर.एफ./वर्ष 2022-23/मु.अ.(सेतु परिक्षेत्र) **भोपाल, दिनांक : 01.06.2022**

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. केंद्रीय सड़क निधि योजनांतर्गत रीवा शहर में वाराणसी नागपुर मार्ग के कि.मी. 234/6 में सिरमौर चौराहे पर निर्मित फ्लाय ओव्हर पुल के थर्ड लेग निर्माण कार्य की निविदा ई.पी.सी. मोड पर।

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. लागत राशि (रु. लाख में)	ई.एम.डी. राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित सम्पूर्ण दस्तावेज जमा करने हेतु
2022_PWDRB_208843_1	रीवा	पुल कार्य	प्रथम	3657.87	केवल ऑनलाइन
		कुल योग -		**3657.87**	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 18.07.2022, (17.30) बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार-पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता

जी-13791/47185/2022 **लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल (म.प्र.)**

निविदा आमंत्रण सूचना (ई-पद्धति)
मध्यप्रदेश शासन, नर्मदा घाटी विकास विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता
रानी अवंतीबाई लोधी सागर, परियोजना बरगी हिल्स, जबलपुर (म.प्र.)

ज्ञाप क्र. 11/क्यू/सा-2/2022-23 **दिनांक : 13.06.2022**

निविदा सूचना आमंत्रण (चतुर्थ आमंत्रण)

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 26/मु.अ./2022-23 **दिनांक : 13.06.2022**

निम्नलिखित कार्यों की ऑनलाइन निविदा ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल के माध्यम से वेबसाइट **http://www.mptenders.gov.in** पर जारी की जा रही निविदा की संक्षिप्त जानकारी निम्नानुसार है -

कार्य का विवरण	:-	हालोन सिंचाई परियोजना के नहर का शेष कार्य का निष्पादन जिसमें सभी सहायक कार्यों के साथ मुख्य नहर के वितरण नेटवर्क का निर्माण संचालन और रखरखाव एवं संबंधित अन्य सभी कार्य (टर्न-की पद्धति पर आधारित)
निविदा की अनुमानित राशि (रु. करोड़ में)	:-	रु. 116.45 करोड़
धरोहर राशि (रु. लाख में)	:-	रु. 50.00 लाख
निविदा प्रपत्र का मूल्य	:-	रु. 50000.00 (वापसी योग्य नहीं)
ऑनलाइन निविदा आमंत्रण करने का दिनांक	:-	**दिनांक 13.06.2022, 17.30 से 30.06.2022, 17.30 तक**
ऑनलाइन निविदा जमा करने का दिनांक	:-	दिनांक 13.06.2022, 17.30 से 30.06.2022, 17.30 तक
धरोहर राशि एवं निविदा खोलने का दिनांक	:-	दिनांक 02.07.2022, 10.30 से आगे

निविदा प्रपत्र उपरोक्त वेबसाइट पर क्रेडिट कार्ड द्वारा या इंटनरेट बैंकिंग खाते से आवश्यक राशि के भुगतान करने के उपरान्त केवल ऑनलाइन डाउनलोड किया जा सकता है। निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये उपरोक्त वेबसाइट का अवलोकन करें।

मुख्य अभियंता

जी-13840/47186/2022 **रानी अवंती बाई लोधी सागर परियोजना बरगी हिल्स, जबलपुर**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, संभाग क्रमांक 1 ग्वालियर

फोन नं. : 0751-2371231, ई-मेल : eepwd1gwl@mp.nic.in

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 17/टी.सी./डी.-1 ग्वा./2022-23 **दिनांक : 13.06.2022**

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु नवीन निविदा प्रपत्र 2.10 पर आमंत्रण की सूचना क्र. 17 ग्वालियर दिनांक 13.06.2022 द्वारा प्रचलित भवन/पथ कार्यों की दर अनुसूची दिनांक 01.12.2020/25.03.2022 पर निविदायें लो.नि.वि. में केन्द्रीयकृत पंजीकृत ठेकेदार श्रेणी हेतु आमंत्रित की जाती हैं जिसका सम्पूर्ण विवरण **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। विभाग तकनीकी समस्याओं के लिए जिम्मेदार नहीं होगा एवं किन्हीं कारणों से की जाने वाली परिवर्तन की सूचना वेबसाइट पर ही देखें पृथक से प्रकाशित नहीं की जावेगी।

सरल क्रमांक एवं कार्य का नाम :- 1. मुख्यालय उपसंभाग क्र.-1 ग्वालियर के अंतर्गत मेंटल चौराहा से कोटेश्वर मार्ग लं. 3.50 कि.मी. में सड़क निर्माण कार्य द्वितीय आमंत्रण।

टेन्डर आई.डी.	(1) ठेके की अनु. लागत राशि रु. (2) अमानत राशि	टेण्डर फार्म की राशि (रु. में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	पंजीयन श्रेणी
2022_PWDRB_198910_1	1. 967.47 लाख 2. 967470/-	20000/- + (पोर्टल चार्ज)	10 माह वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि.में केन्द्रीयकृत पंजीकृत ठेकेदार

कुल कार्य संख्या	-	1 (एक)
ऑनलाइन निविदा जारी व डाउनलोड करने की आरम्भ तिथि	-	14.06.2022 प्रातः 10:30
ऑनलाइन निविदा दर प्रस्तुत करने की **अंतिम तिथि**	-	**04.07.2022 सायं 17:30**
ऑनलाइन निविदा दर खुलने की तिथि	-	06.07.2022 प्रातः 17:30

निविदा फार्म ऊपर दर्शित वेबसाइट पर (**Online System**) ऑनलाइन भुगतान कर ही क्रय किये जा सकते हैं। तथा सम्पूर्ण जानकारी पोर्टल पर प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यपालन यंत्री

जी-13871/47189/2022 **लोक निर्माण विभाग, संभाग क्र.-1, ग्वालियर (म.प्र.)**

प्रदूषण नियंत्रित कर रहा है पर्यावरण निगरानी केंद्र

भोपाल, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा पर्यावरण निगरानी केंद्र से प्रदूषणकारी उद्योगों की सतत निगरानी की जा रही है। इससे प्रदूषण की स्थिति निर्मित होने के पहले ही, उसे नियंत्रित कराने और उद्योगों को प्रदत्त प्रदूषण नियंत्रण के निर्धारित मापदंडों का पालन कराने में सहायता मिलती है। उद्योगों और संस्थानों आदि में स्थापित प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था के व्यवस्थित संचालन एवं आवश्यकता अनुसार सुधार कार्यों पर भी निगरानी रखी जाती है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा निर्देशित 17 प्रकार के अति-प्रदूषणकारी उद्योगों को भी प्रदेश में चिन्हित कर उनकी सतत निगरानी की जा रही है। प्रदूषण की दृष्टि से लाल एवं नारंगी श्रेणी में चिन्हित अपेक्षा से अधिक प्रदूषण भार वाले उद्योग सतत निगरानी के दायरे में हैं। उद्योगों द्वारा सतत स्रोत उत्सर्जन मापन उपकरण (CEMS), सतत दूषित जल गुणवत्ता मापन उपकरण (CEQMS), सतत परिवेशीय वायु गुणवत्ता मापन उपकरण (CAAQMS) और आईपीपीटीजेड कैमरा आदि व्यवस्थाएं स्थापित हैं। पर्यावरण निगरानी केंद्र को इनके माध्यम से लगातार प्रदूषण की स्थिति की जानकारी मिलती रहती है।

अधिकांश प्रदूषणकारी उद्योगों द्वारा निगरानी उपकरण स्थापित

उद्योगों के अतिरिक्त कॉमन बायोमेडिकल वेस्ट, नगरीय अपशिष्ट, औद्योगिक खतरनाक अपशिष्ट, औद्योगिक निस्राव आदि उपचारित करने वाली सुविधाओं से होने वाले प्रदूषण की निगरानी भी इसी केंद्र से की जाती है। वर्तमान में प्रदेश में 101 अति-प्रदूषणकारी प्रकृति के उद्योगों में से अधिकांश उद्योगों द्वारा सतत निगरानी उपकरण स्थापित कर लिये गये हैं। इसके अलावा 102 अन्य प्रमुख प्रदूषणकारी उद्योगों द्वारा भी सतत निगरानी उपकरण स्थापित किये गये हैं। उद्योगों द्वारा कुल 354 स्रोत मॉनीटरिंग उपकरण, 142 सतत परिवेशीय वायु गुणवत्ता मॉनीटरिंग उपकरण, 65 सतत दूषित निस्राव मापक उपकरण, 199 आईपी कैमरे स्थापित किये जा चुके हैं।

महापौर और पार्षद पद के अभ्यर्थियों को करना होगा लेखा संधारण

भोपाल, सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री राकेश सिंह ने जानकारी दी है कि महापौर और पार्षद पद का निर्वाचन लड़ने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी द्वारा नाम निर्दिष्ट होने के दिनांक से मतगणना दिवस तक के खर्च का व्यय लेखा संधारण किया जाना है। इस संबंध में मध्यप्रदेश नगरपालिका निगम अधिनियम में स्पष्ट प्रावधान है।

निर्वाचन व्यय लेखा के संधारण के लिए विनिर्दिष्ट निर्वाचन व्यय पंजियां अभ्यर्थियों को नाम निर्देशन-पत्र के साथ उपलब्ध कराए जाने के निर्देश हैं। निर्वाचन व्यय लेखा पंजी यदि किसी जिले में उपलब्ध नहीं है, तो आयोग से मांग-पत्र भेज कर प्राप्त की जा सकती हैं। निर्वाचन व्यय लेखा के लिए बैंक खाता पृथक से संधारित किया जाए। इस प्रक्रिया में यदि कोई कठिनाई हो रही है, तो आयोग को जिला निर्वाचन अधिकारी स्पष्ट प्रस्ताव भेजें। आयोग द्वारा जिले से प्राप्त प्रस्ताव के परीक्षण के बाद मार्गदर्शन दिया जाएगा। निर्वाचन व्यय लेखा संधारण के साथ ही छाया प्रेक्षण पंजी (Shadow Observation Register) का संधारण भी किया जाना है।

क्रमांक 2715001/2014/ई.डी.पी./ई-टेंडरिंग/406/1340
कार्यालय प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग, जल संसाधन भवन, तुलसी नगर, भोपाल

ईमेल - mpwrdetenders@gmail.com, edpcell.encwrd.bpl@mp.gov.in
फोन - 0755-2553402, फैक्स - 0755-2552406

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्रमांक - 503/2715001/ई.डी.पी./2021-22/प्र.अ./ई-टेंडरिंग **भोपाल, दिनांक : 15.06.2022**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र वेबसाइट पर **दिनांक 05.07.2022 को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।**

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	जिला	राशि रु. लाख में
1.	2022_WRD_192108	उपसंभाग, खिलचीपुर के बैराज/स्टाप डेमों के गेट निकालने, लगाने एवं रख-रखाव का कार्य।	राजगढ़	11.93
2.	2022_WRD_192109	उपसंभाग, जीरापुर के बैराज/स्टाप डेमों के गेट निकालने, लगाने एवं रख-रखाव का कार्य।	राजगढ़	7.24
3.	2022_WRD_193779	गांधीसागर बांध के जलद्वारों मशीनरी वार्षिक आदि का मरम्मत कार्य एवं श्रमिक का प्रदाय।	मंदसौर	14.86
4.	2022_WRD_195676	विसोनिया तालाब की नहर एवं साइफन का मरम्मत एवं रख-रखाव कार्य।	राजगढ़	4.83
5.	2022_WRD_195686	मोतीपुरा तालाब के बांध का मरम्मत एवं रख-रखाव कार्य।	राजगढ़	2.92
6.	2022_WRD_203922	उपसंभाग, गंजबासौदा के स्टापडेम एवं बैराजों के गेट खोलने एवं बंद करने का कार्य।	विदिशा	6.17
7.	2022_WRD_203928	उपसंभाग, सिरोज एवं शमशाबाद के स्टापडेम एवं बैराजों के गेट खोलने एवं बंद करने का कार्य।	विदिशा	8.20
8.	2022_WRD_203933	उपसंभाग, कुरवाई के स्टापडेम एवं बैराजों के गेट खोलने एवं बंद करने का कार्य।	विदिशा	8.70
9.	2022_WRD_203935	सगड़ नहर परियोजना की डी-3 की माइनर एल.एम. 1 पर व्ही.आर.बी. का निर्माण कार्य।	विदिशा	5.13
10.	2022_WRD_204727	सिंध परियोजना भू-अर्जन कार्यालय भवन शिवपुरी की छत का मरम्मत एवं मोहिनी सागर कॉलोनी के ई-टाइप भवनों में सीढ़ी स्थापित करने का कार्य।	शिवपुरी	8.07
11.	2022_WRD_205483	सीप कोलार के लिंक परियोजना के सीप वीयर आर.डी. 0 मीटर से घोड़ा पछाड़ वीयर आर.डी. 4992 मीटर तक वर्षाकाल में संचालन एवं देख-रेख का कार्य।	सीहोर	8.69
12.	2022_WRD_205876	चोरकुईया तालाव पर 11 के.व्ही. विद्युत लाइन शिफ्टिंग का कार्य।	नीमच	11.76
13.	2022_WRD_205877	चोरकईया तालाव पर 33 के.व्ही. विद्युत लाइन शिफ्टिंग का कार्य।	नीमच	19.14
14.	2022_WRD_206046	उपसंभाग क्र.1 बुरहानपुर के 17 बैराजों के गेटों को खोलने एवं बंद करना तथा मरम्मत का कार्य।	बुरहानपुर	5.77
15.	2022_WRD_206048	उपसंभाग क्र. 3 नेपानगर के 4 बैराजों के गेटों को खोलने एवं बंद करने तथा मरम्मत का कार्य।	बुरहानपुर	4.50
16.	2022_WRD_206049	सोनपुर मध्यम परियोजना के सोनपुर बांध एवं केसली बांध का वॉच एवं वार्ड मॉनिटरिंग का कार्य।	सागर	5.31
17.	2022_WRD_206050	सूरजपुरा मध्यम परियोजना के सूरजपुरा बांध का वॉच एवं वार्ड मॉनिटरिंग का कार्य।	सागर	2.65
18.	2022_WRD_206052	उपसंभाग क्र.2 सागर के परकुल जलाशय, हिलगन जलाशय, टिकारी जलाशय एवं बीला फीडर का वॉच एवं वार्ड मॉनिटरिंग का कार्य।	सागर	10.74
19.	2022_WRD_206343	रीवा जिले में जल संसाधन विभाग की सिविल लाइन्स कॉलोनी के शासकीय भवन क्रमांक एफ-03, एफ-11 एवं जी-06 में विद्युतीकरण मरम्मत एवं रिवायरिंग का कार्य।	रीवा	1.48
20.	2022_WRD_206344	शहडोल जिले के 24 नग जलाशयों में स्थापित जलद्वारों के मरम्मत एवं रख-रखाव का कार्य। (समूह-1)	रीवा	1.76
21.	2022_WRD_206348	उज्जैन जिले के विभिन्न बैराजों एवं स्टॉप डैम के गेटों को वर्षाकाल पूर्व खोलने एवं वर्षाकाल लगाने का कार्य।	उज्जैन	17.26
22.	2022_WRD_206382	उपसंभाग, सेंधवा के 14 नग बैराजों के गेटों का मरम्मत कार्य।	बड़वानी	3.14
23.	2022_WRD_206385	उपसंभाग, राजपुर एवं ठीकरी के 08 नग बैराजों के गेटों का मरम्मत कार्य।	बड़वानी	2.29
24.	2022_WRD_206952	उंडवा नदी पर स्थित डावरी जी.डी. साइट से जल मौसम विज्ञानी आंकड़े एकत्रित कर उपलब्ध कराने का कार्य।	नर्मदापुरम्	2.09
25.	2022_WRD_206982	12 नग बैराजों के गेट लगाने एवं निकालने का कार्य।	राजगढ़	11.63
26.	2022_WRD_207414	काका साहब गाडगिल सागर परियोजना की बांध सुरक्षा हेतु श्रमिकों का प्रदाय कार्य।	मंदसौर	4.98
27.	2022_WRD_207415	रेतम बैराज परियोजना की बांध सुरक्षा हेतु श्रमिकों का प्रदाय।	मंदसौर	4.98
28.	2022_WRD_207543	सम्राट अशोक सागर परियोजना विदिशा की डी-4/एस.बी.सी. की आर.डी. 10120 मी. पर स्थित व्ही.आर.बी. का सुधार एवं मरम्मत कार्य।	विदिशा	2.21
29.	2022_WRD_207545	सम्राट अशोक सागर परियोजना विदिशा की आर.एम.-10/ डी-2/एल.बी.सी. की आर.डी. 1220 मी. पर स्थित व्ही.आर.बी. का सुधार कार्य।	विदिशा	2.21

समग्र शिक्षा अभियान
कार्यालय जिला शिक्षा केन्द्र, जिला शिवपुरी
पोहरी रोड शिवपुरी (म.प्र.), पिन-473551

क्रमांक/जि.शि.के./2022/809 **शिवपुरी, दिनांक : 14.06.2022**

विज्ञापन

जिला शिक्षा केन्द्र शिवपुरी/जनपद शिक्षा केन्द्रों जिला शिवपुरी में उच्चकुशल अर्धकुशल एवं अकुशल मैन पावर की कार्यालयीन कार्यों के सम्पादन हेतु अनुभवी **06 डाटा एन्ट्री ऑपरेटर, 04 लिपिक एवं 02 भृत्य मैन पावर** की आवश्यकता है। इसके लिये जिला शिक्षा केन्द्र शिवपुरी द्वारा शासकीय/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/स्वायत्तशासी उपक्रम एवं मध्यप्रदेश शासन से संबंधित विभाग/वैधानिक अधिकारी द्वारा पंजीकृत प्रोप्रायटरी, पार्टनरशिप, कंपनी एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत/लायसेंस प्राप्त निविदाकार आउटसोर्स एजेंसी से द्वि-लिफाफा पद्धति में प्रस्ताव अग्रेषित नियम/शर्तों के तहत **दिनांक 23.06.2022 समय दोपहर 12.00 बजे तक** आमंत्रित की जाती है तथा उक्त तिथि एवं निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त प्रस्ताव विचार योग्य नहीं होगा। प्राप्त निविदायें खोले जाने की सूचना पृथक से जारी की जावेगी। विस्तृत निविदा पत्र दिनांक 22.06.2022 को कार्यालयीन समय 5.00 बजे तक राशि रु. 500/- नगद जमा कर प्राप्त किया जा सकेगा।

एजेन्सी द्वारा प्रथम सील बंद लिफाफे में तकनीकी प्रस्ताव तथा द्वितीय सील बंद लिफाफे में वित्तीय प्रस्ताव प्रस्तुत किया जावेगा। प्रथम लिफाफे में तकनीकी प्रस्ताव एवं द्वितीय लिफाफे में वित्तीय प्रस्ताव स्पष्ट रूप से बड़े अक्षरों में अंकित किया जाये। निविदा संबंधी विस्तृत दिशा-निर्देश कार्यालय जिला शिक्षा केन्द्र शिवपुरी के सूचना पटल पर देखे जा सकते हैं।

जिला परियोजना समन्वयक
जिला शिक्षा केन्द्र शिवपुरी

जी-13852/47188/2022

30.	2022_WRD_207546	सम्राट अशोक सागर परियोजना की बांयी तट नहर प्रणाली में वितरिका क्र. 3 (टेल मायनर) में उपनहर एस.एम.-1, 2 एवं 3 के मायनर में सुधार कार्य।	विदिशा	2.41
31.	2022_WRD_207548	सम्राट अशोक सागर परियोजना विदिशा की डी-4/एस.वी.सी. की एस.एम.-1/एल.एम.-11 पर स्थित सी.डी. का सुधार एवं मरम्मत कार्य।	विदिशा	2.47
32.	2022_WRD_207551	सम्राट अशोक सागर परियोजना विदिशा दांयी तट नहर की लघु नहर आर.एम. 3 की सी.सी. लाइनिंग का कार्य।	विदिशा	3.46
33.	2022_WRD_207553	सम्राट अशोक सागर परियोजना विदिशा दांयी तट नहर की लघु नहर एल.एम. 1 की आर.डी. 1620 मी. पर व्ही.आर.बी. का सुधार कार्य।	विदिशा	1.46
34.	2022_WRD_208114	हरीया खेड़ी बैराज इन्दौर के स्टॉप डेम शटर जलद्वार का प्रदाय एवं फेब्रीकेशन कार्य।	भोपाल	17.84
35.	2022_WRD_208115	मझोला बैराज गुना के जलद्वार का प्रदाय एवं फेब्रीकेशन कार्य।	भोपाल	14.56
36.	2022_WRD_208158	लिपरी एवं अतरहाई तालाब योजनांतर्गत नहर का मरम्मत एवं सुधार कार्य।	पन्ना	9.69
37.	2022_WRD_208240	उपसंभाग, मुलताई के 37 लघु जलाशय के 56 गेटों एवं 1 मध्यम टैंक का प्रीमानसून सुधार एवं मरम्मत कार्य।	नर्मदापुरम्	1.98
38.	2022_WRD_208241	इमलीढ़ाना, जमनीया एवं आमाखाल लघु जलाशय के गेटों का मरम्मत एवं सुधार कार्य।	नर्मदापुरम्	0.37
39.	2022_WRD_208928	चम्बल दाहिनी मुख्य नहर के कूनो सायफन के जोइन्ट की रबर शील बदलने का कार्य।	मुरैना	8.67
40.	2022_WRD_208961	वर्षा पूर्व पगारा डेम का आयलिंग, ग्रीसिंग एवं गेटों के मरम्मत कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	ग्वालियर	1.43
41.	2022_WRD_209030	घोड़ा पछाड़ वीयर आर.डी. 4992 मी. से टर्नल आर.डी. 12500 मी. तक निर्मित स्ट्रक्चरों एवं नहर के वर्षाकाल में संचालन एवं देखरेख का कार्य।	सीहोर	6.95
42.	2022_WRD_209040	भानपुर बैराज रतलाम के जलाशयों के जलद्वार का प्रदाय एवं फेब्रीकेशन कार्य।	भोपाल	1.96
43.	2022_WRD_209041	इन्द्रपुरी बैराज रतलाम के जलाशयों के जलद्वार का प्रदाय एवं फेब्रिकेशन कार्य।	भोपाल	1.47
44.	2022_WRD_209042	जलद्वारों के निर्माण हेतु विभिन्न साइज के स्टेनलेस स्टील काउंटर शैंक नट बोल्ट स्लॉटेड हेड टाइप वॉशर सहित का प्रदाय।	भोपाल	1.40
45.	2022_WRD_209043	जलद्वारों के निर्माण हेतु म्यूजिकल नोट टाइप एवं फ्लैट टाइप रबर सील का प्रदाय।	भोपाल	1.42
46.	2022_WRD_209080	लाखापुर जलाशय का मरम्मत कार्य।	बैतूल	2.72
47.	2022_WRD_209105	खलखला बैराज के जलद्वारों का निर्माण कार्य।	भोपाल	15.88
48.	2022_WRD_209137	शहडोल जिले के 24 नग जलाशयों में स्थापित 24 नग स्लूस के जलद्वारों के मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य। (समूह-2)	रीवा	1.87
49.	2022_WRD_209138	धनवाही व्यपवर्तन योजना के 04 नग जलद्वारों एवं उनसे संबंध होइस्ट एसेम्बली एवं अन्य वि./यां. उपकरणों के साधारण मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य।	रीवा	0.75
50.	2022_WRD_209139	भदार व्यपवर्तन योजना के 06 नग जलद्वारों एवं उनसे संबंध होइस्ट एसेम्बली एवं अन्य वि./यां. उपकरणों के साधारण मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य।	रीवा	0.86
51.	2022_WRD_209165	गुरमा, लालगंज, पिपरछत्ता एवं नन्दनपुर जलाशयों/बांधों के स्लूस जलद्वारों के मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य।	रीवा	0.81
52.	2022_WRD_209166	जतहरी एवं कोतमा बांधों एवं जलाशयों के स्लूस के जलद्वारों का मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य।	रीवा	1.23
53.	2022_WRD_209189	सम्राट अशोक सागर परियोजना की एस.बी.सी. की पीपलखेड़ा वितरिका की आर.डी. 8910 मी. पर स्थित सी.डी. का सुधार एवं एस्केप का निर्माण कार्य।	विदिशा	8.29

कुल योग 310.59

जी-13853/47187/2022 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

विदेशी भाषा में बढ़ते कॅरियर के अवसर

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कॅरियर के लिये जरूरी है कि युवा कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कॅरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कॅरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे, डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कॅरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुये आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

वर्तमान समय में जहां एक ओर वैश्वीकरण के कारण विभिन्न देशों के बीच की दूरियां और सीमाएं सिमटकर रह गई हैं, वहीं दूसरी ओर कोविड-19 के कारण लॉकडाउन के दौरान दुनियाभर में जूम, गूगल मीट जैसे वीडियो कॉलिंग एप का ऑफिस या दूसरे कामों के लिए यूजर्स के द्वारा उपयोग किए जाने के ट्रेंड के जारी रहने से फॉरेन लैंग्वेजेस (विदेशी भाषाओं) की दक्षता रोज़गार के बेहतरीन अवसर मुहैया करा रही है।

विदेशी भाषाओं में भारतीय युवाओं के लिए अधिक मौके

कोविड-19 के बीच भारत दुनिया में भरोसेमंद प्रतिष्ठित देश के रूप में उभरकर

सामने आया है। इस समय दुनिया के लगभग सभी विकसित और विकासशील देशों के साथ भारत व्यापार संबंधों का बहुत तेजी से विस्तार कर रहा है। भारत जहां जी-7, जी-20 तथा क्वाड देशों के साथ महत्वपूर्ण कारोबार सहभागी है, वहीं ऑस्ट्रेलिया और यूएई के साथ वर्ष 2022 में मुक्त व्यापार समझौता की राह पर आगे बढ़ा है। भारत, अमेरिका की अगुवाई में बनाए गए हिंद-प्रशांत आर्थिक क्षेत्र में शामिल हुआ है। भारत बिम्सटेक सहित विभिन्न क्षेत्रीय व्यापार समझौतों का अहम सदस्य देश भी है ऐसे में इन विभिन्न देशों की भाषाओं का ज्ञान रखने वाले लोगों की बड़ी संख्या में आवश्यकता महसूस की जा रही है। यही वजह है कि इस समय छात्रों को परंपरागत विषयों से हटकर फॉरेन लैंग्वेज का अध्ययन ज्यादा लुभा रहा है। विदेशी भाषाओं विशेषकर फ्रेंच, जर्मन, जापानी, स्पेनी, बांग्ला, चीनी, इतावली और रूसी भाषा सहित उन विभिन्न भाषाओं का भारतीय युवाओं के लिए कॅरियर के मद्देनजर महत्व बढ़ गया है, जिन देशों के साथ भारत से विदेश व्यापार और द्विपक्षीय समझौतों की राह तेजी से आगे बढ़ रही है।

विदेशी भाषाओं के रोज़गारोंमुखी पाठ्यक्रमों की अहमियत

फॉरेन लैंग्वेज से संबंधित पाठ्यक्रम मुख्यतः तीन प्रकार के होते हैं- प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, डिप्लोमा पाठ्यक्रम और डिग्री पाठ्यक्रम। प्रमाणपत्र और डिग्री पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 12वीं परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य है, लेकिन ज्यादातर स्थानों पर डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए पात्रता मापदंड संबद्ध भाषा में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम है। छात्रों को किसी भी विदेशी भाषा कोर्स में एडमिशन लेने से पूर्व सभी भाषाओं के विषय में अच्छी तरह से जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए और जो भाषाएं वैश्वीकरण के दौर की महत्वपूर्ण भाषाएं हैं और जो रोज़गारोन्मुखी हैं उनकी ओर विद्यार्थियों को कदम बढ़ाने चाहिए। कई बार ऐसा होता है कि छात्र-छात्राएं बिना सोच-विचार किए किसी भी विदेशी भाषा पाठ्यक्रम में एडमिशन तो ले लेते हैं, लेकिन बाद में उन्हें उस भाषा को सीखने में कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। जरूरी है कि विदेशी भाषा का चयन रुचि, योग्यता और क्षमता के साथ-साथ रोज़गार संभावनाओं के आधार पर किया जाए।

अच्छे कॅरियर के लिए पसंदीदा विदेशी भाषा में प्रावीण्यता जरूरी

इस बात को समझना जरूरी है कि फॉरेन लैंग्वेज सीखना और धन कमाने के

लिए उसका इस्तेमाल करना, दोनों अलग-अलग चीजें हैं। किसी विदेशी भाषा में रोज़गार योग्यता के लिए आपको संबंधित विदेशी भाषा के साहित्य, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि तथा उस विदेशी भाषा की पत्र-पत्रिकाएं और पुस्तकें आदि पढ़ने के माध्यम से निरंतर भाषा प्रयोग के संपर्क में रहना होता है। इसके अतिरिक्त संबद्ध भाषा बोलने वाले अन्य लोगों से भी संपर्क बनाए रखना होता है, ताकि आप भाषा बोलने के कौशल में सुधार कर सकें और भाषा के सूक्ष्म पहलुओं को समझ सकें। इन पहलुओं की जानकारी भाषा बोलने और उसमें वार्तालाप के जरिए ही हासिल की जा सकती है इसलिए यदि विदेशी भाषा में कोई भी पाठ्यक्रम पत्राचार के माध्यम से किया जाए तो उस भाषा के निरंतर वार्तालाप की जरूरत को ध्यान में रखना चाहिए, क्योंकि इससे ही संबद्ध विदेशी भाषा पर मजबूत पकड़ बन पाती है। बेहतर है कि आप अपनी पसंद की विदेशी भाषा के नियमित पाठ्यक्रम को ही चुनें। इसके अलावा, फॉरेन लैंग्वेज को अब ऑनलाइन भी सीखा जा सकता है। कई सारे एप और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म आ गए हैं जहां से घर बैठे भाषाओं को आसानी से सीख सकते हैं।

विदेशी भाषा में बेहतर रोज़गार के मौके

कोविड-19 के बाद बदले दौर में फॉरेन लैंग्वेज सीखकर देश और दुनिया में कई क्षेत्रों में कॅरियर बना सकते हैं। भाषा सीखने के बाद विदेशी दूतावास, कॉरपोरेट कंपनीज के सेल्स एवं मार्केटिंग विभाग तथा सरकारी विभागों में अवसर हासिल करने के साथ-साथ मीडिया क्षेत्र में फॉरेन लैंग्वेज ट्रांसलेटर्स के रूप में अपने लिए कॅरियर तलाश सकते हैं या फिर टूरिज्म तथा हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में गाइड, एंटरप्रेटर या स्कूल-कॉलेज में अध्यापक, प्राध्यापक बन सकते हैं। कुछ वर्ष पहले तक मल्टीनेशनल कंपनियों में ही विदेशी भाषा के जानकारों की ज्यादा जरूरत होती थी, लेकिन अब इंटरनेट मीडिया में भी इनकी जरूरत पड़ रही है। यदि किसी ने ट्विटर, फेसबुक आदि पर कुछ पोस्ट कर दिया, तो वहां पर उस लैंग्वेज की एडिटिंग के लिए इनकी आवश्यकता होती है। खासकर कोविड के बाद जब से वर्चुअल मीटिंग और सोशल मीडिया की जरूरत पड़ने लगी है, तब से विदेशी भाषा में स्कोप और बढ़ गया है। इस समय देश में काफी कॉरपोरेट्स आ रहे हैं। इसके अलावा, जितने भी बीपीओ या केपीओ हैं या फिर गूगल, फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब जैसे जितने भी इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म्स के ऑफिस हैं, वहां भी प्रमुख विदेशी भाषाओं की अब ज्यादा जरूरत पड़ रही है। विदेशी भाषा कोर्स करने के उपरांत वैश्विक संगठनों और विदेशों में भी कॅरियर के काफी अवसर विद्यमान हैं।

विदेशी भाषा के पाठ्यक्रम कहां से करें?

मध्यप्रदेश सहित देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों और विभिन्न भाषाओं की प्रतिष्ठित अकादमियों एवं विशिष्ट संस्थानों में फॉरेन लैंग्वेजेस के विभिन्न पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। आप अपनी पसंद की फॉरेन लैंग्वेज चुनने के साथ-साथ किसी गुणवत्तापूर्ण संस्थान का चयन करके फॉरेन लैंग्वेज में कॅरियर की राह पर आगे बढ़ सकते हैं।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी

(लेखक कॅरियर मार्गदर्शन के लिये लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान - खेल

1. **इस वर्ष फ्रेंच फुटबॉल टूर्नामेंट लीग-1 का खिताब किस क्लब ने जीता है?**
(अ) पेरिस सेंट जर्मेन
(ब) सेंट इटेने
(स) मार्सिले
(द) लियोन

2. **इस वर्ष एशियन कुश्ती चैम्पियनशिप किस देश में आयोजित की गई थी?**
(अ) उज्बेकिस्तान
(ब) डेनमार्क
(स) ईरान
(द) मंगोलिया

3. **वर्ष 2016 में अमेरिकी ओपन में पुरुष एकल वर्ग के विजेता बने थे?**
(अ) रोजर फेडरर
(ब) केविन एंडरसन
(स) स्टैन वावरिंका
(द) इनमें से कोई नहीं

4. **भारत की दिग्गज खिलाड़ी रानी रामपाल किस खेल से संबंधित हैं?**
(अ) हॉकी (ब) क्रिकेट
(स) बैडमिंटन (द) जिम्नास्टिक

5. **इस वर्ष मोंटे कार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट किस खिलाड़ी ने जीता है?**
(अ) राफेल नडाल
(ब) स्टेफानोस सितसिपास
(स) एलेक्जेंडर ज्वेरेव
(द) केविन एंडरसन

6. **एमसी मैरीकॉम ने कितनी बार बॉक्सिंग वर्ल्ड चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक अपने नाम किए हैं?**
(अ) तीन बार
(ब) पांच बार
(स) छह बार
(द) इनमें से कोई नहीं

7. **इस वर्ष लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड जीतने वाले पुरुष खिलाड़ी हैं?**
(अ) नीरज चोपड़ा
(ब) मैक्स वर्स्टापेन
(स) नोवाक जाकोविच
(द) रॉबर्ट लेवानडोवस्की

8. **इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट मैचों में कप्तानी करने वाले खिलाड़ी हैं?**
(अ) जो रूट
(ब) एलिस्टर कुक
(स) पॉल कोलिंगवुड
(द) नासिर हुसैन

9. **कर्नाटक ने कितनी बार रणजी ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया है?**
(अ) पांच बार (ब) सात बार
(स) आठ बार (द) नौ बार

10. **वर्ष 2020 में यूएस ओपन में पुरुष वर्ग में चैम्पियन बने थे?**
(अ) राफेल नडाल
(ब) नोवाक जोकोविच
(स) डेनिल मेदवेदेव
(द) डोमिनिक थिएम

11. **इनमें से किस वर्ष भारतीय हॉकी टीम ने ओलिंपिक खेलों में स्वर्ण पदक नहीं जीता है?**
(अ) वर्ष 1928
(ब) वर्ष 1936
(स) वर्ष 1956
(द) वर्ष 1960

12. **बेल्जियम की महिला खिलाड़ी किम क्लिस्टर्स किस खेल से संबंधित हैं?**
(अ) टेनिस (ब) फुटबॉल
(स) वॉलीबॉल (द) बैडमिंटन

13. **वर्ष 1998 में कॉमनवेल्थ गेम्स किस शहर में आयोजित किए गए थे?**
(अ) एडिनबर्ग
(ब) क्वालालंपुर
(स) मेलबर्न
(द) मैनचेस्टर

14. **इनमें से किस देश ने दो बार आईसीसी टी-20 वर्ल्डकप जीता है?**
(अ) वेस्टइंडीज
(ब) ऑस्ट्रेलिया
(स) इंग्लैंड
(द) पाकिस्तान

15. **वर्ल्ड बैडमिंटन चैम्पियनशिप-2021 में पुरुष एकल वर्ग के विजेता हैं?**
(अ) किदांबी श्रीकांत
(ब) लोह कीन येव
(स) एंडर्स एंटोनसेन
(द) इनमें से कोई नहीं

16. **वर्ष 2019 में किस देश ने होपमैन कप का खिताब जीता था?**
(अ) अमेरिका
(ब) फ्रांस
(स) स्विट्जरलैंड
(द) स्पेन

17. **टोक्यो ओलिंपिक में डेकाथलॉन स्पर्धा का स्वर्ण पदक किस खिलाड़ी ने जीता?**
(अ) केविन मायर
(ब) डेमिएन वार्नर
(स) एश्ले मोनोले
(द) इनमें से कोई नहीं

18. **अंतर्राष्ट्रीय टेनिस महासंघ का मुख्यालय किस शहर में है?**
(अ) न्यूयॉर्क
(ब) बेलग्रेड
(स) ओस्लो
(द) लंदन

19. **जॉडर्न स्पीथ किस देश के दिग्गज गोल्फर हैं?**
(अ) अमेरिका
(ब) ब्रिटेन
(स) कनाडा
(द) आयरलैंड

20. **इनमें से किस खेल को मध्यप्रदेश का राजकीय खेल का दर्जा प्राप्त है?**
(अ) कुश्ती (ब) मलखंब
(स) नौकायन (द) जूडो

21. **टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा दोहरे शतक बनाने वाले एशियाई बल्लेबाज हैं?**
(अ) वीरेंद्र सहवाग
(ब) सनथ जयसूर्या
(स) कुमार संगाकारा
(द) युनिस खान

22. **लुका मोड्रिक किस देश की फुटबॉल टीम के कप्तान हैं?**
(अ) बेल्जियम
(ब) क्रोएशिया
(स) मैक्सिको
(द) स्वीडन

23. **इस वर्ष किस रेसर ने स्पेनिश ग्रां प्री फॉर्मला-वन रेस जीती है?**
(अ) मैक्स वर्स्टापेन
(ब) सर्जियो पेरेज
(स) चार्ल्स लेकलर्क
(द) लेंडो नॉरिस

24. **अर्जुन अवॉर्ड विजेता हरमीत देसाई किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं?**
(अ) हॉकी
(ब) निशानेबाजी
(स) कुश्ती
(द) टेबल टेनिस

25. **ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के नए कोच नियुक्त किए गए हैं?**
(अ) एंड्रयू मैक्डोनाल्ड
(ब) गैरी क्रिस्टन
(स) जस्टिन लैंगर
(द) डेनियल विटोरी

उत्तर

1. (अ), 2. (द), 3. (स), 4. (अ), 5. (ब), 6. (स), 7. (ब), 8. (अ), 9. (स), 10. (द), 11. (द), 12. (अ), 13. (ब), 14. (अ), 15. (ब), 16. (स), 17. (ब), 18. (द), 19. (अ), 20. (ब), 21. (स), 22. (ब), 23. (अ), 24. (द), 25. (अ)

- पुष्पेंद्र कुमार सविता

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह से की भेंट

मध्यप्रदेश के नक्सल विरोधी अभियान में सहयोग का किया अनुरोध

नई दिल्ली, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह से भेंट कर राज्य की सहकारिता नीति और नक्सल विरोधी अभियानों के संबंध में विस्तार से चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में नीति एवं योजना आयोग, सहकारिता एवं अन्य विशेषज्ञों से व्यापक विचार-विमर्श के बाद सहकारिता नीति तैयार की गई है। नीति के जरिये अलग-अलग क्षेत्रों में सहकारिता के माध्यम से नवीन क्षेत्रों में रोज़गार सृजन, लोगों की आमदनी बढ़ाने और उन्हें संगठित करने का प्रयास किया जायेगा। श्री चौहान ने सहकारिता नीति का प्रारूप श्री अमित शाह को भेंट किया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्तमान में प्रभावशील स्थानीय निकायों के चुनाव की आचार संहिता समाप्त होते ही इस नीति को विधिवत लागू किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने श्री अमित शाह को भोपाल में आयोजित होने वाले सहकारिता सम्मेलन में शामिल होने और राज्य की सहकारिता नीति जारी करने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री श्री शाह को मध्यप्रदेश के तीन जिलों बालाघाट, मण्डला और डिण्डोरी में हॉकफोर्स के नक्सल विरोधी अभियानों में प्राप्त सफलताओं से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के नक्सल विरोधी अभियान को अधिक गति प्रदान करने के लिए केंद्रीय सुरक्षा बलों की चार अतिरिक्त बटालियन की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने बालाघाट और मण्डला जिलों के थानों और पुलिस चौकियों का सुदृढ़ीकरण करने के लिए सहायता राशि उपलब्ध कराने का भी आग्रह किया।

विश्व वायु दिवस

मध्यप्रदेश में हो रही है परिवेशीय वायु की सतत निगरानी

भोपाल, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्रदेश के 10 स्थानों- इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, कटनी, पीथमपुर, मंडीदीप, सिंगरौली, उज्जैन और देवास पर परिवेशीय वायु की सतत निगरानी के लिये उपकरण स्थापित किये गये हैं। लगातार मिलने वाले परिवेशीय वायु गुणवत्ता परिणामों को बोर्ड के पोर्टल से भी जोड़ा गया है। सतत परिवेशीय वायु मापन (CAAQMS) उपकरणों द्वारा निर्धारित प्रदूषकों का मापन किया जाता है। इससे समय रहते आवश्यकतानुसार सुधार कार्य कर प्रदूषण को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

बोर्ड द्वारा तैयार सेंट्रल सर्वर सॉफ्टवेयर उद्योगों के सतत निगरानी डाटा को यूनीफॉर्म कर सेंट्रल प्लेटफार्म पर लाने की व्यवस्था की गई है। इससे सभी उद्योगों के रियल टाइम डाटा का विश्लेषण किया जा सकेगा। इसके साथ निर्धारित मापदंड का पालन न करने वाले उद्योगों, डाटा की प्रकृति एवं रुझान तथा डाटा की विश्वसनीयता के बारे में भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। यह सुविधाजनक स्रोत बोर्ड के सभी क्षेत्रीय अधिकारियों, यूनिट प्रमुख और संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारियों को उनके क्षेत्र के उद्योगों की निगरानी करने के लिये उपलब्ध कराया गया है।

पर्यावरण एप

पर्यावरण निगरानी केंद्र द्वारा आम लोगों को पर्यावरण की जानकारी एवं परिवेशीय वायु की गुणवत्ता की सतत जानकारी के लिये एप- EnvAlert को उन्नत किया गया है। एप के माध्यम से जन-सामान्य विभिन्न स्थानों के साथ उद्योगों में स्थापित CAAQMS के परिणाम देख सकते हैं। पर्यावरण से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत के लिये आम लोग इस पर्यावरण एप का उपयोग कर सकते हैं।

आयुष्मान भारत योजना में फर्जीवाड़ा नहीं होगा बर्दाश्त - मुख्यमंत्री

फर्जीवाड़ा करने वालों को जेल भेजने की कार्यवाही करने के निर्देश

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में आयुष्मान भारत योजना की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुये।

भोपाल, आयुष्मान भारत योजना में किसी भी तरह का फर्जीवाड़ा बर्दाश्त नहीं होगा। योजना में बेहतर कार्य करें, जिससे मरीजों को उपचार कराने में कोई असुविधा नहीं हो। योजना में फर्जीवाड़ा करने वालों को जेल भेजने की कार्यवाही होनी चाहिए। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में आयुष्मान भारत योजना की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुये कहीं।

निजी अस्पतालों की स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा करायी जाये जांच

मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना में फर्जीवाड़ा असहनीय है। योजना में घोटाला नहीं चलने देंगे। यह मरीजों और सरकार के साथ धोखा है। घोटाला करने वालों की गिरफ्तारी के साथ उनकी अन्य गतिविधियों की जांच भी करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि निजी अस्पतालों की स्वास्थ्य विभाग द्वारा दल बनाकर जांच कराई जाए। संदिग्ध पाये गए अस्पतालों में मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान की राशि नहीं दी जाएगी। कॉल सेंटर एक्टिव रहें। मरीजों से पूछताछ करें कि वे भर्ती हैं या नहीं। प्रदेश के 27 अस्पताल में कमियां सामने आई हैं, जिन पर कड़ी कार्यवाही करें और आगे ऐसा न हो यह सुनिश्चित करें।

अस्पतालों में भर्ती मरीजों की हो रही है जांच

संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन श्रीमती प्रियंका दास ने बताया कि आयुष्मान में संबद्ध अस्पतालों में भर्ती मरीजों की चिकित्सकीय गुणवत्ता के लिए औचक निरीक्षण कराया गया। अस्पताल में भर्ती मरीजों की संख्या की जांच की गई। ऑडिट इंस्पेक्शन टीम द्वारा मरीजों से अतिरिक्त राशि तो नहीं ली जा रही है। जांच की गई कि चिकित्सालयों द्वारा बीमारी के अनुसार ही उपचार उपलब्ध कराया गया है या नहीं और उसी उपचार की राशि सरकार से क्लेम की गई है या नहीं।

बताया गया कि उपचार में गुणवत्ता का ध्यान रखे जाने का भी परीक्षण कराया गया। जांच में पाया गया कि कुछ अस्पतालों द्वारा फर्जी मरीजों को भर्ती कर फर्जी दस्तावेज पोर्टल पर सब्मिट किए गए। निरीक्षण टीम द्वारा ऐसे सभी प्रकरणों के क्रियान्वयन में राज्य शासन एफआईआर एवं उचित विधिक कार्यवाही कराई गई। ऐसे समस्त अस्पतालों को जो योजना का दुरुपयोग कर रहे हैं उन्हें योजना से असम्बद्ध करने की कार्यवाही की जा रही है। मरीजों को निःशुल्क उपचार न देते हुए उनसे अतिरिक्त राशि की मांग की जाने संबंधी प्रकरणों में तीन गुना अतिरिक्त अर्थदण्ड अधिरोपित किया जा रहा है। अस्पतालों की जांच का कार्य निरंतर जारी रहेगा। मरीजों से इलाज के दौरान और बाद में फीडबैक लिया जा रहा है।

बैठक में बताया गया कि आयुष्मान भारत योजना, मध्यप्रदेश द्वारा स्व-प्रेरणा से अभी तक 12 जिलों में प्रकरणों का परीक्षण कर संदिग्ध 84 चिकित्सालय की सूक्ष्म जांच एवं ऑडिट कराया गया है, जिसकी प्रारंभिक जांच में 27 अस्पतालों में अनियमितता परिलक्षित हुई है। इन पर कार्यवाही की जा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने की बेहतर तैयारी की जाए - मुख्यमंत्री

प्रदेश में 75 ऐतिहासिक स्थलों और जिला मुख्यालयों में होंगे कार्यक्रम

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों की समीक्षा करते हुये।

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों की समीक्षा करते हुये कहा है कि भारत सरकार से प्राप्त पल-प्रतिपल कार्यक्रम अनुसार 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने की बेहतर तैयारी की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाए जाने के लिए प्रदेश में 75 ऐतिहासिक स्थल और समस्त जिला मुख्यालयों में कार्यक्रम होंगे। उन्होंने कहा कि भोपाल के लाल परेड मैदान के कार्यक्रम में वे स्वयं शामिल होंगे। प्रदेश के 4 स्थल पर केंद्रीय मंत्री शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामों में निर्माणाधीन अमृत सरोवरों के किनारे आयोजन करें। राज्य के सभी मंत्री कार्यक्रमों में शामिल हों। युवा और विभिन्न सामाजिक संगठन योग के लिए अधिकाधिक संख्या में भाग लें।

मुख्यमंत्री ने बैठक में वर्चुअली जुड़े ग्वालियर, रायसेन, छतरपुर और अनूपपुर जिलों के कलेक्टरों से तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश भी दिए।

बताया गया कि प्रदेश के सभी कार्यक्रम स्थल पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के संदेश के प्रसारण की व्यवस्था की जाएगी। भारत सरकार द्वारा जारी पल-प्रतिपल कार्यक्रम के अनुसार प्रातः 6 बजे से सभी सहभागी उपस्थित होंगे और केंद्रीय मंत्रियों तथा अतिथियों का संबोधन होगा। प्रातः 6:30 बजे मुख्यमंत्री के संदेश का प्रसारण होगा। इसके बाद प्रधानमंत्री का संदेश प्रसारित किया जाएगा।

उन्नत तकनीक इस्तेमाल के लिये टास्क फोर्स बनायेगी कार्ययोजना

कानून व्यवस्था बनाये रखने में होगा आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल

भोपाल, अपर मुख्य सचिव गृह डॉ. राजेश राजौरा ने बताया है कि पुलिस बल को वर्तमान एवं भविष्य की चुनौतियों से निपटने और तकनीकी रूप से सक्षम और दक्ष बनाने के लिये गठित राज्य स्तरीय टास्क फोर्स की पहली बैठक 7 जुलाई को होगी। पुलिस में आधुनिकतम तकनीकों का इस्तेमाल कानून व्यवस्था बनाये रखने, अपराध नियंत्रण और अपराधों की विवेचना में टेक्नोलॉजी में चयन का कार्य उक्त समिति द्वारा किया जायेगा। डॉ. राजौरा ने बताया कि टास्क फोर्स टेक्नोलॉजी चयन के साथ ही इसे लागू करने के लिये आवश्यक कार्य-योजना भी बनायेगी।

टास्क फोर्स में नामांकित अधिकारी

राज्य स्तरीय टास्क फोर्स का गठन अपर मुख्य सचिव गृह की अध्यक्षता में किया गया है। अपर मुख्य सचिव वित्त, प्रमुख सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी मैप आईटी, एडीजीपी तकनीकी सेवाएं, एडीजीपी सायबर, एडीजीपी एससीआरबी, एडीजीपी पीटीआरआई, एडीजीपी योजना और एडीजीपी दूरसंचार सदस्य नामांकित किये गये।

पुलिस कार्यप्रणाली तकनीकी रूप से बनेगी सुदृढ़

राज्य स्तरीय टास्क फोर्स द्वारा विभिन्न मुद्दों पर मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा वर्तमान में अपनाये जा रहे तकनीकी समाधानों का आकलन और तकनीकी आवश्यकताओं को चिन्हित किया जायेगा। टास्क फोर्स ऐसी तकनीकी का पता लगाने का काम करेगी, जिसके परिणामस्वरूप पुलिस व्यवस्था में सुधार हो, आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिये एप्लीकेशन विकसित करने, समाधान की प्रभावकारिता का आकलन करने के लिये पायलट अध्ययन और आवश्यकता अनुकूल एप्लीकेशन को विकसित करने तथा इसे शुरू करने के लिये उद्योग के साथ मिलकर काम करना होगा।

नवीन एप्लीकेशन अन्य विभागों के साथ करेंगे साझा

पुलिस के लिये तैयार किये गये एप्लीकेशन्स को अन्य उपयोगकर्ताओं के साथ साझा किया जा सकेगा। मैगा शहरों, उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों, संचार क्षेत्र, महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा बिग डेटा एनालिटिक्स, आवाज एवं चेहरे की पहचान, प्रशिक्षण, फोरेंसिक आदि विशेष आवश्यकताओं पर टास्क फोर्स ध्यान केन्द्रित करायेगी। यह टास्क फोर्स पुलिस के लिये तकनीकी समाधान तैयार करने में उनकी विशेषज्ञता का उपयोग करने के लिये शैक्षणिक और औद्योगिक निकायों के साथ पुलिस विभाग की नेटवर्किंग को बढ़ावा भी देने जैसे कार्य करेगी।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मध्यप्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए जीएसटी राजस्व में वृद्धि आवश्यक

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये जीएसटी राजस्व संबंधी बैठक को संबोधित करते हुये।

भोपाल, मध्यप्रदेश को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए जीएसटी राजस्व में वृद्धि करना आवश्यक है। इसके लिए जीएसटी राजस्व वृद्धि संबंधी गठित हाई पावर कमेटी ने बहुत उत्साह से कार्य किया है और गहन अध्ययन कर अपनी उपयोगी अनुशंसाएं की हैं। करदाताओं की संख्या को बढ़ाने के प्रयास किए जाएंगे। करदाताओं में कर चुकाने की आदत डालेंगे। समिति की अनुशंसाएं व्यवहारिक हैं और उनका क्रियान्वयन तेजी से किया जाएगा। कुछ अनुशंसाएं तीन महीने में ही लागू करने के लिए रोडमैप तैयार किया जाये। करदाताओं को कर चुकाने के लिए जागरूक करने की जरूरत है। इसके लिए जागरूकता अभियान चलाया जाये। करदाताओं के मन में कर चुकाने का भाव जगाया जाए। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये जीएसटी राजस्व वृद्धि संबंधी हाई पावर कमेटी के प्रतिवेदन का विमोचन करते हुये कहीं। प्रदेश को तेजी से आगे ले जाने के लिए जीएसटी राजस्व में वृद्धि करने के लिए समिति गठित की गई थी।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में जीएसटी राजस्व में वृद्धि के लिए गठित हाई पावर कमेटी की अनुशंसाओं की जानकारी दी गई। बताया गया कि कमेटी की अनुशंसाओं से करदाताओं को टैक्स भरने में सरलता और सुविधा होगी।

दूसरे राज्यों का तुलनात्मक अध्ययन कर अनुशंसाएं की गई हैं। राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों के अनुरूप प्रदेश के जीएसटी राजस्व में वृद्धि करने, टैक्स बेस बढ़ाने के लिए नए करदाताओं को जोड़ने एवं अधिकाधिक डेटाबेस का उपयोग कर टैक्स बेस में वृद्धि की अनुशंसा की गई है।

अनुशंसाओं में सेवा क्षेत्र पर फोकस किया गया है। मौजूदा करदाताओं से सही कर दायित्व अनुसार कर वसूली की अनुशंसा की गई है। चयनित करदाताओं के टर्न ओवर का विश्लेषण किए जाने के लिए समिति ने अनुशंसा की है। करदाताओं से प्रभावी संवाद के लिए पंजीकरण, रिटर्न फाइलिंग, ई-वे बिल, कर भुगतान आदि से संबंधित प्रश्नों के लिए व्हाट्सएप आधारित वर्चुअल टैक्स असिस्टेंट की अनुशंसा, करदाताओं में जागरूकता बढ़ाने का प्रयास करने की भी अनुशंसा की गई है। कुशल कर प्रशासन के लिए सीजीएसटी एवं अन्य संरचनाओं के साथ समन्वय, शीर्ष करदाताओं की निगरानी और मानव संसाधन प्रबंधन की अनुशंसाएं शामिल हैं।

अग्निपथ योजना

चार साल की सेवा के बाद मध्यप्रदेश पुलिस में भर्ती पर प्राथमिकता - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि भारतीय सेना देश का गौरव है और देशवासियों का अभिमान है। भारतीय सेना के जवान हमारे हीरो हैं, रोल मॉडल हैं। युवाओं को भारतीय सेना से जोड़ने, देश की सीमाओं की सुरक्षा करने और भारत माता की एकता और अखण्डता की रक्षा करने के लिए अग्निपथ योजना प्रारंभ की गई है। ऐसे जवान जो अग्निपथ योजना में सेवाएं दे चुके होंगे, उन्हें मध्यप्रदेश पुलिस की भर्ती में प्राथमिकता दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अग्निपथ योजना जवानों को सेना से जोड़ने की अद्भुत योजना है। इस योजना को शुरू करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को हृदय से धन्यवाद देता हूं। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह को भी बधाई देता हूं।

इस सेवा से न केवल हम भारत माता की सीमाओं की रक्षा करेंगे, बल्कि 45 हजार युवाओं को देश की सेवा के साथ रोज़गार भी मिलेगा। मुख्यमंत्री ने युवाओं से आह्वान किया कि वे देश सेवा के लिए आगे आयें। परीक्षा दें, सफल हों और देश की सीमाओं की सुरक्षा करें। अपने जीवन को सफल और सार्थक करें। ऐसे जवान जो अग्निपथ योजना में सेना में भर्ती होकर चार साल सेवा दे चुके होंगे, उनको अग्निवीर कहा जाएगा।

परीक्षा मूल्यांकन कार्य में उदासीनता बरतने पर होगी दण्डात्मक कार्रवाई

भोपाल, राजभवन में अब शासकीय विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों की मासिक बैठक होगी। राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री डी.पी. आहूजा ने राजभवन में कुलसचिवों की बैठक में यह निर्देश दिए। बैठक में दीक्षांत समारोह, परीक्षा परिणाम, अकादमिक कैलेंडर के पालन, न्यायालयीन प्रकरणों की समीक्षा की गई। विश्वविद्यालय के निर्माणाधीन कार्यों, ऑडिट और शासन स्तर पर लंबित प्रकरणों, वरिष्ठता सूची के प्रकाशन की स्थिति और रिक्त पदों की पूर्ति के संबंध में जानकारी ली गई।

राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री डी.पी. आहूजा ने परीक्षा एवं मूल्यांकन कार्य के समय-सीमा में संचालन पर विशेष बल दिया। कार्य में उदासीनता बरतने वालों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई किए जाने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा तय किए गए, शैक्षणिक कैलेंडर के अनुपालन में सत्र 2021-22 की परीक्षाओं और परिणामों की तिथि का कोर्सवार प्रकाशन विश्वविद्यालय की वेबसाइट में किया जाना चाहिए। इसी तरह पाठ्यक्रमवार आगामी शिक्षण सत्र 2022-23 की परीक्षा और परिणामों की तिथियां भी वेबसाइट पर अनिवार्य रूप से प्रदर्शित की जाएं। उन्होंने कुलसचिवों को निर्देशित किया कि न्यायालय में प्रचलित और लंबित समस्त प्रकरणों की समीक्षा की जाए। यह चिन्हित किया जाए कि किस प्रकरण का विश्वविद्यालय अथवा कुलाधिपति स्तर पर निराकरण हो सकता है। इस संबंध में स्पष्ट प्रतिवेदन राजभवन सचिवालय में प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने ऑडिट आपत्तियों की अद्यतन स्थिति में समीक्षा कर, उनके निराकरण की कार्रवाई समय-सीमा में करने के निर्देश दिए।

जिला पंचायत का एक, जनपद के 157 सदस्य और 636 सरपंच निर्विरोध निर्वाचित

भोपाल, त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन में नाम वापसी के बाद जिला पंचायत का एक, जनपद पंचायत के 157 सदस्य और 636 पंचायतों में सरपंच निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं। जिला पंचायत सागर के वार्ड क्रमांक 4 से श्री हीरा सिंह निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं।

जनपद पंचायत कराहल में 2, मुरैना में 4, अंबाह में एक, जौरा में 2, पहाड़गढ़ में एक, भिंड में एक, लहार में एक, मिहोना में दो, मुरार में एक, भांडेर में एक, शिवपुरी में एक, करेरा में एक, बमोरी में दो, चाचोड़ा में 3, राघौगढ़ में एक, आरौन में एक, अशोकनगर में एक, ईशागढ़ में एक, सागर में 5, राहतगढ़ में 2, जैसीनगर में एक, रहली में 2, देवरी में 7, बंडा में 2, शाहगढ़ में एक, खुरई में 4, मालथोन में एक, लवकुशनगर में एक, पथरिया में एक, पटेरा में एक, पवई में एक, जैतहरी में एक, पाली में एक, ढीमरखेड़ा में एक, रीठी में एक, विजयराघवगढ़ में एक, सिहोरा में एक, पाटन में एक, शहपुरा में दो, मण्डला में 4, किरनापुर में एक, कटंगी में एक, लालबर्रा में एक, सिवनी में एक, बरघाट में एक, लखनादौन में एक, नरसिंहपुर में एक, गोटेगाँव में 6, करेली में 5, सांईखेड़ा में दो, बाबई चीचली में एक, चांवरपाठा में एक, चिचोली में एक, घोड़ाडोंगरी में 3, मुलताई में एक, आमला में एक, भीमपुर में एक, हरदा में 6, नर्मदापुरम में एक, माखन नगर में 4, बनखेड़ी में एक, सिवनी मालवा में एक, सांची में एक, सिलवानी में 3, बाड़ी में 6, उदयपुरा में 3, बासौदा में एक, कुरवाई में एक, फंदा में एक, बुधनी में 6, नसरुल्लागंज में एक, मोमन बड़ौदिया में एक, देवास में एक, बागली में एक, छेगाँव माखन में एक, पंधाना में 3, खालवा में 3, गोगांवा में दो, पाटी में एक, ठीकरी में एक, अलीराजपुर में एक, रामा में एक, धार में एक, धरमपुरी में एक, निसरपुर में एक, सांवेर में 2, उज्जैन में एक और निवाड़ी में एक सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुआ है।

सरपंच पद के लिए जिला भोपाल में 3, श्योपुर में 2, मुरैना में 8, भिंड में 7, ग्वालियर में 7, दतिया में 2, शिवपुरी में 16, गुना में 10, अशोकनगर में 9, सागर में 46, टीकमगढ़ में एक, छतरपुर में दो, दमोह में 10, पन्ना में 7, सतना में 2, रीवा में 4, सीधी में 2, सिंगरौली में 3, शहडोल में 4, अनूपपुर में एक, उमरिया में 2, कटनी में 5, जबलपुर में 34, डिण्डोरी में 2, बालाघाट में 16, सिवनी में 35, नरसिंहपुर में 24, छिंदवाड़ा में 31, बैतूल में 10, हरदा में 35, नर्मदापुरम में 54, रायसेन में 37, विदिशा में 17, सीहोर में 33, राजगढ़ में 11, आगर-मालवा में 8, शाजापुर में 7, देवास में 19, खंडवा में 10, बुरहानपुर में 5, खरगोन में 12, बड़वानी में 4, अलीरापुर में 5, झाबुआ में 2, धार में 20, इंदौर में 16, उज्जैन में 11, रतलाम में 12, मंदसौर में 5 और नीमच में 8 सरपंच निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि जिला पंचायत सदस्य के 875, जनपद पंचायत सदस्य के 6771 और सरपंच के 22921 पद तथा पंच के लिए 3 लाख 63 हजार 726 पदों पर निर्वाचन हो रहा है।

पंचायत निर्वाचन के लिए 4 रंग के होंगे मतपत्र

आयुक्त राज्य निर्वाचन आयोग श्री बसंत प्रताप सिंह ने जानकारी दी है कि त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन के लिए मतपत्रों के 4 रंग निर्धारित हैं। पंच पद के लिए सफेद, सरपंच के लिए नीला, जनपद पंचायत सदस्य के लिए पीला और जिला पंचायत सदस्य के लिए गुलाबी रंग का मतपत्र होगा।

चाइल्ड कंजर्वेशन फाउंडेशन

बच्चों में नैसर्गिक प्रतिभा है, उन्हें दें अनुकूल परिस्थितियां - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान चाइल्ड कंजर्वेशन फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रमाण-पत्र वितरित करते हुये।

भोपाल, प्रत्येक बच्चे में नैसर्गिक प्रतिभा और क्षमता है। यदि हमने बच्चों के लिए अनुकूल परिस्थितियां निर्मित कर दीं, तो वे चमत्कार कर सकते हैं। हम सब मिलकर बेहतर कार्य का प्रयास करेंगे, तभी अच्छे परिणाम आयेंगे। अनेक लोग बच्चों को नशे की लत लगा देते हैं। बच्चे भीख न मांगें, उनकी पढ़ाई-लिखाई, कपड़े, भोजन इत्यादि की व्यवस्था हो। बच्चों से बाल श्रम न कराया जा सके और उन्हें शोषण से बचाया जाए, इस दिशा में सरकार के साथ समाज को भी आगे आना होगा। उनकी पढ़ाई और आश्रय की बेहतर व्यवस्था करनी होगी। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने चाइल्ड कंजर्वेशन फाउंडेशन द्वारा नरोन्हा प्रशासन अकादमी में बाल श्रम निषेध दिवस और संस्था के 100वें वेबिनार के समापन समारोह को संबोधित करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरे मन में वेदना होती है, जब किसी बच्चे को भीख मांगते हुए या भोजन के लिए याचना करते हुए देखता हूं। बच्चों के कल्याण के लिए केवल सरकार के प्रयास काफी नहीं हैं, समाज को भी साथ जुड़ना चाहिए। लोगों को सही प्लेटफॉर्म मिल जाए, तो वह कसर नहीं छोड़ते। श्री चौहान ने कहा कि मैं भोपाल में आंगनवाड़ी के बच्चों के लिए हाथ ठेला लेकर निकला था। लोगों ने 10 ट्रक सामान भर दिया और 1 करोड़ 86 लाख के चेक भी प्रदान किए।

श्री चौहान ने कहा है कि बाल श्रम के बारे में यह नहीं होना चाहिए कि बच्चे घर का कार्य भी न करें। उनसे मजदूरी करवाना गलत है। उनका शोषण न हो। हमें बच्चों को शोषण से मुक्त करने का प्रयास करना चाहिए। मुझे खुशी है कि हमारे युवा बेटे-बेटियों में स्वयं आगे बढ़ने के साथ राष्ट्र एवं समाज की उन्नति के लिए कार्य करने की ललक है। मैं अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए कटिबद्ध हूँ।

कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष श्री राघवेंद्र शर्मा ने मुख्यमंत्री और अन्य अतिथियों का स्वागत किया। श्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान के व्यक्तित्व में दो माताएं हैं, तभी तो वे बच्चों के प्रिय मामा हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री चौहान ने श्री शर्मा की पुस्तक 'भारत के अनमोल रत्न' का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री को संगोष्ठी के प्रतिवेदन की प्रति भी सौंपी गई और उनका अभिनंदन किया गया। मुख्यमंत्री ने नृत्य प्रस्तुति के लिए प्रतिभाशाली बालिका सुश्री वत्सला को पुरस्कृत किया।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

सामूहिक वन प्रबंधन का होना चाहिये प्रभावी क्रियान्वयन - मुख्यमंत्री

बालाघाट, शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से लोगों का जीवन आसान हो। जनता का प्रशासन में विश्वास बढ़े। सामूहिक वन प्रबंधन का भी प्रभावी क्रियान्वयन होना चाहिए। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बालाघाट जिले के मुक्की में पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ नक्सल उन्मूलन अभियान की समीक्षा करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हॉक फोर्स में स्थानीय युवाओं की भर्ती आवश्यक है। भर्ती प्रक्रिया से संबंधित निर्देश पूर्व में दिए जा चुके हैं। आत्मसमर्पण कर चुके नक्सलियों का नक्सल नियंत्रण अभियान में सहयोग लिए जाने की योजना पर अमल हो रहा है। हॉक फोर्स के जवान जिन स्थान पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं, वहां न्यूनतम जरूरतों और सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध करने के निर्देश दिये गये। श्री चौहान ने कहा कि संसाधनों की कमी नहीं रहना चाहिए। उन्होंने हॉक फोर्स के जवानों को वर्ष 2018 से छठवें वेतनमान के अनुसार दिए जा रहे प्रोत्साहन भत्ते को सातवें वेतनमान में भी कायम रखे जाने पर सहमति जताई। प्रक्रिया के पालन के निर्देश पूर्व में ही दिए गए हैं।

श्री चौहान ने नक्सल प्रभावित क्षेत्र में सेवाएं दे रहे हॉक फोर्स के जवानों से मुलाकात कर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने विपरीत परिस्थितियों में भी काम करने में आने वाली समस्याओं की पड़ताल करते हुए बेहतरीन कार्य करने पर जवानों की हौसला अफजाई की। मुख्यमंत्री ने हॉक फोर्स के जवानों से कहा कि आपकी सेवाएं सिर्फ नौकरी नहीं, बल्कि एक मिशन है, जो देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सौंपा गया महत्वपूर्ण दायित्व है। आप बड़े मिशन के लिए कार्य कर रहे हैं। आपका पराक्रम और समर्पण सराहनीय है। आपके साहस और शौर्य को मैं प्रणाम करता हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में किसी भी स्थान पर हिंसा की विचारधारा को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लोकतंत्र में इसका कोई स्थान नहीं है। प्रदेश के अनेक हिस्सों में अपराधों में लिप्त तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जा रही है।

उत्तराखण्ड में चारधाम यात्रा के लिये ऑनलाइन पंजीकरण

पंजीकरण के लिये टोल फ्री नंबर भी जारी

भोपाल, उत्तराखण्ड में चल रही चारधाम यात्रा के लिये पंजीकरण की प्रक्रिया को ऑनलाइन किया गया है। पंजीयन registrationandtouristcare.uk.gov.in पर तथा मोबाइल एप Tourist Care Uttarkhand (Android/OS) पर करवाया जा सकता है। पंजीकरण में आने वाली समस्या समाधान के लिये टोल-फ्री नम्बर 01351364 भी जारी किया गया है।

उत्तराखण्ड के सचिव श्री दिलीप जावलकर ने बताया कि चारधाम यात्रा में अभी तक विदित हुआ है कि कतिपय श्रद्धालु बिना रजिस्ट्रेशन के आ रहे हैं और उन्हें धामों में दर्शन के लिये अत्यधिक इंतजार करना पड़ रहा है। इसके लिये उनके पास पर्याप्त संसाधन नहीं होते हैं। यह भी संज्ञान में आया है कि कतिपय श्रद्धालु, जो अनधिकृत स्रोतों से रजिस्ट्रेशन करवा रहे हैं, उन्हें अनावश्यक असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। चारधाम यात्रा के लिये उत्तराखण्ड आने वाले श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे अधिकृत वेबसाइट से ही अपनी यात्रा का पंजीयन करायें, जिससे किसी असुविधा का सामना न करना पड़े।

नैतिक जीवन मूल्य में हो रहा पतन समाज के लिये चिंतनीय - राज्यपाल

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल सीहोर में एक स्कूल के स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुये।

सीहोर, राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने समाज में नैतिक जीवन मूल्य में हो रहे पतन पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने किशोर द्वारा माता की हत्या की घटना के प्रसंग में कहा कि हर नई तकनीक और अनुसंधान के सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव होते हैं। यह परिवार और विद्यालय का दायित्व है कि वे बच्चों को जीवन में सकारात्मकता का दिग्दर्शन करायें। बच्चों को नकारात्मकता के विरुद्ध भारतीय संस्कारों और नैतिक मूल्यों का सुरक्षा कवच प्रदान करें। उन्होंने कहा कि जिस तरह स्वस्थ शरीर के लिए सभी अंगों का स्वस्थ होना जरूरी है। उसी तरह स्वस्थ समाज के लिए सभी वर्गों और समुदायों का विकास आवश्यक है। जरूरी है कि समाज का समर्थ और सक्षम वर्ग, वंचितों के विकास का दायित्व ग्रहण कर उनका सहयोग करें।

राज्यपाल ने आई.ई.एस. पब्लिक स्कूल सीहोर के 5वें स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहा कि बच्चे फूल की तरह कोमल और इनका मन मिट्टी की तरह नरम होता है। बाल-मन और मस्तिष्क पर माता-पिता और शिक्षकों के संस्कारों का सर्वाधिक प्रभाव होता है। बच्चा बड़ा होकर कैसा बनेगा, यह परिवार और स्कूल का वातावरण तय करता है। उन्होंने पालकों से अपेक्षा की कि वे बच्चों के सामने संयत भाषा और शुद्ध आचरण करें। पति-पत्नी में मतभेद अथवा मन-मुटाव होने पर भी बच्चों के सामने विवाद नहीं करें। बच्चों को स्कूल भेज कर यह समझना कि बच्चों के विकास की जिम्मेदारी केवल शिक्षकों की है, उचित नहीं है। पालकों को पढ़ाई और परीक्षा प्रबंधन में भी बच्चों का सहयोग करना चाहिए। बच्चों पर परीक्षा का दबाव नहीं बनाएं। परीक्षा में सफलता के लिए नियमित पढ़ाई जरूरी है। इसके लिए स्कूल से आने के बाद, खेलने और खाने की व्यवस्थाओं के साथ ही विद्यालय की पढ़ाई को दोहराने और अगले दिन पढ़ाए जाने वाले विषयों को पढ़ कर स्कूल जाने को प्रेरित करें।

श्री पटेल ने मेधावी विद्यार्थियों, विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता बच्चों, विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षकों को पुरस्कृत किया। उन्होंने आंगनवाड़ी के बच्चों को फल, प्राथमिक शाला के विद्यार्थियों को पठन-पाठन सामग्री वितरित की। राज्यपाल श्री पटेल का नन्हे बच्चों ने स्वागत किया। विद्यालय की ओर से राज्यपाल का प्रतीक चिन्ह, शॉल, श्रीफल और पुष्प-गुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलपति श्री के.जी. सुरेश ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारत को विश्व गुरु के रूप में स्थापित करने का सुनहरा अवसर है। इस पहल की सफलता के लिए जरूरी है कि सभी स्तरों पर और हर व्यक्ति द्वारा अपना बेहतर योगदान दिया जाए। उन्होंने विद्यालय की तीव्र प्रगति की सराहना करते हुए विद्यालय द्वारा किए जा रहे समाज सेवा के कार्यों की सराहना की।

आईईएस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति इंजीनियर श्री बी.एस. यादव ने आईईएस पब्लिक स्कूल सीहोर की स्थापना और प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने विद्यालय द्वारा एक आंगनवाड़ी गोद लेने की घोषणा की। आईईएस विश्वविद्यालय की उपकुलाधिपति श्रीमती सुनीता सिंह ने विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक क्षेत्र में किए कार्यों तथा समूह की पर्यावरण, सामुदायिक विकास और समाज सेवा कार्यों के प्रति प्रतिबद्धता के बारे में बताया।

आठवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 75 स्थानों पर होंगे योग के विशेष सत्र

भोपाल, मध्यप्रदेश में आठवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून के लिये आयुष विभाग द्वारा लगातार तैयारियां की जा रही हैं। आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में प्रदेश के 75 स्थानों पर योग के विशेष सत्र होंगे। इनमें से चार स्थानों पर केंद्रीय मंत्री शामिल होंगे। योग के विशेष सत्र पुरातत्व स्थल, नदियों के घाटों और प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों पर होंगे।

जिन 4 स्थलों पर योग के विशेष सत्रों में केंद्रीय मंत्री शामिल होंगे, उनमें प्रसिद्ध पुरातत्व स्थल खजुराहो में केंद्रीय कृषि एवं किसान-कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, नर्मदा नदी के उद्गम स्थल अमरकंटक में केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार, ग्वालियर किले में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और सांची के बौद्ध विहार में केंद्रीय राज्यमंत्री सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग श्री भानुप्रताप सिंह वर्मा शामिल होंगे।

आठवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम है 'मानवता के लिये योग'। जिन 75 स्थलों पर योग के विशेष सत्र हो रहे हैं, उनमें श्योपुर जिले में महाराजा नरसिंह महल, मुरैना में मंदिर समूह बटेश्वर, भिण्ड में अटेर किला, ग्वालियर में विक्रम महल, जहांगीर महल और मानमंदिर परिसर ग्वालियर किला, शिवपुरी में पिछोर का किला और गाँधी भवन शिवपुरी, गुना में बजरंगगढ़ का किला, अशोकनगर में बादल महल चंदेरी, दतिया में महाराजा परीक्षित की छत्री, सागर में सागर पुलिस एकेडमी, प्राचीन किला खुरई और प्राचीन किला मालथौन, दमोह में दमयंतीगढ़ी, रंगमहल पैलेस हटा और नोहटा मंदिर, पन्ना जिले में छत्रसाल पार्क, छतरपुर में खजुराहो के मंदिर, टीकमगढ़ में सूर्य मंदिर उमरी और मढ़खेरा, निमाड़ी में जहाँगीर महल ओरछा, छिंदवाड़ा में प्राचीन गोंड किला देवगढ़, रतलाम में बिल्पकेश्वर मंदिर बिल्पांक, शाजापुर में राणोजी शिंदे की छत्री, मंदसौर में यशवंत राव होल्कर प्रथम की छत्री भानपुरा, नीमच में जीरन की गढ़ी, उज्जैन में महाकाल मंदिर परिसर रामघाट और प्राचीन किला महिदपुर में योग के विशेष सत्र होंगे।

इंदौर में कृष्ण बाई होल्कर की छत्री, लाल बाग पैलेस, लेंटर्न चौराहा यशवन्त होल्कर निवास रोड, धार जिले में दुर्ग धार, जहाज महल परिसर मांडू, अलीराजपुर जिले में शिव मंदिर मलवई, खरगोन के महेश्वर घाट (नर्मदा तट), बड़वानी में किला सेंधवा, खण्डवा में गौरी सोमनाथ मंदिर और सिद्धनाथ मंदिर, बुरहानपुर में प्राचीन किला, देवास में सिद्धेश्वर मंदिर नेमावर, झाबुआ में प्राचीन शिव मंदिर देवफलिया, भोपाल में रानी कमलापति महल, रायसेन में बौद्ध स्तूप सांची, शिव मंदिर भोजपुर, सीहोर जिले में प्राचीन देवी मंदिर सलकनपुर, होशंगाबाद जिले में सेठानी घाट नर्मदा तट, बाईसन लॉज पचमढ़ी और तिलक सेंदूर मंदिर खतामा इटारसी, राजगढ़ जिले में सांकाजी की छत्री, हरदा में तेली की सराय हंडिया और प्राचीन गुप्तेश्वर मंदिर चारूवा, विदिशा जिले में उदेश्वर शिव मंदिर उदयपुर, नरसिंहपुर जिले में नरसिंह मंदिर, शांति स्मारक पुस्तकालय, सिवनी जिले में आदेगाँव का किला, मण्डला में मोती महल परिसर रामनगर और प्राचीन गोंड किला, डिण्डोरी में प्राचीन किला रामगढ़, बालाघाट जिले में प्राचीन बावड़ी हट्टा, प्राचीन किला लांजी और बजरंग घाट/मोती गार्डन में योग के विशेष शिविर होंगे। जबलपुर में भेड़ाघाट नर्मदा तट, मदन महल और चौसठ योगिनी मंदिर, कटनी जिले में विजयराघवगढ़ का किला और प्राचीन शिव मंदिर बिलहेरी, शहडोल जिले में कंकाली मंदिर अंतरा और विराट मंदिर सोहागपुर, उमरिया जिले में सीतागढ़ी मढ़ी पाली, अनूपपुर में अमरकंटक मंदिर प्रांगण, सिंगरौली में शैलोत्कीर्ण गुफाएँ माड़ा, रीवा जिले में हरगौरी प्रतिमा पद्मधर पार्क और प्राचीन गढ़ी गुढ़ और सतना जिले में गोला मठ मैहर और चित्रकूट घाट में यह विशेष योग शिविर होंगे।

मातृत्व और शिशु अभियान का नाम साझा कर जीतें पुरस्कार

भोपाल, सभी महिलाओं को गर्भावस्था, प्रसव पूर्व और प्रसव के बाद देखभाल एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। 'एमपी माय गव' ने सभी नागरिकों से आह्वान किया है कि वे अपना योगदान देने के लिए इस अभियान का एक सार्थक और उद्देश्यपूर्ण नाम सुझाएं। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागी mp.mygov.in पर लॉग इन कर अपनी प्रविष्टि जमा कर सकते हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने की अंतिम तिथि 30 जुलाई, 2022 है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

एजेंसी देना है

मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक समाचार पत्र

रोज़गार और निर्माण

प्रदेश में खरगोन, बालाघाट, नरसिंहपुर, छिन्दवाड़ा, बीना, धार एवं अशोकनगर जिलों में एजेंसी नियुक्त करना है।

एजेंसी संबंधित कार्य के लिए कार्यालीन समय में संपर्क करें

0755-2760006, 9424442725, 9424444174

प्रमुख आकर्षण

- कॅरियर की खबरें
- सम-सामयिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
- खेल जगत की उल्लेखनीय खबरें
- सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
- मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारियां
- विज्ञान की बातें

मध्यप्रदेश माध्यम
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अटेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
www.mpmadhyam.in
madhyam.rojgar@gmail.com

आज ही खरीदें प्रमुख बुक-स्टॉलों पर उपलब्ध

आंचल ठाकुर

विश्व रिकॉर्ड के राजदूत के लिए चयनित

भारत की स्कीइंग चैम्पियन आंचल ठाकुर महिला विश्व रिकॉर्ड के राजदूत के लिए चयनित हुई हैं। आंचल विश्व की 70 महिलाओं के साथ स्विट्जरलैंड की एल्लेन हॉर्न चोटी को फतेह करेंगी। यह चोटी दुनिया की सबसे मुश्किल चोटियों में शुमार है।

गिनी पिग 'मौली'

बास्केटबॉल खेलकर बनाया रिकॉर्ड

स्वीडन में मौली नाम के गिनी पिग (चूहे की तरह दिखने वाले जीव) ने बास्केटबॉल खेलकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। गिनी पिग ने 30 सेकेंड में चार बार एक इंच व्यास की गेंद को एक छोटे से बास्केट में डाला। मौली की मालकिन एमा मुलर ने बताया कि मौली को बास्केटबॉल खेलना काफी पसंद है। इसलिए उन्हें इस रिकॉर्ड के लिए मौली को ज्यादा ट्रेनिंग नहीं देनी पड़ी। उसने खेल-खेल में 30 सेकेंड में गेंद को आठ बार बास्केट में डाला है।

थ्री डी बायो ने

पहली बार 3डी प्रिंटेड कान लगाया

दुनिया में पहली बार महिला को उसकी ही कोशिका से बनाया गया 3डी प्रिंटेड कान लगाया गया है। इस कान को 3डी बायो थेरेप्यूटिक्स (3डी बायो) मेडिसिन कंपनी ने बनाया। यह कान डॉक्टरों ने महिला मरीज की कार्टिलेज कोशिकाओं का उपयोग करके लैब में बनाया है। इसे रोगी के दूसरे कान से मेल खाते आकार में 3डी प्रिंटर पर प्रिंट किया गया। यह प्रत्यारोपण विशेष रूप से माइक्रोटिया वाले रोगियों के लिए है।

रूथ लार्सन

103 साल की उम्र में स्काई डाइविंग कर बनाया रिकॉर्ड

स्वीडन की रूथ लार्सन ने 103 साल की उम्र में स्काई डाइविंग कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराया है। उन्होंने 101 साल की उम्र में पहली बार स्काई डाइविंग की थी। गिनीज ने उन्हें स्काई डाइविंग करने वाली सबसे अधिक उम्र की महिला का खिताब दिया है। लार्सन को डाइविंग के अलावा फिटनेस, संगीत और अध्ययन का शौक है।

चिली में

सबसे पुराना पेड़ मिला

दक्षिण चिली के 'अलर्स कोस्तेरो नेशनल पार्क' में दुनिया का सबसे पुराना पेड़ मिला है। यह एक 'साइप्रेस ट्री' है, जिसे 'सनोवेर' भी कहते हैं। इसे 'ग्रेटलैंड फादर' नाम दिया गया है। इस पेड़ की उम्र 5,484 साल बताई जा रही है। पेरिस स्थित 'क्लाइमेट एंड एनवायरमेंटल साइंसेस लेबोरेट्री' के इकोलॉजिस्ट जोनाथन बारिचविच के अनुसार कम्प्यूटर मॉडल के जरिए पेड़ के 80 फीसदी विकास की कहानी पता कर ली है, इस पेड़ के तने का व्यास चार मीटर का है।

पुर्तगाल में

पहली बार शाही खजाना दिखा

पुर्तगाल में पहली बार शाही क्राउन सहित अन्य जूलरी का म्यूजियम में प्रदर्शन किया गया है। इस शाही खजाने को राजधानी के लिस्वन रॉयल ट्रेजर म्यूजियम में रखा गया है। यह म्यूजियम उसी अजूदा पैलेस में है, जिसमें पुर्तगाल का अंतिम राजवंश रहता था। वर्ष 1910 में लोकतंत्र लागू होने के साथ ही वहां राजशाही खत्म हो गई थी। तब से खजाना मालखाने में था।

'चिड़िया टंकी'

एनआईटी पास छात्र ने पक्षियों के लिए बनाई

पक्षियों को कड़ी गर्मी में पानी के लिए जद्दोजहद करते देख एनआईटी से उत्तीर्ण ग्वालियर के युवा ने अनूठी टंकी बनाई है। इसें 'चिड़िया टंकी' नाम दिया है। यह देश में अपनी तरह का पहला इनोवेशन है। इसके लिए इंडियन पेटेंट ऑफिस से पेटेंट भी मिल गया है। इसे घर की छत, पार्क और जंगलों में रख सकते हैं। टंकी के ऊपर ही 40 लीटर की क्षमता का पॉट है। फ्लोटिंग सिस्टम होने से पानी ठंडा रहता है। इसे बनाने से पहले छह माह तक पक्षियों का व्यवहार भी समझा गया। इस पर 1800 रुपए खर्च आया है।

टेड सैम्स को

छह दशक बाद मिला हाईस्कूल सर्टिफिकेट

अमेरिका के कैलिफोर्निया में रहने वाले 78 वर्षीय टेड सैम्स को करीब छह दशक बाद हाईस्कूल का प्रमाण-पत्र मिला है। सैम्स को स्नातक नहीं होने का मलाल था। लेकिन उन्हें अब हाईस्कूल का प्रमाण-पत्र मिल गया है। सैम्स ने सैन गैब्रियल से यह प्रमाण-पत्र 60 साल बाद हासिल किया है। सैम्स को 1962 में विवाद के चलते सत्र पूरा होने से 5 दिन पहले निलंबित कर दिया था। उन्होंने एक किताब ली थी, जिसके 4.80 डॉलर उधार थे। इस कारण स्कूल ने डिप्लोमा देने से इंकार कर दिया था।

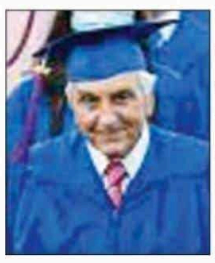

एसी मिलान को

अमेरिका की निवेश फर्म खरीदेगी

इटली की शीर्ष फुटबॉल लीग सिरी ए के चैम्पियन एसी मिलान को अमेरिका की निवेश फर्म रेडबर्ड कैपिटल पाटनर्स को एक अरब 30 करोड़ डॉलर में बेचने की तैयारी है। दोनों पक्षों ने शुरुआती करार पर हस्ताक्षर भी किए हैं। मिलान ने कहा कि रेडबर्ड के साथी अमेरिकी कंपनी इलियट मैनेजमेंट से इटली के इस क्लब की खरीद को सितंबर तक अंतिम रूप देने की उम्मीद है। रेडबर्ड के संस्थापक और प्रबंध साझेदार कार्डिनेल ने कहा कि एसी मिलान के शानदार इतिहास का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं।

पंजाब मेल

एक सौ दस साल की हुई ट्रेन

भारतीय रेलवे की सबसे पुरानी लंबी दूरी की ट्रेनों में से एक पंजाब मेल 1 जून 2022 को 110 साल की हो गई है। 110 साल पहले भी यह ट्रेन इटारसी होकर पेशावर और मुंबई के बीच चलती थी। 1912 में ब्रिटिश हुकूमत द्वारा शुरू की गई पंजाब मेल 1947 में आजादी के बाद छह डिब्बों से 24 डिब्बों की कर दी गई। आजादी से पहले इस ट्रेन को पंजाब लिमिटेड के नाम से जाना जाता था। यह ट्रेन 1912 से 1976 तक भाप इंजन और 1977 से डीजल इंजन, 2000 के बाद से बिजली के इंजन से चलने लगी।

हरिनी लोगन

भारतवंशी ने जीता नेशनल स्पेलिंग बी कॉम्पिटीशन

भारतवंशी अमेरिकी स्टूडेंट हरिनी लोगन ने 14 वर्ष की उम्र में वर्ष 2022 स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी कॉम्पिटीशन में पहली बार स्पेल-ऑफ मुकाबला जीतकर भारत का नाम रोशन किया है। हरिनी ने महज 90 सेकेंड में 21 शब्दों की सही स्पेलिंग बताई। प्रतियोगिता जीतने पर हरिनी को 50 हजार डॉलर का इनाम मिला है। स्पेल ऑफ में उन्होंने जिन 22 शब्दों की सही स्पेलिंग बताई उनमें स्पीलबोन, फ्रीऐटोफाइट, गायडिएंग, पैरिसन, ग्लोकिस, साकारोस, कोरेसपिसकोपस, मायूटिक, एपेलेमेंट, मूरहेन और मैलब्रौक शब्द शामिल थे।

बजराम बेगज

अल्बानिया के नए राष्ट्रपति बने

अल्बानिया के सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ जनरल स्टाफ बजराम बेगज अल्बानिया के नए राष्ट्रपति चुने गए हैं। 140 सदस्यों वाली संसद में कुल 103 सांसद मौजूद थे, मतदान में केवल 83 लोगों ने हिस्सा लिया। बेगज को 78 वोट मिले।

'एल्बिनो' कछुआ

स्विट्जरलैंड में जन्मा

स्विस ट्रोपिक्वेरियम में विशाल कछुओं की गैलागापोस प्रजाति के दो कछुए जन्मे हैं। इनमें से एक अपने माता-पिता की तरह काला है, वहीं दूसरा सफेद (एल्बिनो) है। मनुष्यों के प्रति 20,000 में करीब एक ऐसा मामला होता है। कछुओं में एल्बिनिजम की घटना दुर्लभ है।

ब्लू ऑरिजिन ने

अंतरिक्ष के 5वें मिशन में भेजे 6 पर्यटक

जेफ बेजोस की कंपनी ब्लू ऑरिजिन ने पांचवें चालक दल के मिशन को सफलतापूर्वक अंजाम देते हुए 6 पर्यटकों को 10 मिनट की राइड के लिए अंतरिक्ष में भेजा। न्यू शेपर्ड नामक अंतरिक्ष यान ने पश्चिमी टेक्सास के एक रेगिस्तानी स्थान से उड़ान भरी। वेबकास्ट में दिखाया गया है कि अंतरिक्ष में पहुंचते ही चालक-दल उल्लास से भर गया।

महारानी एलिजाबेथ के

शासन के 70 साल पूरे हुए

ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के शासन के 70 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में चार दिन का प्लैटिनम जुबली समारोह मनाया गया। बकिंघम पैलेस के सामने एक विशेष संगीत कार्यक्रम में प्रिंस चार्ल्स और उनके बेटे प्रिंस विलियम ने महारानी को सम्मानित किया। पार्टी एट द पैलेस समारोह में करीब 22,000 लोग एकत्र हुए जिनके सामने डायना रॉस, रॉक बैंड क्वीन, डुरान डुरान, एलिसिया कीज और अन्य कलाकारों ने प्रस्तुति दी।

केनिची होरी

बुजुर्ग ने 69 दिन में पार किया प्रशांत महासागर

जापान के 83 वर्षीय केनिची होरी ने प्रशांत महासागर को बिना रुके पार कर लिया। इसके साथ ही उन्होंने वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बना डाला है। होरी ने 69 दिन में यह यात्रा पूरी की। मार्च 2022 को उन्होंने सैन फ्रांसिस्को से प्रशांत महासागर की यात्रा शुरू की थी और पश्चिमी जापान बंदरगाह पर यात्रा समाप्त की। इससे पहले वर्ष 1962 में जापान से सैन फ्रांसिस्को के बीच प्रशांत क्षेत्र में अकेले और बिना रुके यात्रा पूरी करने वाले वे दुनिया के पहले व्यक्ति बने थे।

वैज्ञानिकों ने

अंतरिक्ष में खोजा रेडियो सिग्नल

वैज्ञानिकों ने एक न्यूट्रॉन तारे की खोज की है। यह तारा पृथ्वी से 1,300 प्रकाश वर्ष दूर है। सिडनी यूनिवर्सिटी में लेक्चरर मनीषा कालेव और मीर ट्रैप टीम का ध्यान गैलेक्सी के वेला-एक्स 1 रीजन से निकलने वाली एक अजीब पल्स पर गया। मनीषा का कहना है कि यह पल्स करीब 300 मिली सेकेंड तक चली। उस इलाके के डेटा में गहराई से खोज करने पर अन्य पल्स के रिकॉर्ड भी मिले। शोधकर्ताओं ने पल्स पीएसआरजे 0941-4046 के लिए न्यूट्रॉन स्टार को जिम्मेदार बताया है। उन्होंने बताया कि इसमें पल्सर का मैगनेटर की कुछ विशेषताएं हैं।

मंगोलिया में

भारतीय सेना का सोलह देशों के साथ सैन्याभ्यास

भारतीय सेना की लद्दाख-स्काउट (रेजीमेंट) की एक टुकड़ी ने मंगोलिया में 16 देशों की मल्टीनेशन मिलिट्री एक्सरसाइज, खान क्वेस्ट 2022 (6-17 जून) में हिस्सा लिया। मंगोलिया के राष्ट्रपति उखनागेन खुरेलसुख ने एक सैन्य कार्यक्रम में इस पीसकीपिंग एक्सरसाइज का उद्घाटन किया था। भारतीय सेना के मुताबिक खान क्वेस्ट युद्धाभ्यास का मकसद हिस्सा लेने वाले देशों की सेनाओं के बीच इंटर ऑपरेबिलिटी को बढ़ाना और सैन्य संबंधों को मजबूत करना है। इसके अलावा एक-दूसरे की सेनाओं की बेस्ट-प्रैक्टिस को साझा करना भी इस एक्सरसाइज का अहम हिस्सा है। इस दौरान फील्ड ट्रेनिंग एक्सरसाइज, कॉम्बेट डिस्कशन, लेक्चर और डेमो शामिल है।

नाजी कैदी की घड़ी

1.47 करोड़ में हुई नीलाम

ब्रिटिश ऑक्शन हाउस क्रिस्टीज ने एक ब्रिटिश कैदी द्वारा पहनी रोलेक्स घड़ी अमेरिका में 1,89,000 डॉलर (करीब 1.47 करोड़ रुपए) में नीलाम की है। द्वितीय विश्व युद्ध में नाजियों द्वारा कैदियों के लिए बने कैंप से भागने की 'ग्रेट एस्केप' (1944) घटना के एक कैदी गेराल्ड इमसन ने यह घड़ी पहनी हुई थी।

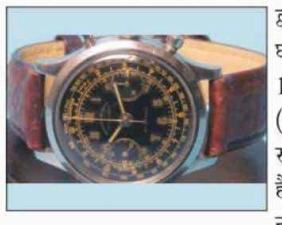

स्मृति शेष

बेबी फूड की मॉडल रहीं एन टर्नर कुक का निधन

अमेरिका में बेबी फूड की मॉडल रहीं लोकप्रिय एन टर्नर कुक का 95 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। कुक के बचपन का एक स्केच 90 से अधिक वर्षों से एक मशहूर बेबी फूड प्रोडक्ट का लोगो रहा। हालांकि कुक को अपनी छवि का उपयोग करने के लिए कभी कोई रॉयल्टी नहीं मिली थी।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

इन-स्पेस मुख्यालय का शुभारंभ

भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ते कदम

स्पेस सेक्टर यानी अंतरिक्ष क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में मजबूती, आर्थिक और सुरक्षा दोनों दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। केंद्र सरकार अंतरिक्ष अनुसंधान को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। केंद्र सरकार स्पेस क्षेत्र में मौजूद व्यापक संभावनाओं को पहचानने और उनके समुचित उपयोग के लिए प्रतिबद्ध है। स्पेस सेक्टर में निजी क्षेत्र की प्रतिभाओं को प्लेटफॉर्म देने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ी पहल की है। हाल ही में 10 जून, 2022 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के अहमदाबाद में भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (IN-SPACe) के मुख्यालय की शुरूआत की। IN-SPACe या इन-स्पेस सेंटर सरकार की स्पेस क्षेत्र, स्पेस टेक्नोलॉजी, स्पेस एप्लीकेशन के कल्याणकारी उपयोग के लिए की गई कल्पना का हिस्सा है। भारत को अंतरिक्ष क्षेत्र में ऊंचाई पर पहुंचाने के लिए इकोसिस्टम खड़ा करने हेतु प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2 साल पहले इसकी शुरूआत की थी। यह कदम भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में 'आत्मनिर्भर' योजना का भी हिस्सा है। इसमें अंतरिक्ष गतिविधियों में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देने की पहल की परिकल्पना की गयी है।

गौरतलब है कि इन-स्पेस की स्थापना की घोषणा जून 2020 में की गई थी। यह अंतरिक्ष विभाग में सरकारी और निजी दोनों संस्थाओं की अंतरिक्ष गतिविधियों के प्रचार, प्रोत्साहन और विनियमन के लिए एक स्वायत्त और एकल खिड़की नोडल एजेंसी है। यह एजेंसी निजी संस्थाओं द्वारा इसरो सुविधाओं के उपयोग को आसान बनाती है। यह सरकार द्वारा उठाया गया एक दूरदर्शी कदम है और देशभर की प्रमुख निजी कंपनियों द्वारा इसका व्यापक रूप से स्वागत किया गया है। इन सुधारों के माध्यम से सिर्फ यह सुनिश्चित करने का प्रयास नहीं किया जा रहा है कि भारत एक प्रतिस्पर्धी अंतरिक्ष बाजार बन जाए, बल्कि यह भी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है कि अंतरिक्ष कार्यक्रमों का लाभ सबसे गरीब लोगों तक पहुंचे। यह कदम सरकार द्वारा गरीबों में सबसे गरीब व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से सुधार की हर योजना बनाने और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में निरंतर प्रयास के जरिए भारत को आत्मनिर्भर बनाने के सिद्धांतों के अनुरूप है।

इन-स्पेस (IN-SPACe) क्या है?

भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (Indian National Space Promotion and Authorisation Centre या IN-SPACe) अंतरिक्ष विभाग के तहत एक स्वतंत्र नोडल एजेंसी है, जो अंतरिक्ष गतिविधियों की अनुमति देती है और गैर-सरकारी निजी संस्थाओं (NGPE) के स्वामित्व वाली सुविधाओं के उपयोग के साथ-साथ लॉन्च मैनिफेस्ट को प्राथमिकता देती है। इन-स्पेस को अपने स्वयं के संवर्ग के साथ सिंगल विंडो नोडल एजेंसी के रूप में स्थापित किया जाना है, जो अंतरिक्ष उद्योग में निजी क्षेत्र को अनुमति देगा और इसकी देख-रेख करेगा।

इन-स्पेस की जरूरत क्यों पड़ी?

भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र में अपार संभावनाओं को विस्तार देने के लिए निजी क्षेत्र को शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत और इसरो (ISRO) की उपलब्धियों को प्रैक्टिकल उपयोग में लाना, निजी कंपनियों और स्टार्टअप को जोड़ना है। इसके साथ भारतीय अंतरिक्ष उद्योग अर्थव्यवस्था में इन-स्पेस की पहल एक बहुत बड़ा कंट्रीब्यूटर (सहायक) बनेगा। इन-स्पेस के शुरू होने से निजी क्षेत्र की प्रतिभाओं को प्लेटफॉर्म और सहायता मिलेगी और अंतरिक्ष क्षेत्र में अपार संभावनाओं को विस्तार देने के लिए उनकी खोजों को जमीन पर उतारने के लिए रास्ता निकाला जाएगा।

इसरो की भूमिका अहम

भारत को अंतरिक्ष क्षेत्र में नई ऊंचाई देने के लिए लिए इसरो का हमेशा से अहम योगदान रहा है। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए इसरो ने अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी क्षेत्रों को काम करने का मौका देने के लिए अपने इस प्रभाग की स्थापना की है। कई परियोजनाओं से देश को गौरवान्वित करने वाला इसरो अब युवाओं को स्पेस सेक्टर में आगे ला रहा है।

युवाओं के लिए स्पेस सेक्टर में बदलाव

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का कहना है कि स्पेस सेक्टर में सुधार करते हुए इन-स्पेस के माध्यम से प्राइवेट इंडस्ट्रीज को भी सपोर्ट करके देश विजेता बनाने का अभियान शुरू कर रहा है। अब प्राइवेट सेक्टर सिर्फ वेंडर बनकर नहीं रहेगा, बल्कि स्पेस सेक्टर में बिग विनर्स (बड़े विजेता) की भूमिका निभाएगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के अनुसार सरकार भारत के युवाओं के सामने से हर अवरोध हटा रही है, लगातार सुधार और बदलाव कर रही है। बात चाहे डिफेंस सेक्टर (रक्षा क्षेत्र) को प्राइवेट इंडस्ट्री (निजी उद्योग) के लिए खोलने की हो, आधुनिक ड्रोन पॉलिसी बनाने की हो या जियो स्पेशल डेटा गाइडलाइन बनाने की, सरकार हर दिशा में काम कर रही है। कोशिश है कि हम भारत के प्राइवेट सेक्टर के लिए ज्यादा से ज्यादा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस का माहौल बनाएं ताकि देश का निजी क्षेत्र देशवासियों की ईज ऑफ लिविंग में उतनी ही मदद करे।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- **न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएस-आईएल)** : अंतरिक्ष विभाग के तहत भारत सरकार के पूर्ण स्वामित्व वाली न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) का गठन 6 मार्च, 2019 को बेंगलुरु में किया गया है। एनएसआईएल को अंतरिक्ष विभाग की एक नई वाणिज्यिक इकाई के रूप में शुरू किया गया है। इस कंपनी की मुख्य व्यावसायिक गतिविधियों में अंतरिक्ष प्रणालियों का उत्पादन करने के लिए भारतीय कंपनियों को समर्थ बनाना तथा भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रमों द्वारा जुटाए जाने वाले वाणिज्यिक अवसरों का लाभ उठाना शामिल हैं। सिंगल-विंडो ऑपरेटर के रूप में कार्य करते हुए एनएसआईएल अंतरिक्ष क्षेत्र में व्यवसाय करने में आसानी की सुविधा भी प्रदान करेगी।
- **इंडियन स्पेस एसोसिएशन (ISPA)** : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 11 अक्टूबर 2021 को भारतीय अंतरिक्ष संघ (आईएसपीए) का शुभारंभ किया था। आईएसपीए अंतरिक्ष और उपग्रह कंपनियों का प्रमुख उद्योग संघ है, जो भारतीय अंतरिक्ष उद्योग की सामूहिक आवाज बनने की आकांक्षा रखता है। आईएसपीए संबंधित नीतियों की हिमायत करेगा और इसके साथ ही सरकार एवं उसकी एजेंसियों सहित भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र के सभी हितधारकों के साथ अपना जुड़ाव सुनिश्चित करेगा। प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत' दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए आईएसपीए भारत को आत्मनिर्भर, तकनीकी रूप से उन्नत और अंतरिक्ष क्षेत्र में एक अग्रणी देश बनाने में मदद करेगा। आईएसपीए का प्रतिनिधित्व अंतरिक्ष और उपग्रह प्रौद्योगिकियों में उन्नत क्षमताएं रखने वाली प्रमुख देशी कंपनियों के साथ-साथ वैश्विक कंपनियां भी करती हैं। आईएसपीए के संस्थापक सदस्यों में लार्सन एंड टुब्रो, नेल्को (टाटा ग्रुप), वनवेब, भारती एयरटेल, मैप माय इंडिया, वालचंद नगर इंडस्ट्रीज और अनंत टेक्नोलॉजी लिमिटेड शामिल हैं। इसके अन्य प्रमुख सदस्यों में गोदरेज, ह्यूजेस इंडिया, अजिस्ता-बीएसटी एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड, बीईएल, सेंटम इलेक्ट्रॉनिक्स, मैक्सार इंडिया शामिल हैं।
- **राष्ट्रीय अंतरिक्ष परिवहन नीति (NSTP)** : अंतरिक्ष विभाग ने 2021 में एनएसटीपी (NSTP) का मसौदा जारी किया था। इसके तहत निजी उद्यमों को नियामक आवश्यकताओं के जरिए सहारा, बढ़ावा और दिशा-निर्देश मुहैया कराए जाते हैं। एनएसटीपी निजी क्षेत्र से जुड़े संगठनों को भारत में और भारत से बाहर रॉकेट लॉन्च से जुड़े साइट्स स्थापित करने और उनका संचालन करने के लिए अधिकृत करती है।

- रश्मि रंजन
(लेखिका, समसामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं।)

मध्यप्रदेश के जिलों को जानिए

विश्व विरासत सांची और भीम बैठका हैं रायसेन की पहचान

भोपाल संभाग का रायसेन जिला, मध्यप्रदेश के मध्य भाग में स्थित है। जिले की स्थापना 1 नवंबर, 1956 को मध्यप्रदेश के गठन के साथ की गई थी। यह नरसिंहपुर और सागर जिले से दक्षिण-पूर्व में, विदिशा जिले के उत्तर में, सीहोर जिले के पश्चिम भाग और होशंगाबाद एवं सीहोर जिले के दक्षिण में स्थित है।

एक मजबूत किले के साथ रायसेन रियासतों के काल में प्रशासन का एक महत्वपूर्ण केंद्र था। पंद्रहवीं सदी में इस किले पर मांडू के सुल्तानों का शासन था। अकबर के समय में रायसेन, मालवा में सरकार का एक मुख्यालय था।

रायसेन को मध्यकाल में मालवा का दरवाजा कहा जाता था। इसका यह नामकरण इसकी भौगोलिक स्थिति के कारण हुआ। मध्यकाल में इसका कितना महत्व था, इसका प्रमाण यह है कि बाबरनामा, तारीख-ए-शेरशाही, आईना-ए-अकबरी, अकबरनामा, तबकात-ए-अकबरी, ताज-उल इकबाल आदि ग्रंथों में इस स्थान पर हुए युद्धों का विवरण मिलता है।

विश्व विरासत सूची में शामिल सांची और भीम बैठका ने रायसेन जिले को दुनिया भर में अनूठी पहचान दिला दी है।

इतिहास

मालवा क्षेत्र का मध्यकालीन नगर रायसेन, ग्वालियर जिले की विंध्य पर्वत श्रृंखला की तलहटी में बसा हुआ है। मध्यकाल में रायसेन, सिलहारी राजपूत सरदारों का मजबूत गढ़ था।

1543 ई. में रायसेन के दुर्ग पर शेरशाह ने आक्रमण किया था। उसने इस किले पर अधिकार तो कर लिया, किंतु इसके बाद विश्वासघात करके उसने दुर्ग की रक्षा में नियुक्त उन राजपूतों को मार डाला, जिनकी रक्षा का वचन उसने पहले दिया था। इस बात से राजपूत, शेरशाह के शत्रु बन गये और कालिंजर के युद्ध में उन्होंने शेरशाह का डटकर मुकाबला किया।

रायसेन, मुगलों का एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक केंद्र था। अकबर के शासनकाल में यह नगर उज्जैन के सूबे में शामिल 'सरकार' था। यहां बलुआ पत्थर से निर्मित किला है, जिसकी दीवारों पर शिकार के दृश्य अंकित हैं। रायसेन नगर का नाम उसके नाम के विशाल किले के कारण पड़ा है, जो संभवतः राजवासिनी या राजशयन अर्थात् राजप्रसाद का अपभ्रंश है। इतिहास-कार मानते हैं कि रायसिंह ने यहां शासन किया और उसी के नाम पर यह नगर विख्यात हुआ। एक अन्य धारणा यह भी है कि इस नगर का प्राचीन नाम 'सोमेश्वर' रहा है। रायसेन किले में स्थित सोमेश्वर मंदिर शताब्दियों तक तीर्थ स्थल के रूप में जाना जाता रहा है। मंदिर में प्राप्त कार्तिकेय, गणेश एवं नंदी आदि की मूर्तियों की स्थापत्य कला भी इसकी प्राचीनता को दर्शाती है।

अर्थव्यवस्था

रायसेन जिला पूसा, बासमती चावल के लिए प्रसिद्ध है। इसे जीआई टैग दिलाने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। जीआई टैग मिलने पर जिले में ही प्रोसेसिंग इकाइयां भी खुलने लगेंगी। जिनसे रोज़गार के अवसर बढ़ेंगे। रायसेन जिला मध्यप्रदेश में गेहूं के प्रमुख उत्पादकों में से भी एक है। जिले में तुलनात्मक रूप से औसत उत्पादकता भी अधिक है। रायसेन, उदयपुरा, गोहरगंज एवं सिलवानी तहसील जिले में गेहूं के प्रमुख उत्पादक हैं। इसके अलावा यहां सोयाबीन और चना आदि की खेती भी होती है।

जिले के मंडीदीप औद्योगिक क्षेत्र में ट्रैक्टर, मोटर, जेनरेटर, एलोपैथिक, आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक दवाइयों का निर्माण, खाद्य पदार्थ, स्टील के बर्तन, ट्रांसफार्मर, प्लास्टिक के पैकेजिंग उत्पाद, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, डिटर्जेंट, चावल, सोया तेल, इलेक्ट्रिकल सामान एवं कॉटन यार्न आदि की औद्योगिक इकाइयां हैं। जिनमें हजारों लोगों को रोज़गार मिला हुआ है।

जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल भी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में अपना योगदान देते हैं।

रायसेन जिला प्रमुख तथ्य

1. जिले का गठन- 01 नवंबर, 1956
2. संभाग- भोपाल
3. जिला मुख्यालय- रायसेन
4. क्षेत्रफल- 8466 वर्ग किलोमीटर
5. जनसंख्या- 13,31,597 (पुरुष- 7,00,358 और महिलाएं- 6,31,239)
6. लिंग अनुपात- 901
7. जनघनत्व- 157 प्रति वर्ग किलोमीटर
8. साक्षरता- 72.98 प्रतिशत
9. तहसीलें- 9 (रायसेन, गोहरगंज, बेगमगंज, गैरतगंज, सिलवानी, बरेली, उदयपुरा, बाड़ी, सुल्तानपुर)
10. ग्राम पंचायत- 498
11. ग्राम- 1503
12. नगर परिषद- 8
13. नगर पालिका- 3 (रायसेन, मंडीदीप, बेगमगंज)
14. विधानसभा क्षेत्र- 4 (उदयपुर, सांची, भोजपुर, सिलवानी)
15. लोकसभा क्षेत्र- 1
16. भाषा एवं बोली- हिन्दी

(सभी आंकड़े 2011 की जनगणना के अनुसार)

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

1. रायसेन किले का वास्तुशिल्प कहीं ईसा पूर्व की वास्तु निर्माण शैली का है, तो कहीं उत्तर मध्यकालीन अथवा राजपूत शैली का है। किले में हिंदू शासकों द्वारा निर्मित तीन महल हैं। स्थानीय रूप से इन्हें बादल महल, राजा रोहणी का महल तथा अंतरदान का महल कहा जाता है। किले की दीवारों में अनेक शिलालेख विद्यमान हैं जिसमें से अधिकांश देवनागरी में हैं तथा कुछ फारसी में भी हैं। इसके अतिरिक्त यहां कुछ विलक्षण शिलाचित्र भी हैं।
2. रायसेन किले में सोमेश्वर मंदिर, वारादरी, इत्रदान, मदरसा एवं मस्जिद, रानीमहल, सतीकुंड, जौहर स्थली, हवामहल, मंझरी महल, बादल महल, धोबीमहल, कचहरी, सुरई मंदिर, स्तूप और मठ जलाशय, सिलहदी की मजार देखने योग्य है।
3. जिले का मंडीद्वीप मध्यप्रदेश का महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्र है। यहां देश का पहला ऑप्टिकल फाइबर कारखाना स्थापित किया गया है।
4. रायसेन जिले में स्थित सांची बौद्ध तीर्थ स्थल के रूप में विश्व विख्यात है। यहां पर अति प्राचीन तीन बौद्ध स्तूप हैं। इन स्तूपों का निर्माण सम्राट अशोक ने तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व करवाया था। इन स्तूपों को 1989 में यूनेस्कों द्वारा विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया है।
5. सांची में हर साल नवंबर में चेतियागिरी विहार महोत्सव मनाया जाता है। सैकड़ों तीर्थयात्री बुद्ध, सारिपुत्त और महामोगलसेना के दो महान शिष्यों के अवशेषों को देखने के लिए यहां आते हैं।
6. जिले में स्थित भीम बैठका अपने शैलाश्रय चित्रों के कारण जाना जाता है। ये मानव जीवन के प्राचीनतम् चिन्ह हैं। कहा जाता है कि पूर्व पाषाण काल से मध्य ऐतिहासिक काल तक यह स्थान मानव गतिविधियों का केन्द्र रहा है। वर्ष 2003 में इसे यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है।
7. रायसेन जिले के भोजपुर में परमार कालीन विशाल शिवलिंग वाला मंदिर है, जिसकी स्थापना राजा भोज ने की थी। इसे भोजेश्वर मंदिर और पूर्व का सोमनाथ भी कहा जाता है।
8. रायसेन हजरत पीर फतेहुल्लाह शाह बाबा की दरगाह के लिए भी जाना जाता है, जो एक प्रसिद्ध मुस्लिम संत थे। बड़ी संख्या में लोग यहां बाबा का आशीर्वाद लेने के लिए आते हैं। यहां उर्स भी आयोजित किया जाता है।

- रीता मोदी
(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं)

आत्मविश्वास और परिश्रम से मिली अंकिता को कामयाबी

व्यवहारिक न्यायाधीश वर्ग-2 की परीक्षा में हासिल किया पांचवा स्थान

'अगर आप सोचते हैं कि आप कर सकते हैं, तो आप कर सकते हैं। अगर आप सोचते हैं कि आप नहीं कर सकते हैं, तो आप नहीं कर सकते हैं।' महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन का यह कथन बिल्कुल सही है, क्योंकि जीवन में कितनी ही चुनौतियां आएं अगर हम उन्हें दूर करना चाहें तो उन्हें दूर कर सकते हैं। यह बात इंदौर की अंकिता नागर पर बिल्कुल सटीक बैठती है। सब्जी बेचकर अपने तीनों बच्चों की परवरिश करने वाले अंकिता के माता-पिता ने अपनी बेटी की पढ़ाई को सबसे ज्यादा महत्व दिया और अंकिता ने भी अपने माता-पिता के त्याग और मेहनत के महत्व को समझते हुए निरंतर परिश्रम कर अपने चौथे प्रयास में व्यवहारिक न्यायाधीश वर्ग-2 की परीक्षा पास कर ली है। अंकिता के लिए यह सफर कैसे चुनौती भरा रहा आइए जानते हैं। **'रोज़गार और निर्माण'** के इस अंक में...

- **अपने अब तक के जीवन के सफर के बारे में बताइए?**

❍ मेरे घर में माता-पिता, एक बड़ा भाई और एक छोटी बहन है। माता-पिता मिलकर सब्जी का ठेला लगाते हैं और बड़ा भाई रेत-सीमेंट का काम करता है। छोटी बहन की शादी हो चुकी है। वह प्राइवेट बैंक में काम करती है। स्कूल की पढ़ाई के दौरान डॉक्टर बनने का सपना था, लेकिन माता-पिता की आर्थिक स्थिति को देखते हुए मैंने डॉक्टरी की पढ़ाई करने की इच्छा छोड़ दी थी। मेरे लिए इसके अलावा भी कई विकल्प मौजूद थे। मैंने अपनी पढ़ाई जारी रखी और लगातार प्रयास करती रही। कई बार यदि पढ़ाई के लिए आर्थिक समस्या आई तो मां ने अपने जेवर बेचकर, पिता-भाई ने मेहनत करके, रिश्तेदारों या परिचितों से उधार लेकर भी उस कमी को पूरा किया। इस तरह मेरे इस सफर में मेरे माता-पिता का संघर्ष काफी बड़ा रहा।

- **तैयारी के लिए स्टडी मटेरियल कहां से चुना, कौन-कौन सी किताबों से अध्ययन किया?**

❍ बेयर एक्ट महेन्द्र पटेल, लॉ फाइटर पब्लिकेशन की किताबें, संविधान डॉ. जयनारायण पांडेय, सीआरपीसी डॉ. चतुर्वेदी, प्रोफेसर मिश्रा आईपीसी आदि किताबों का अध्ययन किया। इसके अलावा इंटरनेट और कोचिंग के स्टडी मटेरियल की भी मदद ली।

- **जज बनने का ख्वाब कब देखा? क्या आपको उम्मीद थी कि आपका चयन होगा?**

❍ मैंने बी.कॉम. की पढ़ाई इंदौर में गुजराती कॉलेज से की है। जो इंदौर में कोर्ट के ही सामने स्थित है। ऐसे में कोर्ट को रोज सामने से देखते हुए मेरे मन में भी जज बनने का विचार आया था। साथ ही मैंने जब कानून की पढ़ाई के बारे में समझा तो मुझे लगा कि यह वह फील्ड है, जो मेरे नेचर के अनुसार है। इसलिए बी.कॉम. के बाद मैंने एल.एल.बी. करने का निर्णय लिया। इस बार विश्वास था कि चयन अवश्य हो जाएगा।

- **इस पद तक पहुंचने के लिए आपको किस तरह का संघर्ष करना पड़ा?**

❍ जीवन में अगर संघर्ष नहीं है, तो समझ लीजिए सब कुछ ठीक नहीं है। मेरे जीवन में संघर्ष यह था कि मेरे माता-पिता दिन रात मेहनत करके मेरी शिक्षा मेरे सपने को पूरा करने में जुटे हुए थे। हर दिन आर्थिक संघर्ष रहा। परीक्षा का फॉर्म भरने के लिए 300 रुपये कम पड़ गए, तब मां ने हिम्मत देते हुए कहा परेशान मत हो व्यवस्था हो जाएगी। शाम को सब्जी के ठेले की कमाई से 300 रुपये लाकर मां ने दिए, तब मैंने फॉर्म भरा।

- **इस परीक्षा के लिए मोटीवेशन तथा सहयोग कहां से प्राप्त हुआ?**

❍ मेरे माता-पिता दोनों ही विपरीत परिस्थितियों की वजह से पढ़ाई नहीं कर सके, मगर वह शिक्षा के महत्व को जानते थे। इसलिए उन्होंने अपने सभी बच्चों की पढ़ाई के लिए काफी मेहनत की। ऐसे में सबसे पहली और निरंतर प्रेरणा मुझे मेरे माता-पिता की मेहनत से मिली। इसके साथ ही मेरे शिक्षकों ने भी मुझे निरंतर प्रेरित किया। कई बार तैयारी पूरी होने के बाद परीक्षा की तारीख में बदलाव होने से तनाव हुआ। तो मेरे शिक्षक ने मुझे यही कहा कि, अपनी तैयारी पूरी करो ताकि कल पेपर हो तो तैयार रहो।

- **परीक्षा की रणनीति कैसी रही?**

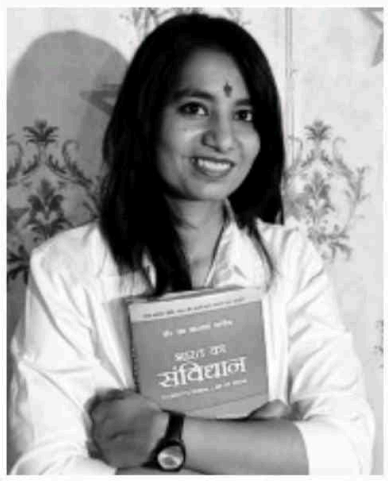

नाम	: **अंकिता नागर**
उम्र	: 29 वर्ष
रैंक	: पांचवीं
पद	: मध्यप्रदेश व्यवहार न्यायाधीश
पिता	: श्री अशोक नागर
माता	: श्रीमती लक्ष्मी नागर
आभार	: ईश्वर, मेरे माता-पिता, शिक्षकों और दोस्तों का आभार व्यक्त करती हूं।
दुर्बल पक्ष	: बहुत ज्यादा भावनात्मक होना।
सबल पक्ष	: सकारात्मक रहना, ईमानदारी।
शिक्षा	: हाईस्कूल - सीताराम पब्लिक स्कूल, इंदौर वर्ष 2009 हायर सेकेंडरी - जगदालय हायर सेकेंडरी स्कूल इंदौर वर्ष 2011 बीकॉम - गुजराती गर्ल्स कॉलेज, एलएलबी वैष्णो इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ, इंदौर वर्ष 2017 स्नातकोत्तर - एलएलएम वैष्णव कॉलेज, इंदौर वर्ष 2021

❍ मैंने हर विषय को बराबर समय और महत्व दिया। मैं सुबह 5 से 10 पहला पेपर, दोपहर 12 से 3 दूसरा, शाम को 4 से 8 तीसरा और 9 से 12 बजे तक चौथे पेपर की पढ़ाई करती थी। जिन सवालों के जवाब मुझे ज्यादा अच्छे से याद थे, उनके जवाब पहले लिखे। साथ ही मैंने प्रेक्टिस टेस्ट काफी दिए थे, इसलिए टाइम मैनेजमेंट में कोई दिक्कत नहीं आई।

- **अक्सर भूल जाने वाले तथ्य, जानकारी या भ्रम पैदा करने वाली जानकारियों को कैसे याद रखा?**

❍ महत्वपूर्ण तथ्य और जानकारी को याद रखने के लिए नियमित रिवीजन करती थी।

- **जीवन में किस तरह की चुनौतियां रहीं? खुद को सकारात्मक कैसे रखा?**

❍ मुझे कई बार बुरा लगता था कि मेरे पेरेंट्स मेरी पढ़ाई के लिए कितने परेशान हो रहे हैं। तब सोचती थी कि परेशान होने से कुछ नहीं होगा। पढ़ने के अलावा मेरे पास कोई विकल्प नहीं है। इसलिए मुझे वही काम करना चाहिए जो मैं कर सकती हूं। इसलिए मैंने सिर्फ और सिर्फ अपनी पढ़ाई पर फोकस किया। मेरे बड़े और छोटे भाई-बहन की शादी हो चुकी थी। ऐसे में अक्सर लोग कहते कि अकेले रह जाओगे, उम्र निकल रही है शादी कब करोगे, तब पेरेंट्स का सहयोग काफी महत्वपूर्ण रहा। वे हमेशा से यही चाहते थे कि मैं अपने पैरों पर खड़ी रहूं। मैं भी यही सोचती कि अकेले भी रहेंगे तो अपना जीवन हमें जीना है। अपने पेरेंट्स को बेहतर जिंदगी देनी है। मुझे आत्मनिर्भर बनना है। कई परीक्षाएं देती रही ताकि खुद को आर्थिक रूप से मजबूत करूं। लॉ क्लर्क की परीक्षा में भी टॉप किया था।

- **अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए किस तरह के त्याग आपको करने पड़े?**

❍ किसी लक्ष्य को हासिल करना हो तो व्यक्ति को अपने जीवन में अनुशासन अवश्य लाना होता है। मैंने सालों एक नियमित दिनचर्या का पालन किया। घर के कामकाज, कोचिंग या पेरेंट्स की सब्जी के ठेले पर मदद करने के अलावा मुझे जितना भी वक्त मिलता मैंने उसे सिर्फ पढ़ाई में दिया। किसी भी फैमिली फंक्शन या दोस्तों के संग कहीं बाहर जाना इन सभी चीजों को अपने जीवन से दूर रखा। अगर कभी नए कपड़े खरीदने के लिए पैसे मिलते तो उनका उपयोग भी किताबों को खरीदने में किया।

- **साक्षात्कार के दौरान साक्षात्कारकर्ता क्या जानना चाहता है? आपसे क्या-क्या सवाल पूछे गए?**

❍ साक्षात्कार के दौरान मुझसे मेरे परिवार, मेरी रुचि, सेक्शन 11 और अन्य प्रॉब्लम बेस्ड सवाल पूछे गए।

- **इंटरव्यू की तैयारी कैसे की? इसके लिए क्या योजना बनायी विस्तार से बताइए?**

❍ इंटरव्यू की तैयारी के लिए मैंने अपने शिक्षकों और दोस्तों का सहयोग लिया। मॉक इंटरव्यू की प्रेक्टिस की, दोस्तों ने भी मेरे मॉक इंटरव्यू लिए।

- **जिस पद के लिए आपका चयन हुआ है? उस पद की जिम्मेदारी निभाने के लिए आपके क्या विचार हैं, इस पद को लेकर आपका क्या दृष्टिकोण है?**

❍ मेरा चयन व्यवहारिक न्यायाधीश के पद पर हुआ है। मेरा यह प्रयास रहेगा कि मैं अपने काम को पूरी ईमानदारी के साथ करूं और लोगों के कानून में विश्वास को बनाए रखने में अपना योगदान दे सकूं।

- **'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों को आप क्या संदेश देना चाहेंगे?**

❍ 'रोज़गार और निर्माण' के माध्यम से मैं प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे सभी छात्रों को यही कहूंगी कि, जीवन में जब तक आपको आपका लक्ष्य हासिल न हो जाए कभी भी उम्मीद नहीं हारनी चाहिए। पढ़ते रहना चाहिए। निराश होकर ट्रैक मत बदलिए क्योंकि कई बार हम उस वक्त निराश हो जाते हैं, जब मंजिल सिर्फ एक कदम ही दूर होती है। वैसे भी जिनके जीवन में ज्यादा चुनौतियां आती हैं, वे ही खास मुकाम हासिल करते हैं। इसलिए कभी भी परेशानियों से घबराना नहीं चाहिए, हमें बस अपना काम करते रहना चाहिए।

- सर्जना चतुर्वेदी
(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न - प्राचीन इतिहास

(1) बौद्ध धर्म में भावी बोधिसत्व किसे माना गया है?
(अ) वज्रपणि
(ब) अवलोकितेश्वर
(स) मैत्रेय
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर -(स) मैत्रेय

(2) सोलह जनपदों की सूची उपलब्ध है?
(अ) अंगुत्तर निकाय
(ब) सुप्तपिटक
(स) विनय पिटक
(द) अर्थशास्त्र
उत्तर -(अ) अंगुत्तर निकाय

(3) देवगिरि के यादव वंश का संस्थापक कौन था?
(अ) दंतिदुर्ग (ब) अमोधवर्ष
(स) भिल्लम (द) कोकल्ल
उत्तर -(स) भिल्लम

(4) प्राचीन भारत में स्थानीय स्वशासन की जानकारी किस अभिलेख से मिलती है?
(अ) जूनागढ़ (ब) मंदसौर
(स) प्रयाग प्रशस्ति (द) उत्तर मेरूर
उत्तर -(द) उत्तर मेरूर अभिलेख

(5) हड़प्पाकालीन सभ्यता का सबसे दक्षिणी स्थल कौनसा है?
(अ) कालीकट (ब) कालीबंगा
(स) चन्हुदड़ो (द) दायमाबाद
उत्तर -(द) दायमाबाद

(6) प्रसिद्ध बौद्ध मठ 'हेमिस' व 'थिकसे' मठ किस स्थान पर स्थित है?
(अ) हिमाचल (ब) लद्दाख
(स) सिक्किम (द) अरुणाचल प्रदेश
उत्तर -(ब) लद्दाख

(7) ऋग्वेद में वंश मण्डल कहा गया है?
(अ) पहला तथा तीसरा
(ब) दूसरे से सातवें मण्डल तक
(स) नौवे मण्डल
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर -(ब) दूसरे से सातवें मण्डल तक

(8) पंप, पोन्न, रून त्रिरत्न हैं?
(अ) कन्नड़ साहित्य
(ब) तेलुगु साहित्य
(स) तमिल साहित्य
(द) हिंदी साहित्य
उत्तर -(अ) कन्नड़ साहित्य

(9) 'आयुर्वेद सर्वस्व' किसकी रचना है?
(अ) मिहिर भोज (ब) राजा भोज
(स) पतंजलि (द) चरक
उत्तर -(ब) राजा भोज

(10) आबू पर्वत के निकट मोहम्मद गौरी को किस चालुक्य वंश के राजा से हार का सामना करना पड़ा?
(अ) भीम प्रथम
(ब) बल्लाल सेन
(स) मूलराज-II
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर -(स) मूलराज-II

(11) काँची के कैलाशनाथ मंदिर का निर्माण किस शैली में हुआ था?
(अ) राजसिंह शैली
(ब) नाग (शैली)
(स) पांडव शैली
(द) तेसर शैली
उत्तर -(अ) राजसिंह शैली

(12) तैलप द्वितीय ने मुंज पर छः बार आक्रमण कर पराजित हुआ, उक्त घटना की जानकारी मिलती है?
(अ) मेरूतुंग की 'चिंतामणि'
(ब) विज्ञानेश्वर की मिताक्षरा
(स) सोमेश्वर की 'मानसोल्लास'
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर -(अ) मेरूतुंग की 'चिंतामणि'

(13) पंचमार्क्ड या 'आहत' सिक्के किस धातु के बने थे?
(अ) सोने (ब) चांदी
(स) पीतल (द) लोहे
उत्तर -(ब) चांदी

(14) 'अलमसूदी' किसके शासनकाल में भारत आया था?
(अ) कृष्णपाल (ब) कुमारगुप्त
(स) महिपाल (द) रूद्रदामन
उत्तर -(स) महिपाल

(15) ऋग्वेदकालीन शब्द 'उष्णीय' से क्या आशय है?
(अ) धोती (ब) पगड़ी
(स) साड़ी (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर -(ब) पगड़ी

(16) चारों आश्रमों का सर्वप्रथम उल्लेख कहाँ मिलता है?
(अ) कढोपनिषद
(ब) माण्डूक्य उपनिषद
(स) जाबालोपनिषद
(द) छांदोग्य उपनिषद
उत्तर -(स) जाबालोपनिषद

(17) धर्मगंज पुस्तकालय कहाँ स्थित था?
(अ) विक्रमशिला (ब) नालंदा
(स) ओदांतपुरी
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर -(ब) नालंदा

(18) गौड़वाहो किसकी रचना है?
(अ) शूद्रक (ब) दण्डिन
(स) वाकपति (द) कामंदक
उत्तर -(स) वाकपति

(19) अशोक के किस उत्तराधिकारी ने लोमश ऋषि-गुफा आजीवकों को दान में दी थी?
(अ) बिंबिसार (ब) बिंदुसार
(स) दशरथ (द) कुमारगुप्त
उत्तर -(स) दशरथ

(20) बाघ की गुफाओं के चित्र किस काल के हैं?
(अ) मौर्य (ब) गुप्त
(स) शुंग (द) ऋग्वैदिक
उत्तर -(ब) गुप्त

(21) 'नवनीतकम' ग्रंथ का संबंध किस क्षेत्र से है?
(अ) स्थापत्य (ब) चित्रकला
(स) औषधीय (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर -(स) औषधीय

(22) अशोक की कर नीति की जानकारी किस अभिलेख से मिलती है?
(अ) गुर्जरा (ब) कौशांबी
(स) मास्की (द) रूम्मिनदेई
उत्तर -(द) रूम्मिनदेई

(शेष अगले पृष्ठ पर)

OBJECTIVE QUESTIONS FOR COMPETITIVE EXAMINATION

Subject : GENERAL ENGLISH

● **Fill in the blanks with suitable articles. (Question Nos. 1 to 5)**

1. I penned ..... letter of complaint to the police.
(a) a (b) an
(c) the (d) No article

2. Give me ..... glass of water.
(a) a (b) an
(c) the (d) No article

3. He enjoyed ..... dinner.
(a) a (b) an
(c) the (d) No article

4. ..... rich are rarely happy.
(a) a (b) an
(c) the (d) No article

5. We are members of ..... organization.
(a) a (b) an
(c) the (d) No article

● **Fill in the blank spaces with suitable prepositions. (Question Nos. 6 to 12)**

6. My sister returned home late ..... 11.00 pm.
(a) with (b) by
(c) on (d) at

7. They go to the office ..... local train.
(a) with (b) on
(c) from (d) by

8. This bag belongs ..... Geeta.
(a) of (b) from
(c) with (d) to

9. Raman was born ..... May 31, 1985.
(a) before (b) during
(c) on (d) in

10. I like the crockery items ..... the supermarket.
(a) into (b) in
(c) to (d) at

11. The train passes ..... the tunnel.
(a) inside (b) into
(c) across (d) through

12. I must apologize ..... my mistake.
(a) from (b) to
(c) on (d) for

● **Fill in the blanks with suitable form of the verb. (Question Nos. 13 to 18)**

13. Raman frequently ..... junk foods in office.
(a) was eaten (b) eat
(c) is eating (d) eats

14. If you request her, she ..... this matter.
(a) was typed
(b) has typed
(c) is typing
(d) will type

15. They were talking on family matters when he ..... home.
(a) was reaching
(b) reached
(c) has reached
(d) reaches

16. I cut my finger when I ..... onions.
(a) had chopped
(b) am chopping
(c) have chopped
(d) was chopping

17. I won't go to the office if it ..... .
(a) will rain
(b) rains
(c) is raining
(d) has rained

18. The film ..... a good business last week.
(a) does
(b) did
(c) had done
(d) has done.

● **Change the Voice. (Question Nos. 19 to 25)**

19. Salads had been eaten by her father.
(a) Father had eaten salads for her.
(b) Her father has eaten salads.
(c) Her father had eaten salads.
(d) Her father had ate salads.

20. I was surprised at the news.
(a) The news had surprised me.
(b) I was surprised by the news.
(c) The news surprised me.
(d) The news surprises me.

21. Lend me some money please.
(a) Let some money be lend to me.
(b) You are requested to lend me some money.
(c) You are requested to lend some money.
(d) You must lend me some money.

22. Who penned this novel?
(a) By who this novel was penned?
(b) By whom was this novel penned?
(c) By this novel who was penned?
(d) By this novel whom was penned?

23. Raju dropped the coins into the river.
(a) The coins are dropped into the river by Raju.
(b) The coins were dropped into the river by Raju.
(c) The river was dropped coins in by Raju.
(d) Raju had dropped the coins into the river by Raju.

24. The teacher provides cut and dry notes.
(a) Notes are provided cut and dry by the teacher.
(b) Notes are provided by the teacher cut and dry.
(c) Cut and dry notes are provided by the teacher.
(d) Cut and dry notes are being provided by the teacher.

25. The patient was examined carefully by the doctor.
(a) The doctor examines carefully the patient.
(b) The doctor had carefully examined the patient.
(c) Carefully the patient was examined by the doctor.
(d) The doctor examined the patient carefully.

● **Idioms and phrases. (Question Nos. 26 to 30)**

26. Stealing someone's thunder.
(a) Stealing someone's belongings.
(b) Giving credit to someone for his/her achievements.
(c) Taking credit for someone else's achievements.
(d) Combination of thunder and lightning.

27. Take the bull by the horns.
(a) Challenge someone to fight.
(b) Face a problem without fear.
(c) Control himself/herself to face the problem.
(d) Control the bull with difficulty.

28. A dark horse.
(a) A horse with black spots.
(b) A race winning horse.
(c) A person whose abilities are hidden.
(d) A person with disabilities.

29. Bring about
(a) Get something from somewhere.
(b) Make something happen.
(c) Restrict something to happen.
(d) Delay in action.

30. Call off
(a) To cancel
(b) To accept
(c) To delay
(d) To anticipate

● **Choose the word opposite to the meaning of the given word. (Question Nos. 31 to 35)**

31. Harass
(a) Pester (b) Bother
(c) Comfort (d) Evacuate

32. Fortunate
(a) Lucky (b) Hapless
(c) Happy (d) Swift

33. Impartial
(a) Fair
(b) Prejudice
(c) Neutral
(d) Unbiased

34. Veteran
(a) Novice
(b) Old hand
(c) Expert
(d) Experienced person

35. Outrage
(a) Rage (b) Fury
(c) Anger (d) Praise

● **Synonym (Question Nos. 36 to 40)**

36. Sneer
(a) Verdict (b) Praise
(c) Extol (d) Mock

37. Damp
(a) Regret
(b) Soggy
(c) Dry
(d) Impediment

38. Shabby
(a) Clean (b) Soft
(c) Untidy (d) Careless

39. Dignity
(a) Insult (b) Shame
(c) Pride (d) Indignity

40. Huge
(a) Tiny (b) Petite
(c) Small (d) Gigantic

● **One word substitution (Question Nos. 41 to 45)**

41. Lasting for a very short time.
(a) Everlasting
(b) Endless
(c) Eternal
(d) Ephemeral

42. Someone who is reserved and shy.
(a) Assertive
(b) Introvert
(c) Extrovert
(d) Diplomat

43. Fear or hatred of books.
(a) Bookish
(b) Autophobia
(c) Bibliophobia
(d) Agoraphobia

44. The study of the heart diseases and circulatory system.
(a) Cardiology
(b) Neurology
(c) Psychology
(d) Pediatrics

45. The study of human behaviour.
(a) Biology
(b) Anatomy
(c) Psychology
(d) Archeology

● **In each of the following questions, find out the correctly spelt word. (Questions Nos. 46 to 50)**

46. (a) Tomorrow
(b) Tomarrow
(c) Tomorow
(d) Tommorrow

47. (a) Calture (b) Cultare
(c) Culture (d) Cultuer

48. (a) Autobigraphy
(b) Autabiography
(c) Autoboigraphy
(d) Autobiography

49. (a) Professer
(b) Professor
(c) Profesar
(d) Proffessor

50. (a) Gaurantee
(b) Guarantee
(c) Gaorantee
(d) Gaurentee

Answers

1. a, 2. a, 3. d, 4. c, 5. b, 6. d, 7. d, 8. d, 9. c, 10. d, 11. d, 12. d, 13. d, 14. d, 15. b, 16. d, 17. b, 18. b, 19. c, 20. c, 21. b, 22. b, 23. b, 24. c, 25. d, 26. c, 27. b, 28. c, 29. b, 30. a, 31. c, 32. b, 33. b, 34. a, 35. d, 36. d, 37. b, 38. c, 39. c, 40. d, 41. d, 42. b, 43. c, 44. a, 45. c, 46. a, 47. c, 48. d, 49. b, 50. b.

Explanation

4. Article 'the' is placed before an adjective which is used as a noun in a sentence. Hence option 'c' is correct.

- Prafulkumar Prakash Vaidhya
(Assistant Professor in English Sardar Patel Mahavidyalaya, Chandrapur)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

(23) 'शून्यवाद' के विद्धांत का प्रतिपादन किसने किया था?
(अ) नागार्जुन (ब) आर्यभट्ट
(स) ब्रह्मगुप्त (द) भास्कराचार्य
उत्तर -(अ) नागार्जुन

(24) गांधार शैली की पूर्ववर्ती कला हेलनिस्टिक कला का परिचय भारतीयों से किसने करवाया?
(अ) अरबी (ब) तुर्की
(स) यूनानी (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर -(स) यूनानी

(25) 'मणिमेखलै' नामक काव्य के लेखक कौन हैं?
(अ) इलंगो आदिगल
(ब) सत्तनार
(स) नक्कीरर
(द) अगस्तय
उत्तर -(ब) सत्तनार

(26) समुद्रगुप्त को भारत का नेपोलियन किसने कहा था?
(अ) मिल (ब) कनिंघम
(स) विन्सेंट स्मिथ (द) मार्शल
उत्तर -(स) विन्सेंट स्मिथ

(27) गणितसार संग्रह के लेखक महावीराचार्य किस राजा के दरबार में थे?
(अ) अमोघवर्ष
(ब) गौतमी पुत्र शातकर्णी
(स) चंद्रगुप्त
(द) हर्षवर्द्धन
उत्तर -(अ) अमोघवर्ष

(28) 'हरिकेलि नामक' नाटक के रचयिता कौन थे?
(अ) विल्हण (ब) कालीदास
(स) महेंद्रवर्मन (द) विग्रहराज
उत्तर -(द) विग्रहराज

(29) 'महाबलीपुरम्' के तट मंदिरों का निर्माण किसने करवाया था?
(अ) नरसिंहवर्मन (ब) सिंह विष्णु
(स) नंदिवर्मन (द) अवंतिवर्मन
उत्तर -(अ) नरसिंहवर्मन

(30) मौर्यकालीन प्रशासन में 'लक्ष्णाध्यक्ष' नामक अधिकारी संबंधित था?
(अ) सेना (ब) गुप्तचर
(स) राजस्व (द) मुद्रा परीक्षण
उत्तर -(द) मुद्रा परीक्षण

(31) किस वंश के शासकों को आंध्रभृत्य कहा जाता था?
(अ) पल्लव (ब) चोल
(स) चालुक्य (द) सातवाहन
उत्तर -(द) सातवाहन वंश

(32) वैशेषिक दर्शन के प्रवर्तक कौन हैं?
(अ) कणाद (ब) जैमनीय
(स) गौतम (द) बादशयण
उत्तर -(अ) कणाद

(33) 'बोरोबुदुर मंदिर कहां स्थित है?
(अ) जावा (ब) नेपाल
(स) थाइलैण्ड (द) कंबोडिया
उत्तर -(अ) जावा (इण्डोनेशिया)

(34) नियतिवादी संप्रदाय के संस्थापक कौन थे?
(अ) पकुध कच्चायन
(ब) पूरण कश्यप
(स) संजय वेटण्लिपुप्त
(द) चार्वाक
उत्तर -(अ) पकुध कच्चायन

(35) 'हाइडेस्पीज का युद्ध' किस नदी के किनारे लड़ा गया था?
(अ) चेनाब (ब) झेलम
(स) रावी (द) सिंधु
उत्तर -(ब) झेलम

(36) मौर्यकालीन प्रांत दक्षिणापद की राजधानी कौनसी थी?
(अ) पाटिलीपुत्र (ब) तोसलि
(स) तक्षशिला (द) सुवर्णगिरी
उत्तर -(द) सुवर्णगिरी

(37) सम्राट अशोक के किस शिलालेख में भैरीघोष के स्थान पर 'धम्म घोष' की घोषणा की गई?
(अ) पहला (ब) दूसरा
(स) तीसरा (द) चौथा
उत्तर -(द) चौथा

(38) निम्न में से कौन सुमेलित नहीं है?
(अ) रविकीर्ति-पुलकेशियन द्वितीय
(ब) भवभूति-कन्नौज के यशोवर्मन
(स) हरिषेण-हर्ष
(द) दण्डी-नरसिंह वर्मन
उत्तर -(स) हरिषेण-हर्ष

(39) सिंधु घाटी सभ्यता किसके समकालीन नहीं थी?
(अ) मिस्र (ब) मेसोपोटामिया
(स) चीन (द) ग्रीक
उत्तर -(द) ग्रीक

(40) हर्षवर्द्धन ने हर्ष संवत् की स्थापना किस उपलक्ष्य में की थी?
(अ) राज्यारोहण के उपलक्ष्य में
(ब) कन्नौज विजय पर अधिकार
(स) सिंध विजय पर
(द) पूर्वी भारत विजय पर
उत्तर -(अ) राज्यारोहण के उपलक्ष्य में

(41) किस शासक के शासनकाल में बौद्ध धर्म का हीनयान एवं महायान में विभाजन हुआ था?
(अ) अजातशत्रु (ब) अशोक
(स) कनिष्क (द) पुष्यमित्र शुंग
उत्तर -(स) कनिष्क

आशीष कुमार श्रीवास
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लेखन करते हैं)

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

हिन्दी साहित्य

1. "उज्ज्वल वरदान चेतना का सौंदर्य जिसे सब कहते हैं।" यह पंक्ति कामायनी के किस सर्ग से है?
(अ) श्रद्धा (ब) आशा
(स) लज्जा (द) आनंद
उत्तर - (स) लज्जा।

2. "कितना अनुभूतिपूर्ण था, उस क्षण का आलिंगन।" कथन किस रचना से है?
(अ) ध्रुव स्वामिनी
(ब) प्रेम योगिनी
(स) कर्पूर मंजरी
(द) नीलदेवी
उत्तर - (अ) ध्रुव स्वामिनी।

3. 'आखिरी कलाम' काव्य का प्रतिपाद्य विषय है?
(अ) प्रेमाख्यान
(ब) लोक संस्कृति
(स) युगबोध
(द) इस्लाम दर्शन
उत्तर - (द) इस्लाम दर्शन।

4. 'तद्भव' पत्रिका का प्रकाशन स्थल है?
(अ) भोपाल (ब) दिल्ली
(स) लखनऊ (द) अहमदाबाद
उत्तर - (स) लखनऊ।

5. 'अर्ध कथानक' किस भाषा की रचना है?
(अ) अवधी (ब) ब्रज
(स) बुंदेली (द) राजस्थानी
उत्तर - (ब) ब्रज।

6. इनमें से कौनसी दलित आत्मकथा नहीं है?
(अ) नागफनी (ब) जूठन
(स) अपनी खबर (द) मुर्दहिया
उत्तर - (स) अपनी खबर।

7. 'अनुमितिवाद' की अवधारणा किसकी है?
(अ) शंकुक (ब) रुद्रट
(स) भट्टनायक (द) विश्वनाथ
उत्तर - (अ) शंकुक।

8. जादुई मार्थयवाद के प्रतिस्थापक कौन हैं?
(अ) कीट्स (ब) देरिदा
(स) फ्रॉयड (द) बुअलो
उत्तर - (द) बुअलो।

9. 'व्योमकेश दरवेश' के लेखक कौन हैं?
(अ) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(ब) यशपाल
(स) रुद्र काशिकेय
(द) विश्वनाथ त्रिपाठी
उत्तर - (द) विश्वनाथ त्रिपाठी।

10. 'अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा' किस विधा से संबंधित रचना है?
(अ) उपन्यास (ब) रेखाचित्र
(स) यात्रा वृत्तांत (द) कहानी
उत्तर - (स) यात्रा वृत्तांत।

11. 'हिन्दी रीति ग्रंथों की परंपरा चिंतामणि त्रिपाठी से चली, अतः रीतिकाल का आरंभ उन्हीं से मानना चाहिए' किस इतिहासकार का कथन है?
(अ) रामचन्द्र शुक्ल
(ब) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(स) विश्वनाथ त्रिपाठी
(द) बच्चन सिंह
उत्तर - (अ) रामचन्द्र शुक्ल।

12. 'प्रेमचन्द और उनका युग' के लेखक हैं?
(अ) हंसराज रहबर
(ब) इन्द्रनाथ मदान
(स) नन्ददुलारे वाजपेयी
(द) रामविलास शर्मा
उत्तर - (द) रामविलास शर्मा।

13. भारत-भारती काव्य के रचनाकार हैं?
(अ) गोपालशरण सिंह नेपाली
(ब) नरेश मेहता
(स) मैथलीशरण गुप्त
(द) धर्मवीर भारती
उत्तर - (स) मैथलीशरण गुप्त।

14. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है?
(अ) पुष्पदंत, अददहमाण, स्वयंभू, हेमचन्द्र
(ब) अददहमाण, हेमचन्द्र, स्वयंभू, पुष्पदंत
(स) स्वयंभू, पुष्पदंत, अददहमाण, हेमचन्द्र
(द) हेमचन्द्र, स्वयंभू, पुष्पदंत, अददहमाण
उत्तर - (स) स्वयंभू, पुष्पदंत, अददहमाण, हेमचन्द्र।

15. 'कबीर की अपेक्षा खुसरो का ध्यान बोलचाल की भाषा की ओर अधिक था' किसका कथन है?
(अ) जार्ज ग्रियर्सन
(ब) मिश्रबंधु
(स) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(द) रामचन्द्र शुक्ल
उत्तर - (द) रामचन्द्र शुक्ल।

16. 'राग दरबारी' उपन्यास के लेखक हैं?
(अ) राही मसूम रजा
(ब) श्रीलाल शुक्ल
(स) हरिशंकर परसाई
(द) शरद जोशी
उत्तर - (ब) श्रीलाल शुक्ल।

17. जसोदा! कहा कहौं हो बात? तुम्हरे सुत के करतब मो पै कहे नहिं जात। इन काव्य पंक्तियों के रचयिता हैं?
(अ) सूरदास (ब) नंददास
(स) कृष्णदास (द) चतुर्भुज दास
उत्तर - (द) चतुर्भुज दास।

18. 'जनमेजय का नागयज्ञ' किसकी कृति है?
(अ) सेठ गोविंद दास
(ब) जयशंकर प्रसाद
(स) लक्ष्मी नारायण लाल
(द) गोविन्द वल्लभ पंत
उत्तर - (ब) जयशंकर प्रसाद।

19. महापंडित राहुल सांकृत्यायन ने इनमें से किस कवि को हिन्दी का पहला कवि माना है?
(अ) स्वयंभू (ब) सरहपाद
(स) पुष्पदंत (द) गोरखनाथ
उत्तर - (ब) सरहपाद।

20. 'कस्तूरी कुंडल बसै' किसकी आत्मकथा है?
(अ) शीला झुनझुनवाला
(ब) मैत्रेयी पुष्पा
(स) कुसुम अंचल
(द) गोपाल प्रसाद व्यास
उत्तर - (ब) मैत्रेयी पुष्पा।

21. विद्यापति की 'पदावली' की भाषा क्या है?
(अ) ब्रजभाषा (ब) मैथिली
(स) भोजपुरी (द) मगधी
उत्तर - (ब) मैथिली।

22. निम्नलिखित ग्रंथों में से किसके रचयिता तुलसीदास नहीं हैं?
(अ) वैराग्य संदीपनी
(ब) कृष्ण गीतावली
(स) हनुमत चरित
(द) पार्वती मंगल
उत्तर - (स) हनुमत चरित।

23. बाल चित्रण में कौनसे कवि श्रेष्ठ हैं?
(अ) रसखान (ब) मीराबाई
(स) सूरदास (द) कबीरदास
उत्तर - (स) सूरदास।

24. इनमें से कौनसा काव्य रामकथा पर आधारित है?
(अ) भूमिजा (ब) कामायनी
(स) नीरजा (द) यशोधरा
उत्तर - (अ) भूमिजा।

25. 'अतीत के चलचित्र' के रचयिता हैं?
(अ) जयशंकर प्रसाद
(ब) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
(स) महादेवी वर्मा
(द) सुमित्रानंदन पंत
उत्तर - (स) महादेवी वर्मा।

26. 'उक्ति-व्यक्ति प्रकरण' ग्रंथ का विषय है?
(अ) पुराण (ब) प्रेमकाव्य
(स) भक्ति काव्य (द) व्याकरण
उत्तर - (द) व्याकरण।

27. 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के रचयिता हैं?
(अ) सेठ गोविंद दास
(ब) भीष्म साहनी
(स) मोहन राकेश
(द) लक्ष्मी नारायण लाल
उत्तर - (स) मोहन राकेश।

28. 'कितने पाकिस्तान' नामक उपन्यास के लेखक हैं?
(अ) राजेन्द्र प्रसाद
(ब) कमलेश्वर
(स) सत्यप्रकाश मिश्र
(द) खुशवंत सिंह
उत्तर - (ब) कमलेश्वर।

29. 'हिन्दी प्रदीप' नामक पत्रिका के सम्पादक का नाम है?
(अ) राधाकृष्ण गोस्वामी
(ब) बालकृष्ण भट्ट
(स) अंबिकादत्त व्यास
(द) लाला भगवानदीन
उत्तर - (ब) बालकृष्ण भट्ट।

30. 'कर्मनाशा की हार' किसका कहानी संग्रह है?
(अ) धर्मवीर भारती
(ब) शिव प्रसाद सिंह
(स) मार्कण्डेय
(द) ज्ञानरंजन
उत्तर - (ब) शिव प्रसाद सिंह।

31. 'शुद्धाद्वैत सिद्धांत' के प्रतिपादक आचार्य कौन थे?
(अ) महपाचार्य
(ब) निम्बकाचार्य
(स) वल्लभाचार्य
(द) रामानंद
उत्तर - (स) वल्लभाचार्य।

32. 'आलोचक के मुख से' किस आलोचक के व्याख्यानों का संकलन है?
(अ) नन्ददुलारे वाजपेयी
(ब) रामस्वरूप चतुर्वेदी
(स) नामवर सिंह
(द) प्रभाकर श्रोत्रिय
उत्तर - (स) नामवर सिंह।

33. 'लोक नायक वही हो सकता है, जो समन्वय कर सके' यह कथन किसका है?
(अ) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(ब) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(स) डॉ. रामविलास शर्मा
(द) डॉ. विजयेन्द्र स्नातक
उत्तर - (ब) हजारी प्रसाद द्विवेदी।

34. 'नूतन ब्रह्मचारी' उपन्यास के रचनाकार हैं?
(अ) राधाकृष्ण दास
(ब) ठाकुर जगमोहन सिंह
(स) बालकृष्ण भट्ट
(द) लज्जाराम मेहता
उत्तर - (स) बालकृष्ण भट्ट।

35. 'लाल पसीना' उपन्यास के लेखक हैं?
(अ) रामदेव धुरंधर
(ब) अभिमन्यु अनंत
(स) हेमराज सुन्दर
(द) अनन्त गोपाल शेवड़े
उत्तर - (ब) अभिमन्यु अनंत।

36. इनमें से कौनसी रचना पर ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ है?
(अ) कामायनी (ब) दीपशिखा
(स) चिदम्बरा (द) अनामिका
उत्तर - (स) चिदम्बरा।

37. राधावल्लभ संप्रदाय के आचार्य हैं?
(अ) रामानुजाचार्य
(ब) गोस्वामी हितहरिवंश
(स) वल्लभाचार्य
(द) शंकराचार्य
उत्तर - (ब) गोस्वामी हितहरिवंश।

38. 'सत्य के प्रयोग' किसकी आत्मकथा है?
(अ) जवाहरलाल नेहरू
(ब) राजेन्द्र प्रसाद
(स) महात्मा गांधी
(द) काका कालेलकर
उत्तर - (स) महात्मा गांधी।

39. आदिकाल के निम्नलिखित रचनाकारों का सही अनुक्रम क्या है?
(अ) गोरखनाथ, अमीर खुसरो, विद्यापति, सरहपा
(ब) अमीर खुसरो, विद्यापति, सरहपा, गोरखनाथ
(स) सरहपा, गोरखनाथ, अमीर खुसरो, विद्यापति
(द) विद्यापति, सरहपा, गोरखनाथ, अमीर खुसरो
उत्तर - (स) सरहपा, गोरखनाथ, अमीर खुसरो, विद्यापति।

40. एही रूप सकती औ सीऊं। एही रूप-त्रिभुवन कर जीऊं। यह काव्य पंक्तियां किस कवि की हैं?
(अ) मंझन
(ब) तुलसीदास
(स) हृदयनाथ
(द) कुतुबन
उत्तर - (अ) मंझन।

41. हिन्दी के पहले आत्मकथा लेखक कौन हैं?
(अ) वियोगी हरि
(ब) बनारसीदास जैन
(स) बनारसीदास चतुर्वेदी
(द) उपेन्द्रनाथ अश्क
उत्तर - (ब) बनारसीदास जैन।

42. महादेवी वर्मा ने अपने समकालीन साहित्यकारों के संस्मरण किस पुस्तक में लिखे हैं?
(अ) संस्मरण
(ब) रेखाचित्र
(स) पथ के साथी
(द) अतीत के चलचित्र
उत्तर - (स) पथ के साथी।

43. इनमें से कौनसी महिला कथाकार हिन्दी की नहीं हैं?
(अ) कृष्णा सोवती
(ब) राजीसेठ
(स) मधु कंकरिया
(द) महाश्वेता देवी
उत्तर - (द) महाश्वेता देवी।

44. 'ग्यारह वर्ष का समय' किस प्रसिद्ध लेखक की कहानी है?
(अ) प्रेमचंद
(ब) जयशंकर प्रसाद
(स) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(द) रामचन्द्र शुक्ल
उत्तर - (द) रामचन्द्र शुक्ल।

45. प्रकाशन वर्ष के अनुसार जयशंकर प्रसाद की कहानियों का सही अनुक्रम है?
(अ) प्रतिध्वनि, आकाशदीप, आंधी, इन्द्रजाल
(ब) आकाशदीप, प्रतिध्वनि, इन्द्रजाल, आंधी
(स) आंधी, इन्द्रजाल, आकाशदीप, प्रतिध्वनि
(द) प्रतिध्वनि, इन्द्रजाल, आकाशदीप, आंधी
उत्तर - (अ) प्रतिध्वनि, आकाशदीप, आंधी, इन्द्रजाल।

46. 'विज्ञान गीता' किस आचार्य कवि की कृति है?
(अ) केशवदास (ब) भिखारीदास
(स) पद्माकर (द) सेनापति
उत्तर - (अ) केशवदास।

47. शब्द में जहां मूल अर्थ नहीं, बल्कि उसका व्यंग्यार्थ अभिप्रेत होता है, वहां कौनसी शब्द शक्ति होती है?
(अ) अमिधा (ब) लक्षणा
(स) व्यंजना (द) ये सभी
उत्तर - (स) व्यंजना शब्द शक्ति।

48. जयशंकर प्रसाद कृत 'उर्वसी' किस विधा की रचना है?
(अ) गीति काव्य (ब) प्रगीत
(स) नाटक (द) चम्पू काव्य
उत्तर - (द) चम्पू काव्य।

49. 'पहले मैं सन्नाटा बुनता हूँ' किसकी पंक्ति है?
(अ) सच्चिदानंद वात्स्यायन अज्ञेय
(ब) नागार्जुन
(स) रामकुमार वर्मा
(द) शमशेर बहादुर सिंह
उत्तर - (अ) सच्चिदानंद वात्स्यायन अज्ञेय।

50. इनमें से आंचलिक उपन्यासकार कौन हैं?
(अ) इलाचन्द्र जोशी
(ब) हिमांशु जोशी
(स) फणीश्वरनाथ रेणु
(द) अमृत राय
उत्तर - (स) फणीश्वरनाथ रेणु।

51. प्रेमचन्द के किस उपन्यास में हरिजन समस्या का चित्रण है?
(अ) सेवासदन (ब) कर्मभूमि
(स) रंगभूमि (द) गोदान
उत्तर - (ब) कर्मभूमि।

- डॉ. राम मनोहर उपाध्याय
(लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के जनसंचार विभाग में अतिथि शिक्षक हैं।)

मतदान दलों और निर्वाचन में लगे अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्रिकॉशन डोज

भोपाल, मध्यप्रदेश में पंचायत और नगरीय निकाय के चुनाव में मतदान दलों और निर्वाचन कार्यों से जुड़े अधिकारी-कर्मचारियों को कोविड-19 वैक्सीन की प्रिकॉशन डोज लगाई जायेगी। कोविड-19 प्रिकॉशन डोज लगाने की मंजूरी लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी के प्रस्ताव पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने दी। शत-प्रतिशत कोविड-19 वैक्सीनेशन की राष्ट्रीय समीक्षा में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी वर्चुअली शामिल हुए थे।

स्वास्थ्य मंत्री के प्रस्ताव पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मांडविया ने तत्काल स्वीकृति प्रदान करते हुए कहा कि आज से ही प्रिकॉशन डोज देना शुरू कर दें। स्वास्थ्य मंत्री ने एम.डी. एनएचएम श्रीमती प्रियंका दास को कहा कि समस्त कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को पंचायत एवं नगरीय निकाय चुनाव के मतदान दलों और निर्वाचन से जुड़े अन्य अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्रिकॉशन डोज लगवाने के लिये कहें। उन्होंने कहा कि मतदान दलों और अन्य कर्मचारियों के प्रशिक्षण सत्र स्थल पर कोविड-19 प्रिकॉशन डोज लगाने के लिये विशेष सत्रों का आयोजन किया जाये। साथ ही जिन अधिकारी एवं कर्मचारियों की पंचायत एवं नगरीय निकाय चुनाव में ड्यूटी है, वे ड्यूटी आदेश की जानकारी देकर प्रिकॉशन डोज लगवाना सुनिश्चित करें।

खेल चर्चा

चोट के कारण राष्ट्रमंडल खेलों से हटीं मैरीकॉम

नई दिल्ली, भारत की स्टार मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम इस वर्ष आयोजित होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में खेलती हुई नजर नहीं आयेंगी। मैरीकॉम को पैर में चोट लगने की वजह से राष्ट्रमंडल खेलों के ट्रायल से हटना पड़ा है। मैरीकॉम नई दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों के ट्रायल में महिलाओं की 48 किलोग्राम भारवर्ग स्पर्धा के फाइनल में पहुंची थीं। मैरीकॉम फाइनल मैच के पहले राउंड में चोटिल होकर रिंग में गिर गईं। मैरीकॉम ने चोटिल होने के बावजूद लड़ने की हिम्मत दिखाई, लेकिन चोट के चलते उन्हें रिंग से बाहर जाना पड़ा। मैरीकॉम के हटने के बाद नीतू को कॉमनवेल्थ का टिकट मिल गया है।

विम्बलडन में खिलाड़ियों की इनामी राशि में वृद्धि

लंदन, विम्बलडन टेनिस चैंपियनशिप का आयोजन कराने वाली संस्था ऑल इंग्लैंड क्लब ने विम्बलडन में खिलाड़ियों की इनामी राशि बढ़ाने का फैसला किया है। ऑल इंग्लैंड क्लब ने बताया कि विम्बलडन की इनामी राशि को बढ़ाकर 40.3 मिलियन पाउंड (लगभग 393 करोड़ रुपये) किया गया है। पहले यह इनामी राशि 35 मिलियन पाउंड थी। आयोजकों के अनुसार इस वार विम्बलडन में पुरुष और महिला एकल विजेताओं को दो-दो मिलियन पाउंड (लगभग 19.50 करोड़ रुपये) दिये जायेंगे।

एंजेलो मैथ्यूज आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने श्रीलंका के ऑलराउंडर एंजेलो मैथ्यूज को मई माह के लिये पुरुष वर्ग में आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिये चुना है। मैथ्यूज यह अवॉर्ड हासिल करने वाले पहले श्रीलंकाई क्रिकेटर बन गये हैं। मैथ्यूज ने मई, 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुये तीन पारियों में 344 रन बनाये और श्रीलंका की सीरीज जीतने में अहम भूमिका निभाई। मई माह में आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिये मैथ्यूज के अलावा श्रीलंका के असिता फर्नांडो और बांग्लादेश के मुश्फिकुर रहीम को भी नामांकित किया गया था। महिला वर्ग में प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड पाकिस्तान की लेग स्पिनर तुवा हसन ने जीता है। तुवा ने श्रीलंका के खिलाफ ट्वेंटी-20 सीरीज में पदार्पण करते हुये तीन मैचों में 5 विकेट लिये थे।

स्केटिंग यूनियन ने फिगर स्केटिंग की न्यूनतम उम्र बढ़ाई

लुसाने, इंटरनेशनल स्केटिंग यूनियन (आईएसयू) ने फिगर स्केटिंग की न्यूनतम उम्र को 15 से बढ़ाकर 17 वर्ष कर दिया है। आईएसयू ने कहा कि एथलीट का शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य जरूरी है। वर्ष 2026 में इटली में आयोजित होने वाले विंटर ओलिंपिक में फिगर स्केटर्स की न्यूनतम उम्र 17 वर्ष रहेगी। आईएसयू ने कहा कि छोटी उम्र में वैश्विक स्तर पर खेलने के दबाव में खिलाड़ी डोपिंग की चपेट में आ जाते हैं। छोटी उम्र में डोपिंग के अनुभव खिलाड़ी के जीवन में गहरा प्रभाव छोड़ते हैं। यह एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण फैसला है। उल्लेखनीय है कि विंटर ओलिंपिक-2022 में 15 वर्ष की रूसी एथलीट कामिला वालिवा डोप टेस्ट में विफल रही थीं, इसके बावजूद उन्हें विंटर ओलिंपिक में हिस्सा लेने दिया गया।

एएफसी एशियन कप

भारत ने किया क्वालिफाई

कोलकाता, भारतीय फुटबॉल टीम ने अगले वर्ष आयोजित होने वाले एएफसी एशियन कप के लिये क्वालिफाई कर लिया है। भारतीय फुटबॉल इतिहास में यह पहला मौका है, जब भारतीय टीम ने लगातार दूसरी बार एएफसी एशियन कप में जगह बनाई है। भारत ने एशियन कप क्वालिफाई राउंड-3 में अपने ग्रुप में टॉप रहते हुये एशियन कप का टिकट कटाया।

भारत ने ग्रुप स्टेज में पहले मैच में कंबोडिया को 2-0 से हराया, वहीं दूसरे मैच में अफगानिस्तान को 2-1 से मात दी। ग्रुप के तीसरे मैच में भारत का सामना हांगकांग से हुआ। मैच से पहले भारत और हांगकांग के 6-6 अंक थे। इस मैच में भारत ने हांगकांग को 4-0 से हराया। मैच में भारत के लिये पहला गोल अनवर अली ने किया। अनवर ने मैच के पहले मिनट में शानदार फील्ड गोल किया। इसके बाद कप्तान सुनील छेत्री ने पहले हाफ के अतिरिक्त समय में गोल कर भारत की बढ़त दो गुना कर दी। मैच के दूसरे हाफ में भी भारतीय टीम ने हांगकांग पर दबाव बनाये रखा। मैच के 85वें मिनट में मानवीर के बेहतरीन गोल के दम पर भारत ने स्कोर 3-0 कर दिया। मैच का अंतिम गोल ईशान पंडित ने अतिरिक्त समय (90+3 मिनट) में गोल कर भारत को बड़ी जीत दिलाई। भारत के हाथों करारी हार का सामना करने के बावजूद हांगकांग की टीम एशियन कप में क्वालिफाई करने में सफल रही। भारत और हांगकांग के अलावा जॉर्डन, इंडोनेशिया, फिलिस्तीन, उज्बेकिस्तान, थाईलैंड, बहरीन, मलेशिया, ताजिकिस्तान और किर्गिस्तान ने भी एशियन कप के लिये क्वालिफाई किया है।

- भारत ने वर्ष 1964, 1984, 2011 और 2019 में भी एशियन कप के लिये क्वालिफाई किया है।
- भारत वर्ष 1964 में एशियन कप का उपविजेता भी रह चुका है।
- सुनील छेत्री ने अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल में सबसे ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय गोल दागने के मामले में फ्रैंक पुस्कस की बराबरी की है।
- छेत्री और पुस्कस 84-84 गोल दागकर सबसे ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय गोल करने के मामले में संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर हैं।

एएफसी एशियन कप-2023 में 24 टीमें हिस्सा लेंगी। इनमें से 13 टीमें पहले ही क्वालिफाई कर चुकी हैं। एशियन कप-2023 की मेजबानी चीन को करनी थी, लेकिन चीन ने कोरोना महामारी के कारण मेजबानी छोड़ दी है। नये मेजबान का फैसला अभी नहीं हुआ है।

ग्रैंडमास्टर प्रगाननंदा ने जीता नॉर्वे शतरंज ओपन

ओस्लो, भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर. प्रगाननंदा ने नॉर्वे शतरंज ओपन का खिताब अपने नाम किया है। प्रगाननंदा ने नौ दौर के मुकाबले में 7.5 अंक अर्जित कर जीत दर्ज की। 16 वर्षीय प्रगाननंदा पूरे टूर्नामेंट के दौरान एक भी मैच नहीं हारे। प्रगाननंदा ने दूसरे स्थान पर काबिज इजराइल के मार्सेल एफ्रोइम्स्की और स्वीडन के जंग मिन सेओ से एक अंक ज्यादा अर्जित किया। प्रगाननंदा ने टूर्नामेंट के दौरान माथियास उननेलैंड, सेमेन मुतुसोव, वी प्रणीत, मुखमद जोखिदसुयारोव, विटाली कुनिन और विक्टर मिखलेवस्की को शिकस्त दी, वहीं तीन मुकाबले ड्रॉ खेले।

मैक्स वर्स्टापेन ने जीती अजरबेजान ग्रांप्री रेस

बाकू, मौजूदा फॉर्मूला-वन चैंपियन मैक्स वर्स्टापेन ने अपना शानदार प्रदर्शन अजरबेजान ग्रांप्री में भी जारी रखा है। वर्स्टापेन ने अजरबेजान ग्रांप्री फॉर्मूला-वन रेस अपने नाम की है। वर्स्टापेन ने 51 लैप की इस रेस को एक घंटा 34 मिनट 05.941 सेकेंड में पूरी की। रेस में वर्स्टापेन के टीम साथी सर्जियो पेरेज दूसरे, जॉर्ज रसेल तीसरे, लुईस हैमिल्टन चौथे तथा पियरे गेस्ली पांचवें स्थान पर रहे। अजरबेजान ग्रांप्री की शुरुआत में फेरारी टीम के चार्ल्स लेकलर्क ने रेस में बढ़त बनाई थी, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण उन्हें रेस से हटना पड़ा।

आयरलैंड दौरे के लिये भारतीय टीम घोषित

मुंबई, आयरलैंड के खिलाफ 26 जून से शुरू होने वाली दो मैचों की ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज के लिये टीम इंडिया का ऐलान हो गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 17 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। इस टीम का चयन अखिल भारतीय चयन समिति ने किया है। नियमित कप्तान रोहित शर्मा और उपकप्तान के.एल. राहुल की अनुपस्थिति में हार्दिक पांड्या को टीम की कप्तानी सौंपी गई है।

आयरलैंड के दौरे के लिये चुनी गई इस टीम में बाकी वही नाम हैं, जिन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ ट्वेंटी-20 सीरीज में हिस्सा लिया है। हालांकि इसमें ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर को जगह नहीं मिली है, क्योंकि वे इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच का हिस्सा होंगे। ऐसे में संजू सैमसन और राहुल त्रिपाठी को चुना गया है। इसके अलावा मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव की वापसी हो गई है, जो आईपीएल-2022 के दौरान चोटिल हो गये थे।

हार्दिक पांड्या को कप्तानी की जिम्मेदारी मिली है, जबकि उपकप्तान भुवनेश्वर कुमार हैं। भुवनेश्वर कुमार सबसे

सीनियर खिलाड़ी हैं और दिनेश कार्तिक भी सीनियर खिलाड़ियों में शामिल हैं, लेकिन हार्दिक पांड्या को इसलिये टीम का कप्तान बनाया गया है, क्योंकि उन्होंने अपनी कप्तानी में गुजरात टाइटंस को आईपीएल का खिताब दिलाया है।

भारतीय टीम- हार्दिक पांड्या (कप्तान), भुवनेश्वर कुमार (उपकप्तान), ईशान किशान, ऋतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन, सूर्यकुमार यादव, वेंकटेश अय्यर, दीपक हुड्डा, राहुल त्रिपाठी, दिनेश कार्तिक (विकेट कीपर), युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, हर्षल पटेल, आवेश खान, अर्शदीप सिंह और उमरान मलिक।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स

मध्यप्रदेश ने मलखंभ में जीती ओवरऑल चैंपियन ट्रॉफी

पंचकुला, हरियाणा में खेले जा रहे खेलो इंडिया यूथ गेम्स में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन कर ओवरऑल ट्रॉफी अपने नाम कर ली है। इस वर्ष खेलो इंडिया गेम्स में देशज खेलों के साथ पहली बार मलखंभ को भी जोड़ा गया है। मध्यप्रदेश की टीम ने मलखंभ में 5 स्वर्ण, 5 रजत और दो कांस्य पदक सहित कुल 12 पदक जीत कर ओवरऑल चैंपियन बनी है।

खेलो इंडिया में मध्यप्रदेश की बालिका टीम को ओवरऑल परफार्मेन्स के लिए स्वर्ण पदक तथा बालकों को रजत पदक मिला है। मध्यप्रदेश के पंकज गारगामा ने सबसे अधिक तीन स्वर्ण पदक जीते हैं। पंकज ने हैगिंग, रोप मलखंब में एक-एक स्वर्ण और ओवरऑल में एक स्वर्ण पदक हासिल किया। इसके अतिरिक्त सिद्धि गुप्ता ने पोल मलखंभ में स्वर्ण पदक, प्रणव कोरी ने पोल मलखंभ में रजत पदक तथा इंद्रजीत नागर ने रोप और हैगिंग मलखंभ में एक-एक रजत तथा ऑलराउंड में कांस्य पदक हासिल किया है। मध्यप्रदेश टीम की हर्षिता कनाडकर ने पोल मलखंभ में स्वर्ण पदक तथा रोप मलखंभ में कांस्य पदक जीता है।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने सभी खिलाड़ियों को ओवरऑल चैंपियन बनने की बधाई दी है। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स में हमारे खिलाड़ियों ने देशज खेल में 12 पदक हासिल कर प्रदेश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने वर्ष 2013 में पारंपरिक खेल मलखंभ को राज्य खेल घोषित करने पर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का आभार व्यक्त किया है। श्रीमती सिंधिया ने कहा कि प्रदेश में 11 फीडर सेंटर संचालित हैं। खेलो इंडिया गेम्स में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने महाराष्ट्र को हराकर अपना परचम लहराया है।

इस वर्ष खेलो इंडिया यूथ गेम्स में हरियाणा ने 52 स्वर्ण, 39 रजत और 46 कांस्य सहित सर्वाधिक 137 पदक अपने नाम किये हैं।

पावो नुरमी गेम्स

नीरज चोपड़ा ने बनाया नया राष्ट्रीय कीर्तिमान

फिनलैंड, टोक्यो ओलिंपिक में भाला फेंककर भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने एक नया कारनामा कर दिया है। नीरज ने फिनलैंड में पावो नुरमी गेम्स में अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। नीरज ने खेल के दौरान 89.30 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो का प्रदर्शन किया। इसके साथ उन्होंने अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार कर रजत पदक जीत लिया। इससे पहले, नीरज ने टोक्यो ओलिंपिक के दौरान 87.58 मीटर का थ्रो कर ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता था।

टोक्यो ओलिंपिक में खेलने के बाद जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा का पहला टूर्नामेंट है और वह पहली बार फील्ड में उतरे। इस दौरान नीरज का सामना दिग्गज जेवलिन थ्रोअर्स से होना था। इसमें पूर्व चैंपियन जोहानेस वेटर और वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स शामिल हैं। पीटर्स ने हाल ही में अपना पर्सनल बेस्ट सुधारा था और

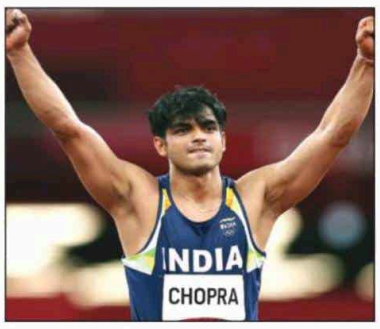

डायमंड लीग में 93.07 मीटर जैवलिन थ्रो किया था।

नीरज का यह 10 महीने के बाद पहला टूर्नामेंट था और उन्होंने दूसरे प्रयास में 89.30 का थ्रो किया जो कि अब उनका निजी सर्वश्रेष्ठ थ्रो बन गया है। उन्होंने पहले प्रयास में 86.92 मीटर थ्रो किया था। नीरज के तीसरे, चौथे और पांचवें प्रयास अमान्य रहे। नीरज ने अपने आखिरी प्रयास में 85.85 मीटर के थ्रो के साथ समापन किया।

नीरज ने भले ही अपना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा, लेकिन वह फिनलैंड के ओलिवियर हेलांडेर से पीछे रहकर दूसरे स्थान पर रहे, जिससे उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। हेलांडेर ने 89.93 मीटर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। नीरज चोपड़ा ने इससे पहले 88.07 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड पिछले साल मार्च में पटियाला में बनाया था।

वर्ल्ड एथेलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर में पावो नुरमी एक गोल्ड इवेंट है। ये डायमंड लीग के बाद सबसे बड़ी ट्रैक-एंड-फील्ड प्रतियोगिताओं में से एक है। नीरज 30 जून को 'स्टाकहोम लेग ऑफ द डायमंड लीग' में भाग लेंगे। पिछले महीने फिनलैंड में स्थानांतरित होने से पहले उन्होंने यूएसए और तुर्की में प्रशिक्षण लिया था। अगले साल होने वाले वर्ल्ड एथेलेटिक्स चैंपियनशिप और कॉमनवेल्थ खेलों में भी नीरज चोपड़ा से बड़ी उम्मीद है।

बीसीसीआई ने पूर्व क्रिकेटरों की पेंशन में की वृद्धि

मुंबई, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पूर्व क्रिकेटरों और अंपायरों की मासिक पेंशन में बढ़ोत्तरी करने की घोषणा की है। बीसीसीआई ने कहा कि ऐसे पूर्व क्रिकेटर जिन्होंने 50 से 74 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं और वर्ष 2003 से पूर्व संन्यास लिया है, उन्हें 15 हजार रुपये की जगह 30 हजार रुपये पेंशन मिलेगी।

वहीं ऐसे क्रिकेटर जिन्होंने 75 से ज्यादा प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं, उन्हें 22,500 रुपये की जगह 45 हजार रुपये पेंशन मिलेगी। 37,500 रुपये की पेंशन पाने वाले पूर्व टेस्ट क्रिकेटरों को अब 60 हजार रुपये तथा 50 हजार रुपये पेंशन पाने वाले पूर्व टेस्ट क्रिकेटरों को अब 70 हजार रुपये मिलेंगे। पूर्व अंतर्राष्ट्रीय महिला क्रिकेटरों की पेंशन भी 30 हजार रुपये से बढ़ाकर 52,500 रुपये की गई है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

तुर्किये को नाटो प्रमुख का समर्थन मिला

नाटो की सदस्यता के लिए तुर्किये की आपत्तियों को सैन्य संगठन के प्रमुख जेंस स्टोल्टेनबर्ग का समर्थन मिला है। पिछले दिनों फिनलैंड की राजधानी हेलसिंकी पहुंचे नाटो महासचिव स्टोल्टेनबर्ग ने तुर्किये की कुर्द विद्रोहियों को लेकर चिंताओं को उचित माना। तुर्किये ने कुर्द विद्रोहियों का समर्थन करने के कारण फिनलैंड और स्वीडन की नाटो में सदस्यता के आवेदन को स्वीकृति नहीं दी है। इससे अमेरिका की इच्छा के बावजूद दोनों देशों की सदस्यता का मसला लटक गया है।

काला सागर के किनारे स्थित तुर्किये यूरोप और अरब के बीच है। युद्ध के दौरान तुर्किये ने यूक्रेन की भी काफी मदद की है। हमें ध्यान में रखना चाहिए कि किसी भी नाटो सदस्य ने तुर्किये से ज्यादा आतंकी हमले नहीं झेले हैं।

स्टोल्टेनबर्ग ने संकेत दिया कि नाटो की सदस्यता के लिए समर्थन देने के लिए वार्ता जारी है।

पुणे में जगद्गुरु श्रीसंत तुकाराम महाराज शिला मंदिर का उद्घाटन

महान संत परम्पराओं से ही प्रेरित है सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देहू, पुणे में जगद्गुरु श्रीसंत तुकाराम महाराज मंदिर का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने शास्त्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि संतों का सत्संग मानव जीवन का दुर्लभतम सौभाग्य है। यदि संतों की कृपा मिल जाए तो ईश्वर की प्राप्ति स्वतः ही हो जाती है। उन्होंने कहा, देहू का शिला मंदिर न केवल भक्ति की शक्ति का केंद्र है, बल्कि भारत के सांस्कृतिक भविष्य का मार्ग भी प्रशस्त करता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक होना गर्व की बात है। उन्होंने कहा, यदि इसका श्रेय किसी को जाता है तो यह भारत की संत परम्परा और यहां के ऋषियों को जाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत शाश्वत है, क्योंकि यह संतों की भूमि है। हर युग में, हमारे देश और समाज को कुछ महान विभूतियां मार्गदर्शन देती रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि संत तुकाराम जी की दया, करुणा और सेवा उनके 'अभंग' के रूप में आज भी हमारे साथ है। ये अभंग हमें पीढ़ियों से प्रेरणा दे रहे हैं। उन्होंने कहा, जो लुप्त नहीं होता, समय के साथ शाश्वत और प्रासंगिक रहता है, वहीं अभंग है। प्रधानमंत्री ने कहा, आज भी जब देश अपने

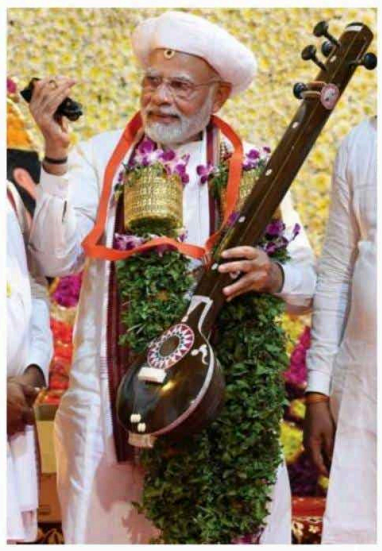

सांस्कृतिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ रहा है, संत तुकाराम के अभंग हमें ऊर्जा दे रहे हैं। प्रधानमंत्री ने मानव के बीच भेदभाव को खत्म करने वाले उपदेशों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि ये उपदेश देश और समाज की भक्ति के समान हैं, क्योंकि वे आध्यात्मिक भक्ति के लिए हैं। उन्होंने कहा कि यह संदेश वारकरी भक्तों की वार्षिक पंढरपुर यात्रा में रेखांकित होता है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास ऐसी ही महान परम्पराओं से प्रेरित है। उन्होंने लैंगिक समानता और अंत्योदय की भावना का उल्लेख करते हुए कहा कि ये वारकरी परम्परा से प्रेरित हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, दलित, वंचित, पिछड़ों, आदिवासियों, मजदूरों का कल्याण देश की पहली प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री ने तुकाराम महाराज जैसे संतों को छत्रपति शिवाजी महाराज जैसे राष्ट्रीय नायकों के जीवन में बेहद अहम भूमिका निभाने का श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि संत तुकाराम ने एक अलग दौर में देश के भीतर जोश और ऊर्जा का संचार किया था। उन्होंने यह भी कहा कि पंढरपुर, जगन्नाथ, मथुरा में ब्रज परिक्रमा या काशी पंचकोसी परिक्रमा, चार धाम या अमरनाथ यात्रा जैसे कई धार्मिक तीर्थों ने हमारे राष्ट्र की विविधता को एकता के सूत्र में पिरोया है और एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना का निर्माण किया है।

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि हमारे राष्ट्र की एकता को मजबूत बनाए रखने के लिए हमारी प्राचीन पहचान और परम्पराओं को जीवित रखने का दायित्व हमारा है। उन्होंने कहा कि इसीलिए, आज जब आधुनिक प्रौद्योगिकी और इन्फ्रास्ट्रक्चर भारत के विकास का पर्याय बन रहे हैं, हम सुनिश्चित कर रहे हैं कि विकास और विरासत दोनों एक साथ आगे बढ़ें। उन्होंने पालकी यात्रा का आधुनिकीकरण, चार धाम यात्रा के लिए नए राजमार्गों, अयोध्या में भव्य राम मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम का पुनर्निर्माण और सोमनाथ में विकास कार्य के उदाहरण गिनाकर अपनी बात को स्पष्ट किया। उन्होंने यह भी बताया कि प्रसाद योजना के अंतर्गत तीर्थ स्थलों का विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रामायण सर्किट और बाबा साहेब के पंच तीर्थ का विकास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यदि हर किसी के प्रयास सही दिशा में हो तो सबसे ज्यादा कठिन समस्याओं का हल भी निकाला जा सकता है। उन्होंने कहा कि आज स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में देश कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से 100 प्रतिशत सशक्तिकरण की दिशा में बढ़ रहा है। गरीबों को इन योजनाओं के माध्यम से बुनियादी आवश्यकताओं के साथ जोड़ा जा रहा है। उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान में हर किसी भी भागीदारी और जीवन के हर क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लेने का भी आह्वान किया। उन्होंने इन राष्ट्रीय संकल्पों को अपने आध्यात्मिक संकल्पों का हिस्सा बनाने के लिए भी कहा। उन्होंने उपस्थित लोगों से प्राकृतिक कृषि को प्रोत्साहन देने और योग को लोकप्रिय बनाने एवं योग दिवस मनाने के लिए भी कहा।

पहली बार अंटार्कटिक की बर्फ में मिला माइक्रोप्लास्टिक

प्लास्टिक की समस्या वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ती जा रही है। इस समस्या से लड़ने के लिए दुनिया के कई

- **शोधकर्ताओं ने प्रति लीटर पिघली हुई बर्फ में औसतन 29 माइक्रोप्लास्टिक कण पाए जो कि आसपास के सागर और अंटार्कटिक समुद्री बर्फ में पहले बताई गई समुद्री सांद्रता से अधिक हैं।**

देश प्रयासरत हैं, लेकिन सफलता मिलती नहीं दिख रही है। इस कड़ी में एक और चिंताजनक बात सामने आई है। वैज्ञानिकों को पहली बार अंटार्कटिक की ताजा बर्फ में माइक्रोप्लास्टिक मिला है। उन्होंने आशंका जताई है कि इससे बर्फ के पिघलने की रफ्तार बढ़ सकती है, जिस वजह से जलवायु पर असर पड़ेगा। हाल ही में द क्रायोस्फीयर जर्नल में प्रकाशित इक अध्ययन के निष्कर्षों ने अंटार्कटिक क्षेत्र में गंभीर खतरे पर प्रकाश डाला है। ज्ञात रहे कि माइक्रोप्लास्टिक चावल के दानों से भी छोटे प्लास्टिक के टुकड़े होते हैं।

दूरस्थ क्षेत्रों में प्लास्टिक की

मौजूदगी से शोधकर्ता भी हैरत में हैं। जानकारों के अनुसार - अंटार्कटिक की ताजा बर्फ में माइक्रोप्लास्टिक मिलना अविश्वसनीय रूप से दुखद है। यह स्थिति इस पर प्रकाश भी डालती है कि दुनिया के ज्यादातर दूरस्थ क्षेत्रों में प्लास्टिक प्रदूषण पहुंच चुका है।

शोधकर्ताओं के मुताबिक, हवा में व्यापक पैमाने पर मौजूद माइक्रोप्लास्टिक से बर्फ के पिघलने की रफ्तार में तेजी आने से जलवायु प्रभावित होती है। पीएचडी की छात्रा एलेक्स ने प्लास्टिक कणों के प्रकाश की पहचान करने के लिए एक रासायनिक विश्लेषण तकनीक का उपयोग करके बर्फ के नमूनों का विश्लेषण किया। प्लास्टिक कणों के रंग, आकार और आकृति की पहचान करने के लिए उन्हें माइक्रोस्कोप के जरिये भी देखा गया।

संयुक्त राष्ट्र महासभा

बहुभाषावाद पर संकल्प, हिंदी का किया गया उल्लेख

एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने बहुभाषावाद पर भारत प्रायोजित एक प्रस्ताव को

- **पिछले दिनों पारित प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र को हिंदी भाषा सहित आधिकारिक और गैर आधिकारिक भाषाओं में महत्वपूर्ण संचार और संदेशों का प्रसार जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करता है।**
- **भारत 2018 से संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक संचार विभाग (डीजीसी) के साथ साझेदारी कर रहा है। हिन्दी भाषा में समाचार और मल्टीमीडिया सामग्री को मुख्यधारा और समेकित करने के लिए अतिरिक्त बजटीय योगदान प्रदान कर रहा है।**

अपनाया है, जिसमें पहली बार हिन्दी भाषा का उल्लेख किया गया है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि और राजदूत टीएस तिरुमूर्ति ने कहा कि इस साल पहली बार प्रस्ताव में हिंदी भाषा का उल्लेख है। इस प्रस्ताव में पहली बार बांग्ला और उर्दू का भी उल्लेख है। हम अतिरिक्त परिवर्तन का स्वागत करते हैं। तिरुमूर्ति ने कहा कि बहुभाषावाद को संयुक्त राष्ट्र के मूल मूल्य के रूप में मान्यता प्राप्त है। उन्होंने बहुभाषावाद को प्राथमिकता देने के लिए महासचिव का आभार व्यक्त किया।

इन प्रयासों के हिस्से के रूप में हिंदी @ यूएन परियोजना 2018 में शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य हिंदी भाषा में संयुक्त राष्ट्र की सार्वजनिक पहुंच को बढ़ाना और दुनिया भर में करोड़ों हिंदी भाषी आबादी के बीच वैश्विक मुद्दों के बारे में अधिक जागरूकता फैलाना था। भारतीय दूत ने कहा कि इस संदर्भ में एक फरवरी 1946 को अपने पहले सत्र में अपनाए गए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) के प्रस्ताव 13(1) को याद करना चाहूंगा, जिसमें कहा गया था कि संयुक्त राष्ट्र अपने उद्देश्यों को तब तक प्राप्त नहीं कर सकता जब तक कि दुनिया के लोगों को इसके उद्देश्यों और गतिविधियों के बारे में पूरी जानकारी नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि यह जरूरी है कि संयुक्त राष्ट्र में बहुभाषावाद को सही मायने में अपनाया जाए और भारत इस उद्देश्य को प्राप्त करने में संयुक्त राष्ट्र का समर्थन करेगा।

ईसीओएसओसी के सदस्य चुने गए 17 देश

सत्रह देशों को संयुक्त राष्ट्र की आर्थिक एवं सामाजिक परिषद (ईसीओएसओसी) के लिए चुना गया है। चुने गए इन देशों का कार्यकाल तीन साल होगा। जिन देशों को ईसीओएसओसी के लिए चुना गया है, उनमें अफ्रीकी देशों से बोत्सवाना, केप वर्डे, कैमरून, इक्वेटोरियल गिनी, एशिया-प्रशांत देशों से चीन, लाओस, कतर, दक्षिण कोरिया, लैटिन अमेरिका और कैरिबियाई देशों से ब्राजील, कोलंबिया, कोस्टा रिका, पश्चिमी यूरोपीय और अन्य देशों में डेनमार्क, यूनान, न्यूजीलैंड, स्वीडन, पूर्वी यूरोपीय देशों से स्लोवाकिया और स्लोवेनिया शामिल हैं।

'अग्निपथ' योजना को केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारतीय युवाओं के लिए सशस्त्र बलों में सेवा के लिए एक आकर्षक भर्ती योजना को मंजूरी दी। इस योजना को 'अग्निपथ' कहा जाता है और इस योजना के तहत चुने गए युवाओं को अग्निवीर कहा जाएगा। अग्निपथ देशभक्त और प्रेरित युवाओं को चार साल की अवधि के लिए सशस्त्र बलों में सेवा करने की अनुमति देता है।

अग्निपथ योजना सशस्त्र बलों के युवा प्रोफाइल को सक्षम करने के लिए डिजाइन की गई है। यह उन युवाओं को अवसर प्रदान करेगा जो समाज से युवा प्रतिभाओं को आकर्षित करके वर्दी धारण करने के प्रति इच्छुक हो सकते हैं जो समकालीन तकनीकी प्रवृत्तियों के अनुरूप हैं और समाज में कुशल, अनुशासित और प्रेरित जनशक्ति की पूर्ति करते हैं। जैसा कि सशस्त्र बलों के लिए, यह सशस्त्र बलों के युवा प्रोफाइल को बढ़ाएगा और 'जोश' और 'जज्बा' का एक नया संसाधन प्रदान करेगा, साथ ही साथ एक अधिक तकनीकी जानकार सशस्त्र बलों की दिशा में एक परिवर्तनकारी बदलाव लाएगा - जो वास्तव में समय की आवश्यकता है।

यह परिकल्पना की गई है कि इस योजना के कार्यान्वयन से भारतीय सशस्त्र बलों की औसत आयु लगभग 4-5 वर्ष कम हो जाएगी। आत्म-अनुशासन, परिश्रम और ध्यान की गहरी समझ के साथ अत्यधिक प्रेरित युवाओं के संचार से राष्ट्र को अत्यधिक लाभ होता है जो पर्याप्त रूप से कुशल होंगे और अन्य क्षेत्रों में योगदान करने में सक्षम होंगे। राष्ट्र, समाज और राष्ट्र के युवाओं के लिए एक अल्पकालिक सैन्य सेवा के लाभांश बहुत अधिक हैं। इसमें देशभक्ति की भावना, टीम वर्क, शारीरिक फिटनेस में वृद्धि, देश के प्रति निष्ठा और बाहरी खतरों, आंतरिक खतरों और प्राकृतिक आपदाओं के समय राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षित कर्मियों की उपलब्धता शामिल है। यह तीनों सेनाओं की मानव संसाधन नीति में एक नए युग की शुरुआत करने के लिए सरकार द्वारा शुरू किया गया एक प्रमुख रक्षा नीति सुधार है। नीति, जो तत्काल प्रभाव से लागू होती है, इसके बाद तीनों सेनाओं के लिए नामांकन को नियंत्रित करेगी।

तालिबान ने की घोषणा तापी परियोजना जल्द होगी शुरू

अफगानिस्तान में तालिबान सरकार ने ऐलान किया है कि तापी यानी तुर्कमेनिस्तान-अफगानिस्तान-पाकिस्तान-भारत पाइपलाइन परियोजना को चार महीने के अंदर शुरू कर दिया जाएगा। टोलो न्यूज के मुताबिक, खनन एवं पेट्रोलियम मंत्रालय के प्रवक्ता इस्मतुल्लाह बुरहान ने कहा कि भूमि अधिग्रहण जैसे कुछ कारणों से परियोजना की प्रक्रिया में देरी हो रही थी। अब बस 15 प्रतिशत तकनीकी प्रक्रियाएं बाकी रह गई हैं, जिसे जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। अर्थव्यवस्था मंत्रालय के प्रवक्ता हबीब रहमान ने कहा कि परियोजना से अफगान अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा।

इस परियोजना के पूरा होने से क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग बढ़ेगा। विशेष रूप से इन चारों देशों के बीच आपसी सौहार्द्र भी बढ़ेगा।

तापी परियोजना का प्रस्ताव 1990 में आया था तब से विभिन्न कारणों से यह शुरू नहीं हो सकी। टोलो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार तापी परियोजना के लिए व्यावहारिक कार्य 2018 में शुरू हुआ था। लेकिन अज्ञात कारणों से यह फिर से यह स्थगित हो गया। वहीं तापी पाइपलाइन को बढ़ाकर 1680 किलोमीटर किया जाना तय किया गया है। इसे अफगानिस्तान के हेरात और कंधार के जरिये पाकिस्तान और भारत से जोड़ा जाएगा।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : यूगल से साभार)

स्वामी "मध्यप्रदेश माध्यम" की ओर से प्रकाशक, मुद्रक राघवेन्द्र कुमार सिंह, मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित एवं डी.बी. कार्प द्वारा दैनिक भास्कर, प्लाट नंबर-10, सेक्टर-बी, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित। सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह।